29 जुलाई 2024 सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

श्रावण मास की शुभकामनाएं

जन सुराज से जुड़े बड़े चेहरे, आनंद मिश्रा और कर्पूरी ठाकुर की पोती भी शामिल

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

पेरिस ओलंपिक में भारत ने रचा इतिहास

पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज मनु भाकर ने कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट में पदक जीता और इस तरह वह ओलंपिक में मेडल जीतने वाली पहली भारतीय निशानेबाज बन गई हैं। मनु ने फाइनल में कुल 221.7 अंक जुटाए। भारत का मौजूदा पेरिस ओलंपिक में यह पहला मेडल रहा। कोरियाई खिलाड़ियों ओह ये जिन ने गोल्ड (243.2 अंक) और किम येजी (241.3) ने सिल्वर मेडल जीता।

कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत, बवाल

दिल्ली में दर्दनाक हादसा

- ओल्ड राजेंद्र नगर क्षेत्र में स्थित राव आईएएस कोचिंग सेंटर का मामला
- 4 घंटे से अधिक समय तक बेसमेंट में फंसे रहे छात्र, पानी में डूबने से मौत
- पानी का बहाव इतना तेज था कि बेसमेंट का गेट टूट गया और पानी भर गया

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के ओल्ड राजेंद्र नगर इलाके में शनिवार शाम को भारी बारिश के बाद राव आईएएस कोचिंग सेंटर की इमारत के बेसमेंट में पानी भर जाने से तीन छात्रों की मौत हो गई। चार घंटे से अधिक समय तक ये छात्र बेसमेंट में फंसे रहे और पानी में डूबने से इनकी जान चली गई। बचाव अभियान शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही दो छात्रों के शव बाहर निकाल लिए गए थे। जबकि तीसरे छात्र का शव देर रात बरामद किया गया। ये सभी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। वहीं पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और कुछ लोगों को हिरासत में लिया है।

प्रारंभिक जांच से पता चला है कि बेसमेंट में एक लाइब्रेरी थी जहां कई विद्यार्थी मौजूद थे। बेसमेंट में लगभग 30 छात्र थे। अचानक बेसमेंट में पानी भरने लगा जिसके कारण फंसे हुए विद्यार्थियों को बाहर निकालने के लिए रस्सियों का इस्तेमाल करना पड़ा। लेकिन तीन छात्र बेसमेंट में ही फंसे रह गए। एक छात्रा ने बताया कि पानी का बहाव इतना तेज था कि बेसमेंट का गेट ही टूट गया और एकदम से बेसमेंट के अंदर पानी भर गया।

दिल्ली सरकार की मंत्री ने दिया घटना की जांच का आदेश

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मुख्य सचिव नरेश कुमार को इस घटना की जांच शुरू करने और 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट देने का निर्देश दिया है। आतिशी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, यह घटना कैसे घटी, इसकी जांच के लिए मजिस्ट्रेट जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस घटना के लिए जो भी जिम्मेदार होगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा।

हादसे को लेकर छात्रों ने किया विरोध प्रदर्शन

हादसे को लेकर रविवार को कई जगहों पर छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। रविवार दोपहर करोल बाग मेट्रो स्टेशन के नीचे काफी छात्र एकत्र हो गए और प्रदर्शन करने लगे। हालांकि उस वक्त तक मेट्रो के नीचे और ओल्ड राजिंदर नगर में भारी सुरक्षाबल को तैनात कर दिया गया था। करोल बाग मेट्रो स्टेशन के नीचे प्रदर्शन के लिए एकत्रित हुए छात्रों की पुलिस से बहस भी हुई। दरअसल छात्र कोचिंग माफिया को खत्म करने की मांग कर रहे थे। इसके साथ ही कोचिंग सेंटर के बेसमेंट में हुए हादसे में मारे गए तीनों छात्रों को इंसाफ दिलाने की मांग कर रहे हैं। डीसीपी सेंट्रल एम हर्षवर्धन ने कहा कि छात्रों की भावनाओं को हम अच्छे से समझते हैं। हमने उन्हें प्रदर्शन करने की अनुमति दी और उन्हें आश्वासन भी दिया कि मैं उनकी मांगों को संबंधित एजेंसियों के समक्ष उठाऊंगा।

दिल्ली में आयोजित मुख्यमंत्री परिषद की बैठक में बोले पीएम मोदी

केंद्र की योजनाओं से न करें छेड़छाड़

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की दो दिवसीय मुख्यमंत्री परिषद की बैठक हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी शासित मुख्यमंत्रियों के साथ केंद्र सरकार की कल्याणकारी पहलों के क्रियान्वयन पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने अपनी पार्टी के मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्रियों को निर्देश दिया कि केंद्र की गरीब कल्याण योजनाओं से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ न करें। यानी कि इस योजना के तहत न किसी परिवार को कोई कमी की जाए और न ही किसी को बढ़ाकर दिया जाए। प्रधानमंत्री अन्न योजना के तहत केंद्र सरकार एक परिवार में प्रति व्यक्ति 5 किलो अनाज दे रही है। पीएम मोदी के अनुसार सबको उतना ही दिया जाए किसी को भी कोई खाद्य पदार्थ ना बढ़ाया जाए और ना ही घटाया जाए। इस बार देश के कई राज्यों में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इस वजह से पीएम मोदी ने साफ निर्देश दिया कि केंद्र सरकार की योजनाओं को अपने-अपने राज्यों में 100 फीसदी जमीन पर उतारें और उसमें कोई बदलाव न करें।

केंद्र की योजनाओं में नहीं करें कोई मिलावट : पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा, केंद्र सरकार कोई भी योजना सोच-समझकर और जनता पर पड़ने वाले प्रभाव को देखकर तैयार करती है। उन योजनाओं के क्रियान्वयन में केंद्र के प्रयासों में कोई मिलावट न करें। पीएम मोदी ने लाभार्थी योजनाओं पर पूरा फोकस करने और उसे सही से लागू करने का भी निर्देश दिया। पीएम ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भी इसमें सहयोग करने की अपील कि ताकि गलत लोग इस का लाभ ना उठाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बैठक को लेकर कहा कि हमारी पार्टी सुशासन को आगे बढ़ाने और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। इस बैठक में केंद्रीय मंत्री राजनाथ सिंह, अमित शाह और जेपी नड्डा ने भी पहुंचे थे। इस बैठक में पीएम मोदी ने उत्तर प्रदेश सरकार की ग्राम सचिवालय व्यवस्था की जमकर तारीफ की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी वहां मौजूद थे।

देश को नशा मुक्त बनाने के लिए खोला गया है मानस केंद्र

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में नशा मुक्त भारत की दिशा में सरकार के प्रयासों का उल्लेख करते हुए मानस हेल्पलाइन पर इससे जुड़ी कोई भी जानकारी साझा करने की अपील की। मन की बात के 112वें एपिसोड में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को नशा मुक्त बनाने के लिए उनकी सरकार ने एक विशेष केंद्र मानस खोला है। सरकार ने एक टोल फ्री नंबर 1933 जारी किया है, जिसमें नशा मुक्ति से जुड़े हुए परामर्श हासिल किए जा सकते हैं। इसके अलावा इस नंबर पर नशे से जुड़ी हुई कोई भी जानकारी साझा की जा सकती है। यह जानकारी गोपनीय रखी जाएगी। प्रधानमंत्री अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात में देशवासियों को देश-समाज में हो रहे सकारात्मक पहलुओं से अवगत कराते हैं। इसी संदर्भ में उन्होंने बाघ संरक्षण की दिशा में हो रहे प्रयासों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि देश में कई ऐसे गांव हैं जहां पर इंसान और बाघ के बीच में कभी टकराव की स्थिति नहीं आती। लेकिन जहां ऐसी स्थिति आती है वहां भी बाघों के संरक्षण के लिए अभूतपूर्व प्रयास हो रहे हैं।

अपराध के मुद्दों पर जमानत न दिया जाना संदेहास्पद : सीजेआई

नई दिल्ली। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने एक बार फिर से निचली अदालत के न्यायाधीशों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि अपराध के महत्वपूर्ण मुद्दों पर याचिकाकर्ता को जमानत न दिया जाना बेहद संदेहास्पद लगता है। मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर जोर दिया है कि किसी भी मामले की बारीकियों को देखने के लिए 'मजबूत सामान्य ज्ञान की भावना' की आवश्यकता है। डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, जिन लोगों को निचली अदालतों से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें असल में जमानत नहीं दी जाती। इस वजह से याचिकाकर्ता को उच्च न्यायलय का दरवाजा खटखटाना पड़ता है। इसके अलावा जिन लोगों को उच्च न्यायालय से जमानत मिलनी चाहिए, उन्हें वहां जमानत नहीं मिलती और इस वजह से उन्हें सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल करनी पड़ती है। इस देरी से उन लोगों को परेशानी होती है, जिन्हें मनमाने तरीके से गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, भारत के मुख्य न्यायाधीश बर्कले सेंटर में मनमानी गिरफ्तारियों से जुड़े एक सवाल के जवाब में ये बातें कहीं।

परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट बाद ही रद्द हुआ जल संसाधन विभाग का पेपर

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा में महज तीन दिन पहले ही एंटी पेपर लीक बिल पास हुआ है। इसमें प्रतियोगी परीक्षा के पेपर लीक को रोकने के लिए 10 साल तक की सजा और एक करोड़ रुपए जुर्माने का प्रावधान किया गया है। लेकिन एक बार फिर पेपर लीक कर अपराधियों ने सरकार के गाल पर करारा तमाचा जड़ा है। साथ ही अपराधियों ने यह भी जता दिया है कि कानून बनने के बाद भी वे यह अपराध नहीं छोड़नेवाले।

दरअसल रविवार को बिहार में जल संसाधन विभाग के द्वारा ऑनलाइन एग्जाम लिया जा रहा था, जिसका एक सेंटर पटना सिटी में भी था। जहां ऑनलाइन एग्जाम की शुरूआत भी हुई, लेकिन परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट बाद ही एग्जाम को कैंसिल कर दिया गया। जानकारी के अनुसार बायपास थाना क्षेत्र के महादेव स्थान के पास स्थित सनराइज इनोवेशन सेंटर में 10 बजे परीक्षा शुरू हुई। परीक्षा शुरू होने के ठीक 10 मिनट के बाद ही सेंटर के पदाधिकारियों ने एग्जाम कैंसिल की सूचना छात्रों को दी। सेंटर से छात्र के निकलते ही वहां के पदाधिकारी सेंटर में ताला बंद कर फरार हो गए। उसके बाद परीक्षार्थियों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। गुस्साए छात्रों ने नेशनल हाईवे की दोनों लेन को जाम कर दिया। परीक्षा रदद होने की सूचना पर परीक्षार्थी रंजीत कुमार और एक अन्य छात्र ने कहा कि आधे लोगों को एग्जाम लिया जा रहा था और आधे का नहीं। परीक्षा शुरू होने के 10 मिनट बाद ही परीक्षा कैंसिल होने की सूचना दी गयी। परीक्षार्थियों ने बताया कि शायद पेपर लीक हो गया हो।

बिहार में शिक्षा घोटाला... 120 का बैग 1200 रुपए में खरीदा गया, कंपनी के सीएमडी पर कार्रवाई की तैयारी

केटी न्यूज/पटना

बिहार विधानसभा में मानसून सत्र के दौरान जेडीयू एमएलसी संजीव कुमार सिंह ने केके पाठक के शिक्षा विभाग का एसीएस रहते स्कूल बैग और अन्य सामानों की खरीद में घोटाले का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि केके पाठक के एसीएस रहते शिक्षा विभाग में भारी वित्तीय अनियमितता हुई है। जांच लिए उन्होंने हाई लेवल कमेटी बनाने की मांग सरकार से की थी। जिसपर शिक्षा मंत्री सुनील कुमार ने जांच कराने की बात कही थी।

अब इस मामले में एक्शन की तैयारी शुरू कर दी गई है। कई जिलों में कार्रवाई की अनुशंसा की गई है। सभी जिलों के डीएम को कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा विभाग के एसीएस एस. सिद्धार्थ ने कहा है कि है कि वित्तीय हेराफेरी को लेकर कंपनी के सीएमडी के खिलाफ एक्शन होगा। एसीएस ने कंपनी के सीएमडी के खिलाफ केस दर्ज कराने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि सप्लायर के खिलाफ कोई एक्शन नहीं होगा। इससे जुड़ी शिकायतों को दर्ज करने के लिए शिक्षा विभाग कॉल सेंटर बनाएगा, जहां इससे जुड़ी शिकायतें दर्ज कराई जा सकती है। दर्ज शिकायतों पर शिक्षा विभाग तुरंत एक्शन लेगा। बता दें कि राज्य के 534 ब्लॉक में एफएलएम कीट का नमूना भेजा गया था।

दरअसल, मानसून सत्र के दौरान विधान परिषद में जेडीयू एमएलसी संजीव कुमार सिंह ने शिक्षा विभाग में वित्तीय अनियमितता का मामला उठाया था। उन्होंने दावा किया कि स्कूलों में बेंच डेस्क, बैग और थाली की खरीद में घोटाला किया गया है। उन्होंने सदन में बैग दिखाकर दावा किया कि 120 रुपए के बैग को 1200 रुपए में खरीदा गया है। 30 रुपए की थाली का दाम 70 रुपए बताया गया है। उन्होंने दावा किया था कि ऐसे कई तरह के घोटाले शिक्षा विभाग में हुए हैं।

बिहार में तेजी से पैर पसार रहा डेंगू अब तक 200 से अधिक मरीज मिले

केटी न्यूज/पटना

बिहार में डेंगू तेजी से अपना पैर पसारने लगा है। वहीं पटना के कई मोहल्लों में लोग डेंगू की चपेट में आने से परेशान हैं। बरसात शुरू होते ही डेंगू का प्रकोप शुरू हो जाता है. पटना में ही पांच नये डेंगू के मरीज मिले हैं तो वैशाली और जहानाबाद में भी डेंगू के डंक से लोग परेशान हो रहे हैं। यहा भी एकएक मरीज मिला है। बिहार में अब तक डेंगू के 200 से अधिक मरीज मिले हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। एनएमसीएच में डेंगू के 14 सैंपलों की जांच में चार डेंगू संक्रमित मरीज मिले हैं। बारिश के बाद डेंगू की दस्तक को देखते हुए पीएमसीएच और एनएमसीएच में 50-50 बेड का डेंगू वार्ड बनाया गया है। इसके अलावा जिला अस्पताल में 20 और प्रखंड स्तर में दो बेड डेंगू के लिए रिजर्व रखे गये हैं। आईजीआईएमएस के डॉ रोहित उपाध्याय के अनुसार तीन दिन से अधिक बुखार बना रहे तो डॉक्टर की देखरेख में डेंगू टेस्ट करवाएं।

10 हजार से अधिक कर्मचारी संभालेंगे साफ-सफाई और स्वच्छता की जिम्मेदारी

महाकुंभ के दौरान डेढ़ लाख अस्थाई शौचालयों की होगी व्यवस्था

केटी न्यूज/लखनऊ

योगी सरकार प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारियों को लेकर मिशन मोड में जुटी हुई है। 12 साल में एक बार होने वाले सनातन धर्म के इस सबसे बड़े आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार कोई कोर-कसर नहीं छोड़ना चाहती। महाकुंभ के दौरान विशेष अवसरों पर करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुगण पुण्य की डुबकी लगाने प्रयागराज में संगम तट पर उमड़ेंगे। आस्थावानों की सुरक्षा और स्वास्थ्य के साथ ही योगी सरकार इस पूरे आयोजन को स्वच्छ बनाने पर भी विशेष जोर दे रही है।

महाकुंभ के दौरान 10 हजार से अधिक कर्मचारी स्वच्छता की जिम्मेदारी उठाएंगे। स्वच्छ कुंभ को समर्पित योगी सरकार पूरे मेला क्षेत्र में लगभग डेढ़ लाख अस्थाई सामुदायिक एवं शिविर शौचालयों और मूत्रालयों को स्थापित करेगी। इसके लिए 300 से अधिक सक्शन गाड़ियां और जेट स्प्रे सफाई प्रणाली का इस्तेमाल किया जाएगा। शौचालयों की सफाई के लिए क्यूआर कोड के जरिए सेवा स्तर की निगरानी की जाएगी।

25 हजार से अधिक लाइनर बैग युक्त डस्टबिन: कुंभ नगरी को स्वच्छ रखने के लिए 120 टिपर-हॉपर और 40 कॉम्पेक्टर ट्रक को लगाया जाएगा। इन वाहनों की जीपीएस से निगरानी की जाएगी। इसके अलावा 25 हजार से अधिक लाइनर बैग युक्त डस्टबिन भी कुंभ मेला क्षेत्र में रखी जाएंगी। इन्हें प्रतिदिन तीन बार बदला जाएगा।

850 समूहों में काम करेंगे सफाई कर्मचारी: बात सफाई कर्मचारियों की करें तो कुंभ के दौरान 10 हजार 200 कर्मियों की तैनाती होगी। ये 850 समूहों में काम करेंगे। योगी सरकार सभी सफाई कर्मचारियों के लिए स्वच्छता कॉलोनी का भी निर्माण कराएगी। सफाई कर्मचारियों की दैनिक मजदूरी का हस्तांतरण सीधे उनके बैंक खाते में किया जाएगा।

गया जंक्शन पर दिसंबर से मिलेंगी तमाम विश्वस्तरीय सुविधाएं : जीएम

- गया जंक्शन को विश्वस्तरीय बनाने के लिए किया जा रहा है पुनर्विकास
- वर्तमान की तुलना में स्टेशन भवन के लिए 2.35 गुणा अधिक जगह हुआ है उपलब्ध

केटी न्यूज/गया

मध्य रेलवे के जीएम ने रविवार को कहा कि दिसंबर 2024 तक गया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं मिलने लगेंगी। इसको लेकर उन्होंने अधिकारियों को समय पर काम पूरा करने का निर्देश दिया है। वे गया रेलवे स्टेशन पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण करने आए थे। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक (जीएम) छत्रसाल सिंह ने गया रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी प्लेटफॉर्म, स्टेशन परिसर, रिजर्वेशन काउंटर, टिकटघर, वेटिंग हॉल, फर्स्ट वेटिंग हॉल के साथ-साथ डेल्हा साइड चल रहे निर्माण कार्य को देखा। उन्होंने हेड क्वार्टर के प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ-साथ वरीय अधिकारियों को निर्देश दिया है कि दिसंबर तक यहां का सारा काम पूरा कर लें। उन्होंने कहा कि रेलयात्रियों की सेवा करना

हमारी पहली प्राथमिकता है। जीएम ने कहा कि विश्वस्तरीय बनाने के लिए गया जंक्शन का पुनर्विकास किया जा रहा है। इसके लिए हर स्तर पर कामकाज शुरू कर दिया गया है। दिसंबर 2024 तक यात्रियों को सुविधा मिलनी शुरू हो जायेगी। जीएम ने एक-एक योजना को देखा और उसे पूरा करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। वहीं गया जंक्शन के पुनर्विकास से जुड़े मुद्दों पर उच्चस्तरीय बैठक की। जंक्शन के पुनर्विकास पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

गया स्टेशन पर होंगी तमाम सुविधाएं: पुनर्विकास के बाद गया रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के स्टेशन पर आगमन व प्रस्थान के लिए अलग-अलग व्यवस्था की गयी है। आगमन व प्रस्थान भवन का निर्माण व तीर्थ यात्रियों के लिए अलग भवन का निर्माण किया जायेगा। स्टेशन के प्रवेश और निकास द्वार ऐसे होंगे जिससे यात्रियों को भीड़-भाड़ का सामना नहीं करना पड़ेगा। वर्तमान की तुलना में मुख्य स्टेशन भवन के लिए 2.35 गुणा अधिक जगह तथा पार्किंग एरिया के लिए 4.9 गुणा अधिक जगह उपलब्ध होगा। इसके अलावा, प्रतीक्षालय के लिए अतिरिक्त 6,400 वर्ग मीटर कॉनकोर्स एरिया, स्टेशन पर कुल 12 लिफ्ट व एस्केलेटर की सुविधा, मौजूदा 3,100 वर्ग मीटर प्लेटफॉर्म क्षेत्र और एफओबी का उन्नयन, अतिरिक्त टिकटिंग सुविधा, दिव्यांग अनुकूल सुविधाएं, ग्रीन ऊर्जा के लिए स्टेशन भवन पर सौर पैनल का प्रावधान, रेन वाटर हार्वेस्टिंग का प्रावधान व अग्निशमन आदि की व्यवस्था होगी। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि वर्तमान में स्टेशन पर स्थित रेल क्वार्टर्स, वेटिंग हॉल आदि को तोड़कर भूमि समतल की जायेगी। इसके बाद स्टेशन पर साइट ऑफिस, लेबर कैंप आदि बनाये जायेंगे। सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है।

पुलिस ने नवादा से 11 साइबर अपराधियों को किया गिरफ्तार

केटी न्यूज/नवादा

बिहार के मिनी जामताड़ा के नाम से मशहूर होते जा रहे नवादा में पुलिस ने एक साथ 11 साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए साइबर ठग बगीचे में बैठकर देश के अलग-अलग राज्यों के लोगों को अपनी ठगी का शिकार बना रहे थे। दरअसल, नवादा साइबर पुलिस ने वारसलीगंज थाना क्षेत्र के अपसढ़ गांव में यह कार्रवाई की है। नवादा साइबर एसडीपीओ प्रिया ज्योति के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई। जिसमें एकसाथ कुल 11 अपराधी को पकड़ा गया है। सभी अपराधी अपसढ़ गांव के ही रहने वाले है। छापेमारी के दौरान मौके से कई अपराधी फरार होने में सफल रहे लेकिन 11 अपराधियों को मौके पर पकड़ लिया गया। इनके पास से 34 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 13 सिम कार्ड, 168 पाने का कस्टमर डेटा सीट एवं एक बाइक को जब्त किया गया है। सभी अपराधी घनी फाइनेंस इंडियाबुल्स के नाम पर लोगों को लोन दिलाने के नाम पर ठगी का काम करते थे।साइबर ठग प्रोसेसिंग फी के तहत लोगों से पैसे ठगने में लगे हुए थे।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक सरगर्मी बढ़ी

जन सुराज से जुड़े बड़े चेहरे, आनंद मिश्रा और कर्पूरी ठाकुर की पोती भी शामिल

केटी न्यूज/पटना

जन सुराज के संयोजक प्रशांत किशोर बिहार की राजनीति में दो-दो हाथ आजमाने की तैयारी में हैं। बिहार भ्रमण के बाद प्रशांत किशोर राजनीतिक दल के गठन को अंतिम रूप देने की तैयारी में हैं। प्रशांत किशोर के अभियान से कई बड़े चेहरे जुड़ रहे हैं। रविवार को राजधानी पटना के बापू सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा समेत कई नेता जनसुराज अभियान में शामिल हुए। प्रशांत किशोर ने बिहार के तमाम राजनीतिक दलों को बड़ा झटका दिया है. चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर, पार्टी बनाकर 2025 के विधानसभा चुनाव में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। उनके अभियान में पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा, कपूर्री ठाकुर की पोती समेत राजद और जदयू के कई नेता शामिल हो रहे हैं। प्रशांत किशोर की इस सक्रियता से दूसरे राजनीतिक दलों को बड़ा झटका लग सकता है। पटना में रविवार को आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग प्रशांत किशोर के जन सुराज अभियान से जुड़े। प्रशांत किशोर ने दावा किया कि अगले

विधानसभा में अभियान से जुड़े सैकड़ों लोग विधानसभा में दिखेंगे। चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने राजधानी पटना के बापू सभागार में शक्ति प्रदर्शन किया। हजारों लोगों की भीड़ जमा हुई। बापू सभागार कार्यकताओं से खचाखच भरा था। आम और खास सभी अभियान का सदस्य बनना चाहते थे। राष्ट्रीय जनता दल के कई बड़े नेता प्रशांत किशोर की टीम का हिस्सा बने। बक्सर लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रह चुके पूर्व आईपीएस आनंद मिश्रा भी जन सुराज अभियान में शामिल हुए। आनंद मिश्रा के अलावा राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व विधायक दुर्गा प्रसाद, राष्ट्रीय जनता दल के पूर्व विधान पार्षद रामबली चंद्रवंशी और जदयू के पूर्व सांसद मोनाजिर हसन ने प्रशांत किशोर की पार्टी से जुड़ने की इच्छा जताई। प्रशांत किशोर एक जाने माने राजनीतिक रणनीतिकार माने जाते हैं। फिलहाल वो बिहार में जन सुराज नाम से अभियान चल रहे हैं। इसके माध्यम जनता को जागरूक किया जा रहा है लोगों को कैसी सरकार चुननी चाहिए जो उनके लिए काम करें। अब बिहार में नयी पार्टी बनाने की तैयारी मे हैं। इससे पहले वो जदयू से जुड़े थे। नीतीश कुमार के उत्तराधिकारी माने जाते थे। इसके बाद उन्होंने जन सुराज की स्थापना की।

बिहार की हालत देखकर चिंतित रहती थी : जागृति

पटना। कपूर्री ठाकुर की पोती डॉक्टर जागृति भी जनसुराज अभियान में शामिल हुई। जागृति ने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश में रह रही थी। बिहार की हालत को देखकर चिंतित रहती थी और अब अभियान के साथ जुड़कर बिहार के लिए सक्रिय होकर काम करूंगी। राष्ट्रीय जनता दल नेता और पूर्व विधान परिषद सदस्य रामबली चंद्रवंशी ने भी जन सुराज का दामन थामा है। रामबली चंद्रवंशी ने कहा कि बिहार को बदलने के लिए प्रशांत किशोर आगे आए हैं। हम लोग मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। मजबूत इरादे और इच्छा शक्ति से हम बिहार को बदल सकते हैं। राजद के पूर्व विधायक दुर्गा प्रसाद ने कहा कि हम लोग जेपी आंदोलन से निकले हैं और जेपी का सपना सच नहीं हुआ है। प्रशांत किशोर के विचार में उनके सपने को सच करने की संभावना दिख रही है। इसके लिए सभी का मिलकर कार्य करना होगा। तभी बिहार को आगे बढ़ाया जा सकता है।

पोखर में नहाने के दौरान दो बच्चों की डूबकर मौत

केटी न्यूज/पूर्णिया

पूर्णिया जिले के मरंगा थाना क्षेत्र के गोआसी पंचायत के आदमपुर वार्ड 1 में गढ़ी पोखर में नहाने के क्रम में दो बच्चों की गहरे पानी में डूबकर मौत हो गई। घटना के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है। घटना की सूचना पर नगर थानाध्यक्ष नवदीप गुप्ता, एसआई पूजा गुप्ता सदलबल के साथ पहुंचे, लेकिन परिजनों ने लाश का पोस्टमार्टम कराने से इंकार कर दिया। मृतक की पहचान आदमपुर

वार्ड 1 निवासी मो सोहराब के पुत्र कोनेन रजा (15 वर्ष) और दूसरे मो इम्तियाज के पुत्री खुशी खातून (14 वर्ष) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि दोनों पोखर गढ़ी पोखर में नहाने के क्रम में पैर फिसलकर कर गहरे पानी में चला गया। दोनों को डूबते हुए देख अन्य बच्चों के द्वारा गांव में हल्ला किए जाने के बाद ग्रामीण पोखर समीप पहुंचे। दोनों को पोखर से बाहर निकाला, लेकिन तब तक में दोनों की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। वहीं परिजनों द्वारा घटना की जानकारी पुलिस को दी। गोआसी मुखिया अफरोज आलम ने मृतक के स्वजनों को ढांढस दिलाया। वहीं परिजनों को आर्थिक सहायता दी जा रही है।

उचित मूल्य 9800197310 उत्तम व्यवहार
गीता प्रेस
पुस्तक की दुकान
सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकों के एकमात्र विक्रेता
सहयोगी प्रतिष्ठान
डॉ. रामप्रवेश राय (मुन्ना राय)
: 6299941536
लक्ष्मी पैलेस मेन रोड, बक्सर (नहर के पास)

बेतिया में बीच सड़क पर धमाका, सात टुकड़ों में बंटा राहगीर का शरीर, जमकर हुआ हंगामा

- हंगामा करने वाले इथेनाल कंपनी में मृतक के बेटे के लिए मांग रहे थे नौकरी, मौके पर पहुंची पुलिस

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया में टैंकर ब्लास्ट होने से रास्ते से गुजर रहे एक व्यक्ति के परखच्चे उड़ गए है। बताया जाता है कि जिस व्यक्ति के परखच्चे उड़े है उसका शरीर सात अलग-अलग टुकड़ों मे विखंडित हो गया है। यह घटना इलाके मे आग की तरह फैल गई और घटनास्थल पर काफी संख्या मे लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। इसमें बाद जमकर हंगामा हुआ। घटना जिले के मझौलिया शुगर इंडस्ट्रीज के इथनॉल प्लांट के गेट के समीप हाई स्कूल चौक की है। मृतक की पहचान मझौलिया थाना क्षेत्र के सतभीड़वा गांव निवासी नागेश्वर मुखिया के 25 वर्षीय पुत्र दरोगा मुखिया के रूप मे की गई है। वहीं घायलों की पहचान मझौलिया गांव निवासी सिकंदर मियां एवं तूफानी मियां है। मझौलिया शुगर इंडस्ट्रीज के एथेनॉल प्लांट गेट के समीप हाईस्कूल चौक पर एक ट्रक टैंकर लेकर एक वेल्डिंग दुकान पर खड़ा था और उसमें कुछ गड़बड़ी होने के कारण वेल्डिंग मिस्त्री गैस बिल्डिंग कर रहे थे। ट्रक इथेनॉल ले जाने नागालैंड से इथेनॉल प्लांट मझौलिया में आया हुआ था।

तब तक अचानक टैंकर ब्लास्ट हो गया और उसी रास्ते से साइकिल से गुजर रहे दरोगा मुखिया बलास्ट की चपेट में आ गए। जिससे उनके शरीर के परखच्चे उड़ गए और शरीर सात भागों में अलग-अलग विखंडित हो गया है। वेल्डिंग कर रहे दो अन्य लोग भी बुरी तरह घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए मझौलिया स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहीं प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जीएमसीएच बेतिया रेफर कर दिया है। घटना के बाद ग्रामीण तथा परिजनों का गुस्सा एकाएक भड़क उठा और सभी लोग सड़क पर उतर कर बवाल काट रहे है। सभी मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिलाने तथा उसके बेटे को इथेनॉल प्लांट में नौकरी की मांग कर रहे है। मझौलिया पुलिस तथा मुफस्सिल थाना की पुलिस आक्रोशित लोगों को समझा-बुझाकर शांत किया।

सीवान में दिनदहाड़े सीएसपी केंद्र से एक लाख की लूट

सीवान। जिले के नवतन थाना क्षेत्र का है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सीवान जिले के नवतन थाना क्षेत्र के मठिया मोड़ पर स्थित एक सीएसपी संचालक जिनका नाम विकास तिवारी है। उनका सीएसपी रोज की तरह कार्य कर रहा था, तभी अचानक 3 की संख्या में मोटरसाइकिल पर सवार हथियार से लैस होकर अपराधी आए और फिल्मी स्टाइल में सीएसपी केंद्र पर मौजूद कैशियर के कनपटी ओर बंदूक रख कर वहां रखे 1 लाख रुपये लूट कर फरार हो गए।यही नहीं अपराधियों ने चेहरे को नकाब से कपड़े से ढंक रखा था, जिस से उन लोगों की पहचान नहीं सकी है। वहीं रुपये लूटकर भागते हुए अपराधियों ने हवाई फायरिंग कर इलाके में दहशत फैलाया।मठिया मोड़ पर भगदड़ मच गई। जब अपराधी भाग गए तब सीएसपी केन्द्र में मौजूद लोगों ने हल्ला किया तो आसपास के ग्रामीण हुए।

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING

FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX

SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

पीएम मोदी व सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में स्वास्थ्य सुविधाएं हो रही हैं बेहतर

बोले स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय... अधिकारी दरभंगा एम्स के लिए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया में लाएं तेजी

- बिहार के लिए केंद्र की ओर से एक बड़ा उपहार
- दरभंगा व आसपास के लोगों को मिलेगा रोजगार

केटी न्यूज/पटना

बिहार के दरभंगा जिले में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निर्माण के लिए केंद्र की मंजूरी मिलने के दो दिन बाद, राज्य सरकार ने संबंधित अधिकारियों को चिह्नित भूमि के हस्तांतरण की प्रक्रिया पूरी करने और उसे तत्काल सौंपने का निर्देश दिया है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने रविवार को बताया कि सभी संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों को दरभंगा में एम्स के निर्माण के लिए चिह्नित भूमि को तत्काल केंद्रीय स्वास्थ्य एवं

परिवार कल्याण मंत्रालय को हस्तांतरित करने सहित सभी आवश्यक कार्य पूरा करने को कहा गया है। दरभंगा और उसके आसपास के जिलों का विकास होगा। बिहार सरकार के स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि केंद्र ने दरभंगा में एम्स के निर्माण के लिए मंजूरी प्रदान कर दी है। यह बिहार के लिए केंद्र की ओर से एक बड़ा उपहार है। हम दरभंगा में एम्स के निर्माण के लिए मंजूरी प्रदान करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा को धन्यवाद देते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राज्य में चिकित्सा सुविधाओं को बेहतर बनाने का काम तेजी से आगे बढ़ा है और यह आगे भी जारी रहेगा। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 25 जुलाई को इस संबंध में राज्य स्वास्थ्य विभाग को केंद्र का एक पत्र मिला है। पटना में एम्स के बाद दरभंगा में बनने वाला एम्स राज्य का दूसरा सर्वश्रेष्ठ चिकित्सा संस्थान होगा। इससे दरभंगा शहर और उसके आसपास के जिलों का व्यापक विकास होगा और रोजगार के भी बहुत अवसर पैदा होंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना के निदेशक ने 25 जुलाई को बिहार स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव को लिखे एक पत्र में कहा कि यह सूचित किया जाता है कि केंद्रीय तकनीकी टीम की अनुशंसा पर सक्षम प्राधिकारी ने दरभंगा के शोभन में एम्स की स्थापना को मंजूरी प्रदान कर दी है। टीम ने दरभंगा में एम्स की स्थापना के लिए एकमी शोभन में स्थल की व्यवहार्यता और उपयुक्तता का आकलन करने के लिए 18 से 19 मार्च, 2024 को दरभंगा का दौरा किया। पत्र के मुताबिक, राज्य सरकार से अनुरोध है कि भूमि मंत्रालय को हस्तांतरित किया जाए और दो वैकल्पिक स्रोतों से 20 मेगावोल्ट-एम्पीयर का स्थायी बिजली कनेक्शन उपलब्ध कराए। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि इस कार्य में यदि कोई कोताही बरतेगा। तब उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

चौसा में नकली मोबिल निर्माण का पुलिस ने किया भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

केटी न्यूज/चौसा

- ब्रांडेड कंपनी के 200 लीटर नकली इंजन ऑयल के अलावे कच्चा तेल, नकली रैपर, बारकोड, पैकिंग करने का डब्बा बरामद

मुफस्सिल थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर चौसा में ब्रांडेड कंपनी की आड़ में नकली मोबिल निर्माण का भंडाफोड़ किया है। इंजन ऑयल मोबिल कम्पनी के शिकायत पर पुलिस ने छापेमारी कर चौसा स्टेशन के समीप एक दुकान से ब्रांडेड कम्पनी के 300 लीटर नकली मोबिल (इंजन ऑयल), नकली रैपर, बारकोड, पैकिंग करने का डब्बा आदि बरामद किया है। पुलिस ने मौके से इस खेल में संलिप्त दुकानदार समेत दो लोगों को गिरफ्तार किया है। जहा कम्पनी के ऑपरेशन मैनेजर के दिए गए आवेदन पर थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई।

जानकारी के अनुसार चौसा स्टेशन पर कैस्ट्रोल व टीवीएस कम्पनी की नकली मोबिल बनाई जाती थी। इसकी शिकायत निर्माण कम्पनी को मिली। जहां सी श्री आई कनसेलेट इंडिया कम्पनी के ऑपरेशन मैनेजर धीरज कुमार को जांच के लिए भेजा गया। धीरज कुमार चौसा पहुंच नकली मोबिल निर्माण स्थल का रेकी की गई। जिसके बाद इसकी सूचना कम्पनी को दी गई। वही, कम्पनी के निर्देश पर मुफस्सिल थाने को जानकारी दी। जिसके बाद पुलिस द्वारा छापेमारी की गई। पुलिस के पहुंचने के साथ दुकानदार दुकान बंद कर भागना चाहा मगर, पुलिस ने उसे दबोच लिया। दुकान की जांच की गई। जहा भारी मात्रा में कच्चे ईजन ऑयल, नकली रैपड़, बारकोड, पैकिंग करने का डब्बा आदि बरामद की गई। वही दो सौ लीटर पैक मोबील भी बरामद की गई। इस मामले में संलिप्त दुकानदार यूपी के गहमर थाना के बारा गांव निवासी इजहार कुरैसी का पुत्र महताब कुरैशी व बक्सर बस स्टैंड स्थित हनुमान नगर निवासी लालबाबू सिंह का पुत्र पप्पू कुमार को गिरफ्तार किया गया। जहा कम्पनी के ऑपरेशन मैनेजर के लिखित आवेदन पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

जिले में फल फूल रहा है ब्रांडेड सामानों के नाम पर नकली का खेल, पहले भी हो चुका है खुलासा

बक्सर जिले में ब्रांडेड सामानों के नाम पर नकली सामान परोस ग्राहकों का आर्थिक दोहन व सरकार को राजस्व की क्षति पहुंचाने का धंधा वर्षों से फल फूल रहा है। चौसा में ब्रांडेड कंपनी के नाम पर नकली मोबिल बनाने का भंडाफोड़ होने के बाद इस बात की पुष्टि हो भी गई है। इसके पहले डुमरांव के राजगोला में ब्रांडेड कंपनियों के नाम पर नकली कास्मेटिक, डाबर कंपनी के नाम पर नकली मधु तथा डाबर तेल की बिक्री का खुलासा हुआ था। जबकि नया भोजपुर में टाटा कंपनी के रैंपर में नकली नमक बेचने की शिकायत पर पुलिस ने छापेमारी कर पूरे गिरोह को पकड़ा था। जिससे यह साबित हो रहा है कि जिले में नकली सामानों का निर्माण व बिक्री धड़ल्ले से हो रही है। इससे एक तरफ ग्राहकों का आर्थिक नुकसान हो रहा है तो दूसरी तरफ सरकार को भी राजस्व की भारी क्षति पहुंच रही है। वही, लोगों को असली प्रोडक्ट का मूल्य चुकाने के बाद भी नकली सामानों का उपयोग करना पड़ रहा है। सबसे अधिक खतरा तो नकली खाद्य पदार्थों में होता है।

थानाध्यक्ष अरविंद कुमार ने बताया कि कम्पनी के एक अधिकारी द्वारा शिकायत की गई थी जिस पर स्टेशन मार्ग में छापामारी कर दो बड़े गैलन में कच्चे तेल, 200 पैक डिब्बे में कैस्ट्रोल वे टीवीएस कम्पनी के इंजन ऑयल, सैकड़ों रैपड़ व बार कोड, पैकिंग डिब्बा आदि समान जब्त किया गया। जिसमें दो लोगों को गिरफ्तार किया गया। महताब कुरैसी किराए के मकान में मोबील बनाता था जबकि, पप्पू रैपड़, डिब्बे आदि समान उपलब्ध कराता था। जहां कागजी करवाई पूरी कर दोनो को जेल भेज दिया गया।

खबरें फटाफट

डुमरांव के वार्ड 13 में दो दिनों से बिजली ठप

डुमरांव। नगर के वार्ड 13 के कुछ भागों में दो दिनों से बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। हल्के से फाल्ट के कारण दो दिनों तक बिजली आपूर्ति ठप होने से उपभोक्ताओं में आक्रोश व्याप्त है। उपभोक्ताओं ने बिजली विभाग के कर्मियों पर मरम्मत के नाम पर पैसा मांगने का आरोप लगाया है। इस संबंध में एक वीडियो भी वायरल हुआ है। जिसमें मोहल्ले का एक व्यक्ति यह कह रहा है कि बिजली मिस्त्री मरम्मत के लिए पैसे की मांग कर रहे है और नहीं देने पर मरम्मत नहीं कर रहे है। वायरल वीडियो में उसके साथ कई अन्य लोग भी ऐसा आरोप लगा रहे है।

समाजसेवी रामजी सिंह को पितृशोक

बक्सर। बक्सर के चर्चित समाजसेवी तथा बक्सर नगर परिषद के उप चेयरमैन प्रतिनिधि आकाश कुमार सिंह उर्फ रामजी सिंह को पितृशोक हो गया है। उनके पिता तथा शहर के प्रतिष्ठित लोहा व्यवसायी परमानंद सिंह का निधन रविवार की सुबह हो गया। वे पिछले छह माह से बीमार चल रहे थे। जानकारी के अनुसार दो दिन पूर्व उनका आरा के निजी अस्पताल में ऑपरेशन हुआ था। शनिवार को उन्हें घर लाया था। अपने आवास पर आने के चंद घंटों बाद उन्होंने दुनिया छोड़ दिया है। परमानंद सिंह अपने पीछे तीन पुत्रों को छोड़ गये है। उनके निधन पर महाराणा प्रताप फाउंडेशन ने दुख व्यक्त किया है।

किसानों को मुंह चिढ़ा रही सूखी नहरें, सूखाग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की हो रही है मांग

सावन के दौरान खेतों में उड़ रही है धूल रोपनी छोड़ बिचड़ा बचाने में जुटे किसान

- 27 जुलाई तक जिले में मात्र 45.67 प्रतिशत ही हो पाई रोपनी
- पानी के अभाव में रोपनी कराने में सक्षम नहीं है किसान

सूखा पड़ा डुमरांव राजवाहा।

टेढ़की पुल के पास सूखा पड़ा खेत।

केटी न्यूज/बक्सर

जिले में इस बार कम वर्षा होने से सूखे जैसी स्थिति हो गई हैं। नहरों में पानी नहीं आने से खेतों में धूल उड़ रहा है। जिस कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है। सूखे जैसी स्थिति तथा नहरों में पानी नहीं आने का परिणाम है कि किसान पिक आवर में धान की रोपनी छोड़ बिचड़ो को बचाने की जुगत में जुटे है। इधर भीषण गर्मी व उमस के कारण खेतों की नमी तेजी से गायब हो रही है। जिस कारण जो किसान ट्यूबवेल के जरिए महंगे डीजल फूंक रोपनी कराए है उनकी फसल भी पीली पड़ने लगी है। जिससे किसान काफी मायूश है।

किसानों का कहना है कि खरीफ खेती के लिए सावन का महीना काफी निर्णायक होता है। इस महीना में धान समेत मक्का व भदया सब्जियों की खेती की जाती है। जहां धान की रोपनी के साथ ही सब्जियों के बिचड़ा को तैयार कर उसे खेतों में रोपा जाता है। वही मक्के की फसल की बुआई से लेकर तैयार होने के बीच में सावन का महीना ही रहता है। नया भोजपुर के प्रगतिशील किसान आशुतोष पांडेय ने कहा कि यदि सावन के महीने में अच्छी बारिश होती है तो धान की फसल के साथ ही मक्का तथा सब्जियों का उत्पादन भी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि इससे फसलों में कीट पतंगों का खतरा कम हो जाता है तथा रोग लगने की संभावना भी नहीं रहती है। लेकिन, बारिश नहीं होने पर फसलों को बचाना काफी मुश्किल होता है तथा इसका सीधा असर उत्पादन पर पड़ता है। धान की खेती करने वाले कोरानसराय के किसान दयाशंकर तिवारी, खलवा ईनार के मनोज यादव आदि की माने तो समय पर रोपनी नहीं होने से बिचड़े भी खराब हो जाते है। किसानों का कहना है कि इस बार मौसम जिस तरह का हो रहा है तथा लगातार पुरवईया हवा चल रही है, उससे सूखा पड़ने के आसार बढ़ गए है।

जिले में 50 फिसदी भी नहीं हुई है रोपनी

किसानों का कहना है कि 31 जुलाई तक धान की रोपनी का सबसे बेहतर समय होता है। समान्य स्थिति में इस समय तक 90 प्रतिशत तक रोपनी हो जाती है। लेकिन, इस बार विभाग द्वारा जो आंकड़ दिया गया है। उसमें 27 जुलाई तक मात्र 45 .67 प्रतिशत ही रोपनी हो पाई है। जिससे इस बार धान की रोपनी लक्ष्य से पिछड़ती नजर आ रही है। बता दें कि कृषि विभाग द्वारा इस खरीफ वर्ष में 96229 .32 हेक्टेयर में धान की रोपनी कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसके मुकाबले अबतक 43948 .22 हेक्टेयर रोपनी ही हो पाई है। विभाग द्वारा लक्ष्य पूरा करने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार करवाया जा रहा है। लेकिन, पानी के अभाव में किसान रोपनी कराने में सक्षम नहीं हो पा रहे है। सिर्फ आर्थिक रूप से संपन्न किसान ही अपने निजी मोटर पंप के सहारे रोपनी करा रहे है।

सामान्य से काफी कम हुआ है वर्षापात : इस बार मानसून रूठ सा गया है। जुलाई महीने में सामान्य से काफी कम वर्षापात हुआ है। कृषि विभाग के आंकड़ो पर गौर करे तो जुलाई महीने में सामान्यतः 277.20 एमएम वर्षापात होना चाहिए। वही, 27 जुलाई तक यह औसत 243.43 एमएम है। लेकिन, 27 जुलाई तक बक्सर जिले में मात्र 199.63 एमएम ही बारिश हुई है। बारिश भी सभी प्रखंडों में एक समान नहीं हुई है। जिस कारण अधिकांश प्रखंडों में धान की रोपनी पिछड़ गई है। मौसम की मार से बेजार किसानों को यह नहीं समझ में आ रहा है कि वे रोपनी कराए या फिर अभी बिचड़ो को बचा बारिश होने या फिर नहरों में पानी आने का इंतजार करें। खासकर नहरों के टेल एंड के किसानों के समक्ष बारिश नहीं होने से चुनौती बढ़ गई है।

विधायक ने विधानसभा में भी उठाया सवाल : वहीं, मामले को लेकर विधानसभा में डुमरांव विधायक डॉ. अजीत कुमार सिंह ने प्रश्न भी उठाया है। उन्होंने विधानसभा में कहा कि नलकूप से पानी नहीं आ रहा है। जवाब में विभागीय अभियंताओं ने विधान सभा में बताया था कि सभी नलकूपों में पानी आ रहा है। लेकिन वस्तु स्थिति कुछ और ही है। अभियंताओं के जवाब से विधायक असंतुष्ट हो गए। जिसके बाद उन्होंने संबंधित मंत्री से पत्राचार किया है।

कहते है कृषि वैज्ञानिक

“ कम वर्षा होने पर किसानों को कम पानी में तैयार होने वाले धान के प्रभेदों की खेती करनी चाहिए। किसानों को इस बात का ख्याल भी रखना होगा कि धान की कौन सी किस्म कम पानी में तैयार होती है। अभी एक पखवाड़े तक रोपनी की जा सकती है। किसानों को अभी कुछ दिन और इंतजार करना बेहतर होगा।

– प्रकाश कुमार, कृषि वैज्ञानिक, कृषि कॉलेज, डुमरांव

शराब के नशे में डॉक्टर से मारपीट का आरोपित धराया

केटी न्यूज/डुमरांव

- चिकित्सक के मना करने पर डंडा लेकर भिड़ गया था आरोपी

शनिवार की रात नगर के सुमित्रा कॉलेज के पास स्थित लाईफ लाइन हॉस्पिटल का एक कर्मी पुरूषोतम दूबे अस्पताल के संस्थापक रहे स्व. द्वारिका तिवारी की विधवा के साथ शराब के नशे में अचानक दुर्व्यवहार तथा मारपीट करने लगा। जिसके बाद इसी अस्पताल में रहने वाले तथा भोजपुर जिले के शाहपुर प्रखंड के भरौली एपीएचसी में बतौर डॉक्टर तैनात डॉ. जितेन्द्रनाथ तिवारी ने उसे ऐसा करने से मना किया। लेकिन, मना करने पर वह लाठी डंडा लेकर डॉ. जितेन्द्र पर ही भिड़ गया तथा उनकी पिटाई कर दी। इधर इसकी शिकायत मिलते ही डुमरांव पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित अस्पताल कर्मी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। डुमरांव थानाध्यक्ष शंभू कुमार भगत ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। वहीं, इस घटना के बाद अस्पताल संस्थापक की विधवा तथा डॉ. जितेन्द्रनाथ डरे सहमे हुए है।

बिना मरीज के हूटर बजाने पर डीएसपी ने जब्त किया एंबुलेंस

केटी न्यूज/डुमरांव

बिना वजह एंबुलेंस का हूटर बजाना व लाईट जलाना एक एंबुलेंस चालक को महंगा पड़ गया है। डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी ने तत्काल इस पर कार्रवाई करते हुए एंबुलेंस को जब्त कर लिया। घटना रविवार को डुमरांव थाना के मुख्य गेट के पास की है। मिली जानकारी के अनुसार यूपी के उन्नाव का रहने वाला एक एंबुलेंस चालक दिल्ली से किसी का शव लेकर डुमरांव आया था। लौटने के दौरान वह बाजार में जाम से बचने के लिए इमरजेंसी लाइट व हूटर का सहारा ले रहा था। संयोग से डुमरांव डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी उसके पीछे आ रहे थे। उन्होंने एंबुलेंस चालक को इमरजेंसी लाइट जलाते व हूटर बजाते देखा तो तत्काल अपने चालक को ओवरटेक करने को कहा। चालक थाना के पास एंबुलेंस से आगे आ उसका रास्ता रोक लिया। इसके बाद डीएसपी ने जब एंबुलेंस की पड़ताल की तो उसमें कोई मरीज नजर नहीं आया, तब उन्होंने चालक से पूछा कि वह किस इमरजेंसी मरीज को लेने जा रहा है। तब चालक बगले झांकने लगा। डीएसपी के पूछताछ में चालक ने बताया कि वह दिल्ली से शव लेकर आया था तथा वापस जा रहा था। बाजार में जाम से बचने के लिए ही उसने हूटर व इमरजेंसी लाइट का सहारा लिया था। इसके बाद डीएसपी ने तत्काल उसके वाहन को जब्त कर जुमार्ना के लिए परिवहन विभाग को सूचना दी।

वहीं, उन्होंने चालक को फटकार लगाते हुए कहा कि बिना किसी मरीज क इमरजेंसी लाइट जलाना तथा हूटर बजाना गैरकानूनी है। उन्होंने कहा कि एंबुलेंस चालकों के इसी हरकत के कारण अब लोग एंबुलेंस को साइड नहीं दे रहे है। जिस कारण कई बार मरीजों की जान भी गवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि परिवहन नियम सभी के लिए बराबर है। डीएसपी के इस पहल का शहरवासियों ने स्वागत किया है और कहा है कि यदि पुलिस पदाधिकारी इसी तरह से संजीदा रहे तो वाहन चालकों की मनमानी नहीं चलेगी।

राजपुर प्रखंड के हरपुर में बनेगा पंचायत सरकार भवन, एसडीओ एवं बीडीओ ने स्थल का किया निरीक्षण

कोर्ट का फैसला: जमीन उपलब्ध है तो मुख्यालय में ही बनेगा भवन

- हाई कोर्ट के निर्देश पर प्रशस्त हुआ मार्ग, एक ही परिवार के तीन लोग करेंगे जमीन दान

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के हरपुर पंचायत के पिपराढ़ गांव में प्रस्तावित पंचायत सरकार भवन का निर्माण नहीं होगा बल्कि पंचायत के मुख्यालय हरपुर गांव में होगा। जिसके लिए शनिवार को उच्च न्यायालय के निर्देश पर पहुंचे एसडीओ धीरेंद्र मिश्र एवं बीडीओ सिद्धार्थ कुमार ने कार्यस्थल के जमीन का निरीक्षण कर ग्रामीण एवं जमीन दाताओं से बात किया। जिस पर जमीन दाता रीता कुमारी पिता स्वर्गीय शिवकुमार सिंह, विश्वनाथ सिंह पिता स्वर्गीय कुंदन सिंह एवं धर्मदेव सिंह पिता स्वर्गीय राम बचन सिंह ने स्पष्ट करते हुए बताया कि खाता संख्या 276 खेसरा 1284 में पंचायत सरकार भवन बनाने के लिए लगभग 27 डिसमिल जमीन दान करेंगे। इससे पहले भी इस वर्णित भूमि पर 33 डिसमिल जमीन पंचायत भवन के लिए दान दिया गया है। विदित हो कि इस पंचायत में पंचायत सरकार भवन बनाने के लिए वर्ष 2022 में ही चयन किया गया था। जिसको लेकर वरीय अधिकारी के निर्देश पर हरपुर एवं पिपराढ़ गांव में स्थल का निरीक्षण किया गया था। जिसमें अंचलाधिकारी द्वारा यह दर्शाया गया था कि हरपुर में उपलब्ध जमीन पिंड की जमीन है। ऐसे में यहां भवन नहीं बनाया जा सकता है। इस आलोक में पिपराढ़ गांव में पंचायत सरकार भवन बनाया जाएगा। इस फैसले से नाराज वार्ड सदस्य ओमप्रकाश सिंह पिता चन्दीप सिंह ने इसको लेकर लिखित आवेदन दिया था कि पंचायत सरकार भवन हरपुर में ही बनना चाहिए। इसके लिए गांव के ग्रामीणों ने भी सहमति जताई थी। इसके लिए कई बार जिलाधिकारी से भी मुलाकात कर मुख्यालय में ही पंचायत सरकार भवन बनाने की बात उठाई गई थी। फिर भी अब तक पहल नहीं की गई थी। तब तक यह मामला उच्च न्यायालय में पहुंच गया। जहां सभी कागजातों की जांच के बाद कोर्ट ने निर्देश दिया कि अगर जमीन उपलब्ध है तो मुख्यालय में ही भवन बनाने की प्राथमिकता होगी। इसके आदेश के बाद डीएम अंशुल अग्रवाल ने पत्र जारी कर भूमि सुधार उपसमाहर्ता एवं अन्य वरीय अधिकारियों को पत्र देकर अवगत कराते हुए हरपुर गांव में निरीक्षण करने का निर्देश दिया था। इसी के आलोक में निरीक्षण कर जमीन दाताओं से बात कर सहमति ली गई। जमीन दाताओं को एक सप्ताह के अंदर राज्यपाल के नाम जमीन करने की कही गई। ग्रामीणों के बीच काफी उत्साह रहा। ग्रामीणों ने बताया कि न्यायालय का आदेश न्याय संगत है। इसका हम लोग सम्मान करते हैं। इस मौके पर सरपंच फुटूचन्द सिंह, वार्ड सदस्य ओम प्रकाश सिंह, जमीन दाता एवं गांव के अन्य सभी ग्रामीण मौजूद रहे।

एक नजर

किसानों ने की नहरों के टेल इंड तक पानी पहुंचाने तथा 20 घंटे बिजली आपूर्ति की मांग

डुमरांव। रविवार को डुमरांव से सटे खलवा ईनार के पास किसान संघ द्वारा किसान महापंचायत का आयोजन किया गया। जिसमें दूर दराज के किसान नेताओं के अलावे आस पास के दर्जनों गांवों के सैकड़ो किसान शामिल हुए। किसान महापंचयत की अध्यक्षता श्याम बिहारी सिंह ने की। महापंचायत को संबोधित करते हुए किसान नेताओं ने कहा कि आज केन्द्र व राज्य सरकार की उदासीनता के कारण अन्नदाता भूखमरी के शिकार हो रहे है। खेतों में पानी नहीं पहुंच रहा हैं। समय से बिजली, बीज व खाद नहीं मिल रहा है। सरकार को किसानों की तनिक भी चिंता नहीं है। किसानों की समस्याओं के समाधान के बदले सरकार उन्हें छह हजार का लालीपप थमा मुंह बंद रखना चाहती है। किसानों ने किसान सम्मान योजना के बदले एमएसपी बढ़ाने को किसानों के लिए फायदेमंद बताया और कहा कि इससे अच्छा रहता कि सरकार एमएसपी को बढ़ा देती, इससे किसानों को अधिक फायदा होता। अध्यक्षता कर रहे किसान नेता श्याम बिहारी ने कहा कि रोपनी का बेहतर समय बीत रहा है। लेकिन, खेतों में धान की फसल के बदले धूल उड़ रही है। नहरे सूखी है। सरकारी ट्यूबवेल वर्षों से खराब पड़े है। जिनकी मरम्मत तक नहीं करवाई जा रही है। किसानों ने इस महापंचायत के माध्यम से डुमरांव एवं भोजपुर राजवाहा के अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने। किसानों को 20 घंटे बिजली देने, बंद पड़े पुराने स्टेट बोरिंग को फिर से चालू करने, नहरों के किनारे नई स्टेट बोरिंग लगाने तथा किसानों को तत्काल सूखा राहत का योजना का लाभ देने की मांग की गई। बैठक में किसानों ने कहा कि यदि राज्य सरकार हमारी मांगों को शीघ्र पूरा नहीं करती है तो पूरे राज्य में किसान चक्का जाम करेंगे। किसान महापंचायत में कोपवां, मुगांव, अमसारी, अरैला, खिरौली, डुमरांव, खलवा ईनार, रजडीहा, कसिया, करूअज, बंझू डेरा नंदन समेत आस पास के दर्जनों गांवों के सैकड़ो किसानों के साथ ही मुख्य रूप से बिहार किसान मोर्चा के कमलेश पटेल, रामाशंकर सरकार, राजद नेता श्रीकांत यादव, मनोज ठाकुर, संतोष भारती, आप नेता मनोज कुमार, रमेश वर्मा, रविकात चौधरी, यमुना तिवारी ,विद्यापति चौबे, अरविंद राय, सुरेंद्र कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

एनडीए कार्यकताओं ने किया जेडीयू एमएलसी श्रीभगवान सिंह कुशवाहा का स्वागत

डुमरांव। रविवार को पुराना भोजपुर में एनडीए कार्यकताओं ने जदयू के वरिष्ठ नेता तथा एमएलसी श्रीभगवान सिंह कुशवाहा का जोरदार स्वागत किया। स्वागत कार्यक्रम डुमरांव भाजपा के नगर मंत्री मुखिया सिंह कुशवाहा के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया। वे एमएलसी बनने के बाद पहली बार बक्सर आए थे। अपने संबोधन में जेडीयू नेता ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए की सरकार काफी मजबूत है। उन्होंने कहा कि उनके नेतृत्व में आगे भी एकजुट होकर सरकार काम करेगी और बिहार को अग्रणी राज्यों की सूची में दर्ज कराएगी। उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में भी जनता बिहार में एनडीए और जदयू की सरकार बनाएगी, जिससे राज्य के हर क्षेत्र का चौतरफा विकास हो सकेगा। वही, उन्होंने कार्यकताओं की तारीफ भी की। जदयू एमएलसी अपने स्वागत से अभिभूत दिखे। इस मौके पर भाजपा नेता दीपक यादव, जगदम्बा पाठक, नीरज सिंह, अभिषेक रंजन, सौरव पाठक, संदीप पाठक, मनीष कुमार, राजीव रंजन सिंह सहित अन्य कई मौजूद रहे।

पूर्व मुखिया की पत्नी के निधन पर शोक सभा

केसठ। प्रखंड के कतिकनार पंचायत के पूर्व मुखिया एवं भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रियव्रत सिंह की 49 वर्षीय पत्नी मंजू देवी की असामायिक निधन शुक्रवार की देर शाम हो गई। वे विगत कई दिनों से बीमार चल रही थी। उनका इलाज वाराणसी के निजी अस्पताल में चल रहा था। वह गंभीर बीमारी के कारण जीवन और मौत से जूझ रही थी। उनके असामायिक निधन पर भाजपा कार्यकताओं एवं समाजसेवियों ने गहरा शोक व्यक्त किया है। रविवार को पुराना बाजार में शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र प्रताप पांडेय ने की। इस दौरान उपस्थित लोगों ने दो मिनट मौन रहकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। मौके पर चंद्रकांत तिवारी, यमुना बारी, कमलेश दुबे, नंद जी यादव, मुन्ना यादव, सत्येंद्र पासवान समेत अन्य लोग मौजूद थे।

डुमरांव में प्रथम ओपेन जिला आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप संपन्न, नौजवानों का रहा जलवा

डुमरांव। प्रथम ओपेन जिला आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप 2024 का आयोजन डुमरांव रेलवे स्टेशन स्थित एक सभागार में हुआ। इस चैम्पियनशिप में जिले, राज्य सहित अन्य प्रदेशों के आर्म रेसलरों ने लिया भाग। इस तरह का आयोजन होने से जिले के नौजवानों में काफी उत्साह देखा गया। सत्तर से पचहत्तर किलोग्राम में प्रथम हर्ष सिंह, द्वितीय राज तिवरी व तृतीय स्थान अंकित यादव ने अपने प्रतिद्वंदी को पछाड़ते हुए हासिल किया। वहीं पचहत्तर से अस्सी किलोग्राम प्रथम आरिश, द्वितीय सुमित तिवारी व तृतीय स्थान अमन सिंह को मिला। वहीं लड़कियों के राइट हैंड में प्रथम स्थान खुशी, द्वितीय प्रियंका व तृतीय स्थान आनंदी रही। लेफ्ट आर्म में प्रथम प्रियंका, द्वितीय आनंदी व तृतीय स्थान पर खुशी रही। अतिथियों का स्वागत पूर्व क्रिकेटर नागेन्द्र नाथ ओझा द्वारा किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन माले नेता संजय शर्मा व चेयरमैन प्रतिनिधि सुमित गुप्ता ने किया। गौरतलब है कि इस तरह की जिले स्तर की प्रतियोगिता में दूसरे जिले व प्रदेशों के आर्म रेसलरों ने भी भाग लिया। इनके भाग लेने से इस प्रतियोगिता की रौनक बढ़ गई थी। कोई अपने शहर का चौम्पियन था तो कोई जिले और राज्य का। जब इनका परिचय कराया जा रहा था तो इसका प्रभाव स्थानीय नौजवानों पर देखने को मिला। सभी उत्साह से लवरेज नजर आ रहे थे। लड़कियों की रेसलिंग देख महिलाओं में भी इसके प्रति काफी अकर्षण देखने को मिला। उन्हें अपने बच्चियों को इस तरफ अग्रसारित करते हुए पाया गया। सभागार बार-बार तालियों से गुंजयमान होता रहा।

इंस्पायर अवार्ड मानकः नन्हे वैज्ञानिक बनने का स्कूली बच्चों को मिला सुनहरा अवसर

केटी न्यूज/डुमरांव

- भारत सरकार शिक्षा मंत्रालय कक्षा छह से 10वीं तक के बच्चों के विचारों को किया जा रहा पोर्टल पर अपलोड
- स्कूल के पांच बच्चों को उनकी लेखनी और ज्ञान के बल पर करना है चयनित

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रत्येक सत्र में नवाचार, नये विचार, नए प्रयोग वर्ग 6 से 10 के विद्यार्थियों के लिए आमंत्रित की जाती है। यह कार्यक्रम इंस्पायर अवार्ड मानक 2024-25 के तहत यह विचार विद्यालय प्रशासन पोर्टल पर अपलोड करता है। विद्यालय के सर्वश्रेष्ठ पांच विद्यार्थी के विचार अपलोड होते हैं। जिला स्तर के चयनित और विजयी विद्यार्थियों को 10 हजार रूपया बैंक के माध्यम से भारत सरकार देती है।

विगत वर्षों में बक्सर जिला राज्य के सर्वश्रेष्ठ पांच स्थानों में अपना नाम दर्ज कराने में सफल हो रहा है। इसबार भी स्थान हासिल करने के लिए जिले के शिक्षा विभाग के अधिकारी काफी मेहनत कर रहे हैं। जिला शिक्षा पदाधिकारी शरिक अशरफ ने इसके लिए विद्यालय प्रशासन को पत्र के माध्यम से निर्देशित किया है। उनके निर्देशन पर शिक्षा विभाग बक्सर के पदाधिकारी डीपीओ, बीईओ इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लगे हुए हैं। बिहार मैथमेटिकल सोसाइटी के सदस्य भी जिला स्तर पर इस कार्यक्रम की प्रचार-प्रसार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। शिक्षा विभाग भारत सरकार के वैज्ञानिक और प्रद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय नव प्रवर्तन प्रतिष्ठान प्रत्येक वर्ष इस तरह के विचार पोर्टल पर अपलोड करता है।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है शिक्षार्थी में विज्ञान और समाज के लिए नए विचार, नए अविष्कार का रजिस्ट्रेशन करना होता है। इसमें आधार कार्ड, पहचान पत्र, आवेदक का निवास प्रमाण पत्र, बैंक खाता, पासपोर्ट साइज फोटो सक्रीय मोबइल नंबर अपलोड किया जाता है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा विभाग से इस योजना के तहत वर्ग 6 से 10वीं कक्षा तक के सभी मान्यता प्राप्त निजी, सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थी इसमें शामिल हो सकते हैं। इसमें प्रत्येक स्कूल के प्रतिभावान विद्यार्थी के मौलिक विचारों और उनके इनोवेशन को इंस्पायर अवार्ड में ऑलाइन पोर्टल पर स्कूल के प्रधानाध्यापक अपलोड किया जाता है। जिला स्तर पर विजेता को 10 हजार रूपया बैंक द्वारा देय होता है। राज्य और देश स्तर पर पुरस्कार की राशि बढ़ती जाती है। बिहार मैथेमेटिकल सोसाइटी के सदस्य डा. मनीष कुमार शशि, अनिता यादव, पम्मी राय, धनंजय मिश्रा, प्रमोद चौबे, डा. सुरेन्द्र सिंह, शिलपम, ऋतुराज, सोनू वर्मा, विशाल जायसवाल, ब्रजेश राय, अमित मिश्रा सहित अन्य शिक्षकों ने विद्यार्थियों से एक सप्ताह के भीतर अपने विचार, नवाचार, नए प्रयोग, नए विचार विद्यालय प्रशासन के पास जमा करने अपील किया है ताकि जिले का नाम देश स्तर पर रौशन हो सके।

खबरें फटाफट

प्रकृति दिवस पर लगाए गए 101 पौधे

डुमरांव। प्रकृति बचाओ अभियान हरित भारत, स्वस्थ्य भारत के तहत पौधा लगाया जा रहा है। रविवार को विश्व प्रकृति दिवस के अवसर पर नगर के विभिन्न स्थानों पर 101 पौधा लगाया गया। साथ ही यह संकल्प लिया गया की इस मानसून सत्र में 1000 पौधा लगाया जाएगा। ग्रीन एम्बेसडर बिहार तरू मित्र उमेश गुप्ता के द्वरा पाघारोपण अभिया चलाया गया। मौके पर मौजूद विमलेश कुमार सिंह, संतोष कुमार, कमलेश कुमर, नवीन गुप्ता, कुमारी पिंकी, नारायण तिवारी उपस्थित रहे।

शोरगुल करता शराबी गिरफ्तार

दिनारा। दिनारा पुलिस ने नशे की हालत में शोरगुल करते हुए एक शराबी को गिरफ्तार कर जांच के उपरांत जेल भेज दिया। दिनारा थानाध्यक्ष विनय कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के दिनारा बाजार से नशे की हालत में शोरगुल करते हुए बक्सर जिला अंतर्गत राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम रसेंन निवासी शशिकांत राय को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। श्री कुमार ने बताया कि गिरफ्तार शराबी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत जेल भेज दिया गया।

मनचलों ने युवक को पीट कर किया जख्मी

बिक्रमगंज। बहन के साथ छेड़खानी का विरोध करने पर मनचलों ने उसके भाई को पीट पीटकर जख्मी कर दिया। पीड़ित लड़की के शिकायत पर पुलिस ने इस संबंध में दो नामजद और चार पांच अज्ञात युवकों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की है। पीड़िता गोसाई मोहल्ला निवासी मुस्कान कुमारी के अनुसार वह अपने बड़े भाई के साथ छोटे भाई को आंगनबाड़ी केंद्र पर छोड़ने गई थी। लौटने के क्रम में तेंदुनी उच्च विद्यालय के पास खड़े कुछ युवक अश्लील फब्तियां कसने लगे। जब उनके भाई राहुल कुमार ने विरोध किया तो वे लोग उसके साथ मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। पीड़िता ने वार्ड नं 22 के निवासी आरजू कोरैशी, दानिश कोरैशी उर्फ मोटे कोरैशी सहित पांच अज्ञात लोगों के विरुद्ध शिकायत की है।

फाइनेंस कर्मियों से 78 हजार की लूट

बिक्रमगंज। थाना क्षेत्र के आरा-सासाराम मुख्य मार्ग लक्ष्मणपुर गांव के समीप बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने फाइनेंस कर्मियों से 78 हजार रुपये लूट लिए। पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। शिकायतकर्ता उत्कर्ष फाइनेंस बैंक नोखा के क्रेडिट ऑफिसर प्रभात कुमार सिंह के अनुसार गुरुवार की शाम वे नटवार से अपने सहकर्मी मुकेश कुमार व अंकित तिवारी के साथ दो बाइक से नोखा लौट रहे थे। लक्ष्मणपुर के पास एक बाइक पर सवार तीन अपराधियों ने ओवरटेक कर पहले मुकेश कुमार की बाइक को रूकवाने का प्रयास किया, लेकिन वह भाग निकला। इसके बाद अपराधियों ने उनकी बाइक रुकवाया और उनसे बैग ले लिया, जिसमें 46 हजार रुपये थे। इसके बाद उनके सहकर्मी अंकित तिवारी की जेब में रखा 32 हजार रुपये लेकर बिक्रमगंज की ओर भाग गए।

दोस्तों ने शराब पीकर बनाई थी हत्या की योजना, नशे में धुत्त होकर घटना को दिया अंजाम

चलती बाइक पर मारी थी युवक को गोली, घर से 500 मीटर दूर फेंका शव

- घटना संदेश थाना क्षेत्र अंतर्गत डिहरी गांव की
- विकास का शव बाइक से फेंकने के बाद भी रंजीत और मिथुन ने मारी थी गोली

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर में 27 जुलाई की सुबह गड़हनी थाना क्षेत्र के विशंभरा गांव निवासी मंजय सिंह के 18 वर्षीय पुत्र विशाल उर्फ लालू का शव मिला था। मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मर्डर किसी और ने नहीं बल्कि उसके 2 दोस्तों ने की थी। मामूली सी बात को लेकर विवाद हुआ था। 26 जुलाई को दोस्त मिथुन और रंजीत ने शराब पीकर हत्या की साजिश रची थी। इसी दिन रात में दोनों विकास को बुलाने उसके घर गए। विकास को बाइक पर बीच में बैठाया था। रंजीत बाइक चला रहा था और मिथुन सबसे पीछे बैठा था। घर से कुछ ही दूरी पर चलती बाइक पर ही मिथुन ने विकास को गोली मार दी और लाश को घर से 500 मीटर दूर फेंका। वहां भी दोनों ने विकास को गोली मारी। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया है। घटना संदेश थाना क्षेत्र अंतर्गत डिहरी गांव की है। मामले की जानकारी सहायक पुलिस अधीक्षक परिचय कुमार ने दी।

एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि विशाल की हत्या करने वालों में संदेश थाना क्षेत्र अंतर्गत डिहरी गांव के निवासी सुरेंद्र सिंह का पुत्र मिथुन कुमार और संदेश थाना क्षेत्र के खोलपुर गांव के निवासी सुदर्शन सिंह का पुत्र रंजीत कुमार उर्फ मुस्की है। दोनों विशाल के दोस्त हैं। शराब पीने के बाद दोनों ने विशाल की हत्या की थी। सहायक पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मिथुन और विशाल के बीच एक सप्ताह पहले ईगो को लेकर नोक झोंक हुई थी। इस दौरान मिथुन ने जान से मारने की धमकी दी थी।

एक गिरफ्तार 27 और एक की 28 जुलाई को हुई : 27 जुलाई की सुबह ग्रामीणों ने विकास की लाश देखी और परिजनों को जानकारी दी। रात भर विकास घर नहीं लौटा था। वे उसकी खोजबीन कर रहे थे। गिरफ्तार युवकों के पास से कांड में इस्तेमाल पिस्टल, मैग्जीन के साथ एक जिंदा कारतूस, दो खोखा, दो मोबाइल और एक बाइक पुलिस ने बरामद किया है। पुलिस ने मिथुन को 27 जुलाई दोपहर में उसके घर से गिरफ्तार किया था। उसी की निशानदेही पर हथियार नवादा थाना क्षेत्र अंतर्गत अनाइट मोहल्ले से बरामद किया। रंजीत को 28 जुलाई की सुबह गिरफ्तार किया। पुलिस को खून से लथपथ कपड़ा भी बरामद किया है।

आरा के करमन टोला में शरीर स्पर्श होने के विवाद में किशोर को गोली मारी, घायल

आरा। बिहार के आरा में शनिवार की रात दुसरे से शरीर स्पर्श होने के विवाद में किशोर को गोली मार कर घायल कर दिया। घटना जिले के नवादा थाना के करमन टोला मोहल्ले की है। जख्मी किशोर को गोली दाहिने पैर में जांघ पर लगी है। इससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। इसके बाद परिजन द्वारा पहले उसे निजी अस्पताल में जाया गया। उसके बाद वहां से उसे आरा सदर अस्पताल लाया गया जहां उसका इलाज कराया जा रहा है। घटना को लेकर आसपास के इलाके में सनसनी मच गई है। वहीं घटना की सूचना पाकर नवादा थानाध्यक्ष कमल जीत पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन में जुट गए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार जख्मी किशोर नवादा थाना क्षेत्र के पूर्वी नवादा रस्सी बागान मोहल्ला निवासी डोमा राय का 17 वर्षीय पुत्र अंकित कुमार है। वही घटना को लेकर अंकित कुमार ने बताया कि शनिवार की देर शाम जब वह बाजार से घर वापस जा रहा था। इसी दौरान में करमन टोला में बोरिंग के पास रास्ते में एक साइड गाय और एक लड़की खड़ी थी। उसी कारण वह उधर से ना जाकर दूसरी साइड से जा रहा था। तभी दूसरी साइड से आ रहे दो युवको की उससे टक्कर हो गई। इसके बाद दोनों युवको ने कहा कि क्या तुम्हें दिखाई नहीं देता है। इसी बात को लेकर उनके बीच तीखी नोंकझोंक हुई। जिसके बाद दोनों युवकों ने उसे गोली मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से जख्मी हो गया। जिसके बाद परिजन द्वारा उसे पहले इलाज के लिए शहर की निजी अस्पताल से आरा सदर अस्पताल लाया गया। वहीं दूसरी ओर जख्मी किशोर अंकित कुमार ने दोनों युवकों से अपने किसी भी विवाद और दुश्मनी से साफ इनकार किया है। इसके साथ ही उसने मोहल्ले के ही सन्नी सिंह एवं रजनीश मिश्रा पर टक्कर हो जाने के कारण गोली मारने का आरोप लगाया है। बहरहाल पुलिस अपने अस्तर से मामले की छानबीन कर रही है।

एक नजर

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर बिहार के पूर्व सीएम विंदेश्वरी दुबे के गांव में हुआ पौधरोपण

आरा। विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस के अवसर पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री विंदेश्वरी दुबे के गांव महुआंव (भोजपुर के बिहिया प्रखंड अंतर्गत) में वरिष्ठ पत्रकार कौशल मिश्रा के नेतृत्व में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन कर आम, कटहल, महोगनी, कदंब आदि पौधों का रोपण किया गया। साथ ही भाजपा नेता राकेश तिवारी अटल के नेतृत्व में हनुमान मंदिर प्रांगण चकवथ में आम और अमरुद का पौधा लगाया गया। कार्यक्रम में उपस्थित पर्यावरणविद् रमेश कुमार सुदामा ने कहा कि प्रकृति संरक्षण युगधर्म है और पौधरोपण सबसे बड़ी पूजा है। प्रकृति संरक्षण के लिए पौधरोपण बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि आज जो जलवायु अनियंत्रित हुआ है इसका कारण है जितना पेड़ हम लगाते नहीं उससे अधिक काट देते है। इस अवसर पर पर्यावरण कार्यकर्ता शैलेश ओझा ने कहा कि बेहतर कल के लिए आज प्रकृति संरक्षण बेहद जरूरी है। प्रकृति संरक्षण के लिए पेड़ों को कटने से बचाने के साथ साथ पर्याप्त मात्रा में पौधरोपण करना आवश्यक है। साथ ही वायु, जल और वन्य जीवों का संरक्षण भी जरूरी है, तभी हमारी प्रकृति संरक्षित होगी और प्रकृति संतुलित। हमें किसी न किसी बहाने वृक्षारोपण अवश्य करना चाहिए और उनकी देखभाल की आदत डालनी चाहिए। पेड़ पौधे हमारी जरूरत भी है और जिम्मेदारी भी। पौधरोपण कार्यक्रम में दक्षिण बिहार पर्यावरण संरक्षण गतिविधि पेड़ उपक्रम प्रमुख रमेश पांडेय सुदामा, सह संयोजक शैलेश ओझा, वरिष्ठ पत्रकार कौशल मिश्रा, भाजपा किसान मोर्चा के उपाध्यक्ष राकेश तिवारी अटल, विशाल सिंह, गोलू तिवारी, आनंद शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

@केसठ : कतिकनार प्लस टू हाई स्कूल में शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम का हुआ आयोजन

केसठ। शिक्षा विभाग के निर्देश के आलोक में प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों में शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके तहत कतिकनार प्लस टू हाई स्कूल में शिक्षा सप्ताह कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्रधानाध्यापक अशोक कुमार सिन्हा के नेतृत्व में की गई।यह कार्यक्रम आगामी तीन अगस्त तक चलेगा। प्रधानाध्यापक ने बताया कि पूरे एक सप्ताह तक हर दिन अलग-अलग विषय पर विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का आयोजन विद्यालयों में किया जाएगा। शिक्षा सप्ताह के पहले दिन सामुदायिक सहभागिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को सामूहिक कार्यक्रम करने एवं सामुदायिक जीवन जीने के टिप्स दिए गए। प्रधानाध्यापक ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में सामुदायिक भावना और टीम वर्क की भावना को विकसित करना है। बच्चों में सामूहिक भावनात्मक कल्याण को प्रोत्साहित एवं तिथि भोजन का आयोजन किया गया। इसी प्रकार कार्यक्रम के दूसरे दिन 29 जुलाई को टीएलएम दिवस 30 जुलाई को एफएलएन दिवस, 31 जुलाई को खेल दिवस, एक अगस्त को सांस्कृतिक दिवस, दो अगस्त को कौशल और डिजिटल पहल दिवस तथा तीन अगस्त को मिशन लाइफ स्कूल पोषण दिवस मनाया जाएगा। इन सभी गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि और सामाजिक कौशलों का विकास करना है। मौके पर ज्ञानेश्वर दुबे, रवि कुमार, रॉबिन कुशवाहा, डब्लू कुमार, अरुण कुमार समेत अन्य शिक्षक मौजूद थे।

प्रखंड के घुसियां खुर्द शक्ति केंद्र पर भाजपा कार्यकर्ताओं व लोगों ने सुनी मन की बात

बिक्रमगंज। रविवार को काराकाट विधानसभा अंतर्गत स्थानीय प्रखंड क्षेत्र के ग्राम पंचायत घुसियां खुर्द शक्ति केंद्र बूथ नंबर 98 एवं 99 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 112 वीं कड़ी को बुथ कमेटी के सदस्यों सहित ग्रामीण जनताओं ने सुनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रभक्ति से संबंधित अनेक बातों को अपने प्रिय जनता के समक्ष शेयर किया। सबसे पहले पेरिस में हो रहे ओलंपिक खेलों में भाग ले रहे खिलाड़ियों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त की। मां के नाम एक वृक्ष कार्यक्रम तहत 2 लाख वृक्षों का प्लांटेशन होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। 15 अगस्त यानी स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी हर घर तिरंगा फहराने का अपने देशवासियों से आह्वान किया। अपने बुथ कमेटी के सदस्यों को संबोधित करते हुए ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष सह काराकाट लोकसभा संयोजक नवीन चंद्र साह ने मोदी द्वारा आह्वान को पूरा न करने पर देश के लिए घातक बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी बीते लोकसभा चुनाव समय 400 पार का नारा दिया था। जो पूरा नहीं हुआ जिसका नजारा संसद में देखने को मिल रहा है। विपक्षी राष्ट्रीय विरोधियों के साथ अपना राग अलाप रहे है। देश को विभाजन विभीषिका की ओर ले जा रहे हैं। मौके पर मन की बात सुनने वालों में धर्मशिला देवी, शिवकुमारी देवी, इंद्रदेव चौधरी, अमित नारायण, संतोष गुप्ता, मुन्ना गुप्ता, हरक पासवान, श्रीभगवान पासवान, लाल बिहारी चौधरी, श्याम सुंदर चौधरी, रौशनी कुमारी, अंकुश साह सहित प्रोफेसर श्री नारायण चौधरी व स्थानीय ग्रामीण लोग मौजूद थे।

रोहतास जिले के विगत लोकसभा चुनाव परिणाम की जदयू जिलाध्यक्ष ने की समीक्षा

सासाराम। जदयूनाइटेड के जिला कार्यालय में रविवार को जिलाध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा की अध्यक्षता में प्रखंड एवं नगर अध्यक्षों तथा प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्षों की एक बैठक संपन्न हुई। बैठक में जिले के विगत लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा की गई और जमीनी स्तर पर पार्टी के गतिविधि पर विचार विमर्श किया गया। इस संबंध में सब की बातों को सुना गया और जिला अध्यक्ष श्री अजय सिंह कुशवाहा द्वारा समस्याओं के समाधान के संबंध में उचित दिशा निर्देश दिया गया। साथ ही, आगामी विधानसभा चुनाव को मद्देनजर रखते हुए बूथ स्तर से पंचायत स्तर तक पार्टी को सक्रिय करने पर भी चर्चा की गई। इस संबंध में उपस्थित साथियों ने भी अपने सुझाव दिए और जमीन स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए अपना संकल्प दोहराया। मौके पर जिला अध्यक्ष श्री अजय सिंह कुशवाहा ने कहा कि पिछले चुनाव से सीख लेकर अगले चुनाव के लिए तैयारी करनी है जिससे बेहतर चुनाव परिणाम प्राप्त हो इसके लिए लोकतंत्र की पहली इकाई बूथ स्तर से पार्टी को सक्रिय करना होगा और पार्टी के हर एक कार्यकर्ता को दृढ़ संकल्पित होकर अपने जिम्मेवारी को समझते हुए अपने काम में लगना होगा। तभी पार्टी अगले विधानसभा चुनाव में बेहतर प्रदर्शन कर पाएगी और प्रदेश को एक मजबूत सरकार मिलेगी। बैठक में संजय वर्मा, धर्मेंद्र कुशवाहा, इरशाद खान, राजेश पटेल, दीपक चौबे, नवनीत राय, आशुतोष सिंह, विनोद कुशवाहा, विकास सिंह, सिद्धेश्वर वर्मा, सुरेंद्र राम, डब्लू कुशवाहा, अमरेंद्र कुमार, हरिहर सिंह, रूपेश चंद्रवंशी, विद्यानंद सिंह कुशवाहा, अशोक चौधरी, सिकंदर सिंह तथा मनोज कुमार सिंह व अन्य लोग मौजूद थे।

मजदूरी कराने के लिए ले जाए जा रहे 11 बच्चे बरामद, 4 बाल तस्कर गिरफ्तार

केटी न्यूज/सासाराम

रविवार को वरीय मंडल सुरक्षा आयुक्त डीडीयू जेथिन बी राज के निदेर्शानुसार निरीक्षक प्रभारी सासाराम संजीव कुमार तथा बीबीए को ऑर्डिनेटर देशराज सिंह के नेतृत्व में उप निरीक्षक डीएस राणावत, सहायक उप निरीक्षक दिलीप कुमार, प्रधान आरक्षी शोभनाथ राम, प्रधान आरक्षी एसके पांडेय तथा बीबीए सदस्या चंदा गुप्ता सहायक परियोजना अधिकारी ने मिलकर सासाराम रेलवे स्टेशन पर ऑपरेशन आहट के तहत विशेष निगरानी/चेंकिंग करने के दौरान सासाराम रेलवे स्टेशन प्लेटफार्म सं0-02 पर गाड़ी संख्या 12389 गया- चेन्नई साप्ताहिक एक्स तथा गाड़ी संख्या 12987 सियालदाह अजमेर एक्स में 11 नाबालिक बच्चों को बाल मजदूरी करवाने ले जाते 04 बाल तस्कर को गिरफ्तार किया गया। जिनसे पूछताछ के दौरान बाल तस्करों ने बताया कि उक्त 11 बच्चों को बाल मजदूरी हेतु चैन्नई लेकर जा रहा थे। उसके बदले बच्चों को प्रतिमाह 12000/-रुपये दिया जायेगा। जिसके बाद सभी बच्चों को परिजनों को सुपुर्दगी हेतु चाईल्ड हेल्प लाईन को सूचित किया गया। सूचना पर चाईल्ड हेल्प लाईन सासाराम के सदस्य आफताब आलम रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट सासाराम पर आये जिन्हें अग्रिम कार्यवाही हेतु 11 नाबलिग बच्चों को सही सलामत बाल कल्याण समिति सासाराम के समक्ष प्रस्तुत हेतु सुपुर्द किया गया। पकड़े गए बाल तस्कर में तस्लीम, प्रदीप प्रजापति, सुबोध कुमार तथा असगर मियां को अग्रिम कानूनी कार्रवाई हेतु प्राथमिकी सहित रेल थाना-सासाराम को सुपुर्द किया गया।

राज्य में अभियान का रूप ले चुका है लेट्स इंस्पायर बिहार : विकास वैभव

केटी न्यूज/सासाराम

लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के तहत आइपीएस विकास वैभव रविवार को सासाराम पहुंचे। यहां पर लेट्स इंस्पायर बिहार अभियान के चैप्टर रोहतास के तहत आयोजित कॉआर्डिनेटर मिट को उन्होंने संबोधित किया। कार्यक्रम में लेट्स इंस्पायर अभियान के रोहतास जिले कोऑर्डिनेटर मौजूद रहे। मौके पर विकास वैभव ने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से 22 मार्च 2021 लेट्स इंस्पायर बिहार का आह्वान किया था, जो अब अभियान का रूप ले चुका है। सभी लोग जो अपने जीवनकाल में बिहार को बदलता देखना चाहते हैं, उज्ज्वल भविष्य बिहार का हो, जिसमें शिक्षा के लिए, स्वास्थ्य के लिए एवं रोजगार के लिए किसी को बाहर ना जाने पड़े। ऐसे बिहार के निर्माण के लिए साथ जुड़ना होगा। कहा कि लेट्स इंस्पायर अभियान के तहत वो प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को लोगों के बीच रहते हैं, कल शनिवार को नवादा में था, आज सासाराम में आपके बीच हूं।

उन्होंने कहा कि जाति-धर्म से उठकर एक दूसरे को सहयोग और जागरूक कर ही हम खुद, समाज और बिहार को आगे बढ़ा सकते हैं। शिक्षा, समता और उद्यमिता के लिए बिहार को जागरूक उन्होंने कहा कि इस मुहिम का उद्देश्य अपने बिहार के गौरव के बारे में नई पीढ़ी को बताना है। उन्हें अपने क्षेत्र के गौरवशाली परंपरा को बताते हुए उसकी तरफ अग्रसर करना है। उन्होंने बदलते बिहार की कल्पना को धरातल पर उतारने व संवारने के लिए युवाओं को आह्वान किया। विकास वैभव ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने जो प्राचीन इतिहास रचे थे। उसे आत्मसात करने की जरूरत है। इसके पूर्व विकास वैभव के सासाराम पहुंचने पर लेट्स इंस्पायर अभियान से जुड़े कार्यकताओं ने उनका स्वागत किया।

महावीर क्विज एंड टेस्ट सेंटर से निःशुल्क शिक्षा प्राप्त कर 19 छात्र बने दारोगा

संस्था के बच्चों को दी जाएगी हर प्रकार की मदद: एडीएम

- सफल दारोगा अभ्यर्थियों के सम्मान के लिए कार्यक्रम का आयोजन

केटी न्यूज/सासाराम

मेहनत इतनी खामोशी से करो कि सफलता शोर मचा दें... इस पंक्ति को महावीर क्विज एंड टेस्ट सेंटर के छात्रों ने सच साबित कर दिखाया है। जिले का एकमात्र निःशुल्क शिक्षण संस्थान महावीर क्विज एंड टेस्ट सेंटर से पढ़कर इसबार 19 छात्र दारोगा बने हैं। रविवार को सफल दारोगा अभ्यर्थियों के सम्मान के लिए समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में रोहतास जिले के एडीएम चंद्रशेखर सिंह, इंफोर्समेंट ऑफिसर पटना सिटी सरोज कुमार, सेक्शन ऑफिसर रक्षा मंत्रालय बीरेंद्र कुमार उपस्थित रहे। मुख्य अतिथियों के साथ-साथ संस्था के वरीय अधिकारियों के हाथों सफल दारोगा अभ्यर्थियों को संस्था के प्रतीक चिन्ह, डायरी, पेन और घड़ी के साथ सम्मानित किया गया। इसके साथ ही मौके पर उपस्थित पदाधिकारी द्वारा सफल दारोगा अभ्यर्थियों को अपने कर्तव्य निर्वहन का मूल मंत्र दिया गया। तथा संस्था के अध्यनरत छात्रों का मार्गदर्शन भी किया गया।

छात्रों को संबोधित करते हुए एडीएम चंद्रशेखर सिंह ने कहा कि, मुझे जान कर काफी खुशी हुई कि हमारे जिले में इस प्रकार का निःशुल्क संस्था चलता है, जहां से अब तक हजारों लोग अपनी जिंदगी सवार चुके हैं। इसके साथ ही उन्होंने संस्थान में अध्यनरत छात्रों के हर प्रकार मदद का भी आश्वासन दिया।

इंफोर्समेंट ऑफिसर पटना सिटी सरोज कुमार ने भी जिले में इस तरीके के प्रयास के लिए संस्था के पदाधिकारी की सराहना की। इसके साथ उन्होंने ने भी छात्रों का मार्गदर्शन किया और मदद का आश्वासन दिया। आपको मालूम है कि महावीर क्विज एंड टेस्ट सेंटर पूर्णतः निःशुल्क शिक्षण संस्थान है। यहां जमीन पर बैठकर बच्चे सेल्फ स्टडी करते हैं। संस्था के संस्थापक छोटेलाल सिंह बताते हैं कि बच्चों के पढ़ाई से संबंधित तमाम चीजे संस्था के पदाधिकारियों द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। आर्थिक रूप से कमजोर छात्र जो पैसों की कमी की वजह से अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं, अपने सपनों को खो देते हैं वैसे छात्रों के लिए महावीर क्विज एंड टेस्ट सेंटर एक उम्मीद की किरण है।

गांव भरसी स्थित आवास से गिरफ्तार हुआ वसूली मामले में फरार चल रहा नरहीं थानाध्यक्ष पन्नेलाल कन्नौजिया

- एडीजी व डीआईजी की छापेमारी में सात फीट ऊंची दीवार कूदकर भागा था वसूली सरगना दारोगा पन्नेलाल

केटी न्यूज / बलिया

बिहार बार्डर पर नरहीं थाना क्षेत्र में ट्रकों से वसूली मामले में फरार चल रहे नरहीं थानाध्यक्ष पन्नेलाल कन्नौजिया को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है। गोरखपुर में गोला थाना क्षेत्र के गांव भरसी निवासी पन्नेलाल को पकड़ने के लिए रविवार को आजमगढ़ एसओजी पुलिस टीमों के साथ पहुंची थी, यहां पर पन्नेलाल ने पुलिस के सामने सरेंडर कर दिया। इसके बाद एसओजी उसे आजमगढ़ ले गई। बता दें कि 24 जुलाई की रात एडीजी और डीआईजी की रेड के बाद कुल 18 लोग गिरफ्तार किए गए थे। ट्रकों से पुलिसकर्मियों द्वारा अवैध वसूली की शिकायत पर सीएम योगी के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। शासन ने एसपी देव रंजन वर्मा को हटा दिया था। साथ ही एडिशनल एसपी का भी तबादला कर दिया गया। इसी के साथ सीओ को सस्पेंड किया गया है। सीएम योगी ने सीओ, एसएचओ नरहीं और चौकी प्रभारी कोरंटाडीह की सम्पत्ति के जांच के भी निर्देश दिए हैं। इस मामले में एसएचओ नरही पन्नेलाला मुकदमा दर्ज होने के बाद फरार हो गया था। तब से उसकी तलाश की जा रही थी।

रविवार को एसओजी को सूचना मिली कि फरार थानेदार गोरखपुर में अपने गांव भरसी में मौजूद है। इसके बाद एसओजी ने गोला और नरहीं थाना

पुलिस के साथ दबिश दी। बताते हैं कि जब टीमें पन्नेलाल के गांव भरसी पहुंची तो वह घर में मौजूद था। हालांकि वह पकड़ में नहीं आया। इससे बाद जब भागने या निकल पाने में सफल नहीं हो पाया तो सरेंडर कर दिया। गोला थानेदार मधुपनाथ मिश्रा का कहना है कि एसओजी टीम को पन्नेलाल के उसके गांव में होने की लोकेशन मिली थी। टीम ने गोला थाने से सहयोग मांगा था। गोला थाने में किसी भी प्रकार का कोई मामला इससे जुड़ा दर्ज नहीं हुआ है।

2012 में बना था दरोगा

पन्नेलाल 2012 में उत्तर प्रदेश पुलिस में दरोगा बना था। वह अगस्त 2022 से बलिया के नरही थाने पर तैनात था और बीते गुरुवार को निलंबन और मुकदमा दर्ज होने तक वह नरही का थानेदार रहा। उसकी गिरफ्तारी के लिए तीन जिलों की पुलिस को लगाया गया था। इस प्रकरण की जांच आजमगढ़ के एसपी शुभम अग्रवाल को सौंपी गई है। ऐसे में एसओजी टीम आजमगढ़ को बड़ी सफलता पन्नेलाल की गिरफ्तारी के रूप में मिली है। आरोप है कि इंस्पेक्टर पन्नेलाल ट्रकों से अवैध वसूली का बड़ा रैकेट चला रहा था। वसूली से बचने के लिए कुछ ट्रांसपोर्टर ने सीधे पन्नेलाल से संपर्क कर रेट तय किए थे। ऐसे ट्रांसपोटरों को भरौली तिराहा और कोरांटाडीह पुलिस चौकी के सामने नहीं रोका जाता था।

पुलिस चला रही थी वसूली गैंग

डीजीपी प्रशांत कुमार को शिकायत मिली थी कि बिहार बॉर्डर पर बलिया पुलिस वसूली गैंग चला रही है। जिसके बाद एडीजी वाराणसी को रेड करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रेकी करने पर एडीजी और डीआईजी आजमगढ़ को पता चला कि यूपी बिहार सीमा पर बक्सर, बिहार से बलिया में आने वाले ट्रकों से थाना नरही के भरौली तिराहा पर पुलिस कर्मियों द्वारा कुछ दलालों के माध्यम से अवैध वसूली करायी जा रही है। इसके बाद एडीजी पीयूष मोर्डिया और डीआईजी वैभव कृष्ण बीते बुधवार रात करीब डेढ़ बजे पांच टीम के साथ भरौली तिराहे पर पहुंचे, जहां ट्रकों से पुलिसकर्मियों द्वारा की जा रही वसूली की सूचना सही पाई गई। मौके से एक आरक्षी हरदयाल सिंह गिरफ्तार हुआ और एक मुख्य आरक्षी विष्णु यादव, दो आरक्षी दीपक मिश्रा और बलराम सिंह कुल तीन पुलिसकर्मी भाग गए। पुलिस कर्मियों द्वारा प्राइवेट व्यक्तियों को दलाल के रूप में प्रयुक्त कर वसूली की जा रही थी। 16 दलाल भी पकड़े गए।

ट्रकों से वसूली मामले में इन पुलिसकर्मियों पर हुई है कार्रवाई

वसूली मामले में थानाध्यक्ष नरही पन्नेलाल और चौकी प्रभारी कोरंटाडीह सहित 3 सब इंस्पेक्टर, 3 हेड कांस्टेबल, 10 कांस्टेबल और एक चालक को निलंबितत किया जा चुका है। निलंबित पुलिसकर्मियों के आवास को सील करते हुए सभी के विरुद्ध मुकदमा भी दर्ज किया गया है।

खबरें फटाफट

120 कॉमन सर्विस सेंटर पर मनाया गया सीएससी दिवस

मऊ। भारत सरकार सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा अधिकृत सीएससी ई गवर्नेंस सर्विसेज इंडिया लिमिटेड में आज सीएससी दिवस के रूप में मनाया गया । सीएससी राज्य मुख्यालय में भी बड़े धूमधाम से सीएससी दिवस के 15 वी वर्षगांठ पूर्ण होने पर मनाई जा रही है और यही कार्यक्रम मऊ जिले के अधिकतर सीएससी सेंटरों पर मनाई जा रही है जिला प्रबंधक अजीत राय के नेतृत्व में जिले में 120 कॉमन सर्विस सेंटर पर सीएससी दिवस मनाया गया है । जिसमें केंद्र के माध्यम से ग्रामीण जनमानस को सरकारी सेवाओं के बारे में जनमानस को जानकारी प्रदान की गई । जिसमे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, किसान सम्मान निधि, डिजिटल साक्षरता अभियान, आयुष्मान जन आरोग्य, एनपीएस ,धन निकासी, बैंकिंग आदि की सेवाएं मुख्य रूप से ग्रामीणों को बताई गई। जनमानस को सरकार की नई योजनाओं के बारे में भी जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर सुधीर शुक्ला व ग्रामीण जनमानस एवं सीएससी टीम उपस्थिति रही।

अपर जिलाधिकारी ने बाढ़ क्षेत्र गांवो का किया निरीक्षण

मऊ । अपर जिलाधिकारी सत्यप्रिय सिंह ने बाढ़ से प्रभावित कई गांव का निरीक्षण किया। इसके अलावा हाहा नाला गेज का भी निरीक्षण कर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हाहा नाला के आसपास बच्चों को पानी में नहाने से मना करने को भी कहा। अपर जिला अधिकारी ने तालतरोय के बैरिया डीह पुल के साथ ही बाढ़ से प्रभावित गांवों के कृषि क्षेत्र का आकलन किया। इन गांवो में हैबतपुर लाल खदरा, लखनौर,बैरिया डीह तालतरोय, शिवराजपुर आदि तटवर्ती गांव शामिल है। इन गांवों के कृषि क्षेत्र का आकलन कर आपदा प्रबंधन द्वारा संबंधित किसानों को अनुग्रह राशि का आकलन किया जाएगा।

पुलिस ने छापेमारी कर दो लोगों को उठाया, चौराहे पर फिर हलचल हुई तेज

बलिया में पुलिस अवैध वसूली मामले की जांच शुरू, रडार पर हैं कई लोग

- यूपी बिहार की सीमा के भरौली चौराहा पर एडीजी वाराणसी व डीआईजी ने की थी छापेमारी
- दो सिपाही समेत 18 लोगों को किया था गिरफ्तार
- पुलिस से मिलीभगत कर अवैध वसूली में लिप्त हैं 10 से 12 लोग

केटी न्यूज / बलिया

नरही थाना के चर्चित यूपी बिहार की सीमा स्थित भरौली चौराहा पर एडीजी वाराणसी व डीआईजी आजमगढ़ ने गुरुवार को रात करीब दो बजे छापेमारी की। अधिकारियों ने यह कार्रवाई शराब, पशु तस्करी, लाल बालू तस्करी आदि की शिकायत पर की थी। मौके से अधिकारियों ने दो पुलिसकर्मी समेत 18 को गिरफ्तार किया। इस मामले में नरही थाना प्रभारी पन्नेलाल, कोरंटाडीह चौकी प्रभारी राजेश प्रभाकर, थाना के हेड कांस्टेबल व चार पुलिसकर्मियों समेत कुल 22 लोगों पर नरही थाना पर मुकदमा दर्ज किया गया है। इस प्रकरण की विवेचना एएसपी आजमगढ़ को दी गई है। अब इसकी जांच पड़ताल शुरू हो गई है। शनिवार की शाम भरौली चौराहा पर एक बार फिर हलचल तेज हो गई। लखनऊ नम्बर वाहनों से आई पुलिस ने पकड़े गए रजिस्टर में अंकित नामों के आधार पर पूछताछ शुरू कर चुकी है। हालांकि अधिकांश लोग अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्रों की माने तो पुलिस के रडार पर 10 से 12 लोग हैं जो पुलिस से मिलीभगत कर अवैध वसूली में लिप्त थे। इतना ही नहीं कई माननीय के नाम पर भी ट्रकें गई हैं। पुलिस ने दो लोगों को उठा लिया है। बता दें कि एडीजी वाराणसी पीयूष मोरडिया व डीआईजी आजमगढ़ वैभव कृष्ण ने गुरुवार को रात करीब दो बजे नरही थाना के यूपी बिहार की सीमा पर स्थित भरौली चौराहा पर छापेमारी की थी। अधिकारियों ने यह कार्रवाई शराब, पशु तस्करी, लाल बालू तस्करी आदि की शिकायत पर की। मौके से अधिकारियों ने दो पुलिसकर्मी समेत 18 को गिरफ्तार किया था। छापे में मौके से कई मोबाइल व बाईक के साथ ही रजिस्टर को पुलिस ने कब्जे में लिया था। गुरुवार को ही नरही थाना में घंटों तक डीआईजी, एसपी, एएसपी मौजूद रहे व कार्रवाई करने मे जुटे रहे। आधिकारियों ने थाना प्रभारी का कमरा सील कर दिया और पुलिसकर्मियों के बॉक्स को खंगाला। डीआईजी वैभव कृष्ण ने बताया था कि छापे मे मौके से 37500 नगद बरामद है। बताया कि नरही थाना प्रभारी समेत कई पुलिसकर्मियों को सस्पेंड किया गया है। अवैध वसूली मे संलिप्तता मे कोरंटाडीह चौकी के प्रभारी समेत चौकी के सभी पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया गया है। दो सिपाही समेत 18 लोगों का चालान किया गया है। इस मामले में पुलिस अधीक्षक एवं अपर पुलिस अधीक्षक का स्थानांतरण का वेटिंग में रखा गया है। जबकि सीओ सदर, नरही थानाध्यक्ष एवं कोण्टाडीह चौकी इंचार्ज के विरुद्ध संपत की जांच करने का आदेश दिया गया था। इस मामले में जांच आरम्भ कर दी गई है। वहीं कई लोग पुलिस के रडार पर है।

बलिया एसपी ने कोतवाली व सुखपुरा थाने का किया औचक निरीक्षण, कर्मियों से की पूछताछ

बलिया। पुलिस अधीक्षक विक्रान्त वीर द्वारा थाना कोतवाली व सुखपुरा का रविवार को आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान थाना

भवन, परिसर में बने मेस तथा बैरकों का औचक निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही थाना मालखाना व ,थाना कार्यालय के महत्वपूर्ण रजिस्टरों जैसे- अपराध रजिस्टर, त्यौहार रजिस्टर, भूमि विवाद, एच.एस, महिला उत्पीड़न, हत्या बलवा, गुमशुदा, पासपोर्ट आदि रजिस्टरों की गहनता से अवलोकन कर संबन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। एसपी द्वारा थाना कोतवाली व सुखपुरा के महिला हेल्प डेस्क पर कार्यरत कर्मियों से पूछताछ करते हुए उनके किये गये कार्यों व रजिस्टर में की गयी एन्ट्री को चेक किया गया तथा रजिस्टर में अंकित शिकायत कताओं के मोबाइल नम्बरों पर फोन से वार्ता कर उनसे पुलिस द्वारा की गयी कार्यवाही से संतुष्ट अथवा असंतुष्ट का फीड बैक लिया गया । सीसीटीएनएस कक्ष का निरीक्षण करते हुए सीसीटीएनएस कर्मचारियों से सीसीटीएनएस के सभी फार्मों की फीडिंग के बारे में पूछताछ की गयी तथा संबन्धित कर्मियों को पंजीकरण, गिरफ्तारी, संपत्ति जब्ती, आनलाइन केस डायरी, जीडी आदि की समय से फीडिंग व समय पर थाने का डाटा सिंक करवाने तथा आनलाइन आईजीआरएस से प्राप्त प्रार्थना पत्रों का समय से निस्तारण करवा कर जांच आख्या समय से अपलोड करने हेतु निर्देशित किया गया, जिससे एक भी प्रार्थना पत्र डिफाल्टर न हो सके तथा प्रदेश में जनपद बलिया का रैंक अच्छा हो सके ।

एक नजर

खेलते-खेलते गड्ढे में गिरा 18 माह का मासूम तड़पकर चली गई जान, घर में मचा कोहराम

सिकंदरपुर। थाना क्षेत्र के घुरी बाबा के टोला गांव में रविवार की सुबह नाली के गड्ढे में खेलते-खेलते गिर जाने से एक मासूम की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, बलिया-सिकंदरपुर मार्ग स्थित घुरी बाबा के टोला में रविवार की सुबह अव्यांश यादव (18 माह) पुत्र विजय खेलते समय अचानक घर के पास गंदा पानी निकलने वाले बने गड्ढे में गिर गया। इसकी भनक घर वालों को नहीं हो पाई। परिजनों के अनुसार, मासूम की मां अमृता ने रोज की तरह अपने बच्चे को दूध पिला कर आंगन में बैठा दिया और अपने दैनिक दिनचर्या में जुट गई। कुछ देर बाद जब आंगन में मासूम अव्यांश नहीं दिखा तो वह उसे खोजने लगी। खोजते-खोजते अमृता जब गड्ढे के पास गई तो बच्चा गड्ढे में गिरा मिला। आनन-फानन में परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिकंदरपुर ले गए, जहां से चिकित्सक द्वारा जिला चिकित्सालय भेज दिया गया। जिला चिकित्सालय में चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद से मां समेत परिजनों का बुरा हाल है। वहीं, मासूम की मौत की सूचना पर गांव में मातम पसर गया।

रहस्यमयी ढंग से बहेरी से गायब हुई विवाहिता

बलिया। बहेरी निवासी मदन पासवान रविवार को अपनी विवाहिता लड़की की शहर कोतवाली में गुमशुदगी का मुकदमा दर्ज कराया है। मदन पासवान के अनुसार उनकी विवाहिता लड़की अंजू पासवान बीते शुक्रवार की दोपहर अचानक बहेरी स्थित मायके से रहस्यमयी ढंग से गायब हो गई। फिर वापस नहीं लौटी। घरवालों ने पहले रिश्तेदारों के यहां खोजबीन की। फिर नहीं मिलने पर रविवार को शहर कोतवाली में तहरीर देकर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। मदन पासवान के अनुसार उनकी लड़की की शादी वर्ष 2017 में हनुमानगंज निवासी नीरज पासवान के साथ हुई थी। शादी के बाद दंपत्ति ने एक बच्ची को भी जन्म दिया जो अभी पांच साल की है। शादी के लगभग दो साल बाद अंजू के पति ने अंजू को छोड़ दिया, जिससे बाद से अंजू अपनी पांच साल की बच्ची को लेकर मायके में रह रही थी। इसबीच बीते शुक्रवार को रहस्यमयी ढंग से मायके यानी बहेरी से गायब हो गई।

प्रग्रापए बैरिया तहसील इकाई की बैठक संपन्न, संगठन को ऊजार्वान बनाने की अपील

बलिया। प्रगतिशील ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन बैरिया तहसील इकाई की बैठक तहसील अध्यक्ष शिवदयाल पांडेय 'मनन' की अध्यक्षता में

रविवार को बैरिया डाक बंगला परिसर में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत मिश्रा, जिलाध्यक्ष विजेंद्र सिंह, वरिष्ठ पत्रकार केके पाठक, प्रदेश कार्यकारिणी संरक्षक मंडल के सदस्य अखिलानंद तिवारी, राजीव चतुर्वेदी की मौजूदगी में संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्यों को परिचय पत्र का वितरण किया गया। उक्त बैठक में संगठन को और गतिशील तथा सशक्त बनने पर विचार विमर्श किया गया। वहीं संगठन के प्रत्येक सदस्य को एक करोड रुपये की दुर्घटना बीमा करने का निर्णय लिया गया। उक्त बैठक में संरक्षक रविंद्र सिंह व वीरेंद्र नाथ मिश्र के अलावा अजय कुमार सिंह मंटू, धीरज सिंह, विश्वनाथ तिवारी, उमेश पाठक, विद्या भूषण चौबे, सत्येंद्र पांडे, अजय तिवारी, कृष्णकांत पाठक, संदीप तिवारी,भानु प्रताप सिंह, अर्जुन कुमार आदि मौजूद रहे।

तंबाकू नियंत्रण के लिए सिटी मजिस्ट्रेट ने निगरानी और सचल दल के साथ की बैठक

मऊ। जनपद में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत नगर मजिस्ट्रेट विजेंद्र कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय निगरानी समिति एवं सचल दल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नगर मजिस्ट्रेट द्वारा निर्देशित किया गया कि जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी मऊ को शासन द्वारा तंबाकू मुक्त शिक्षण संस्थान का अनुपालन किया जाए तथा ऐसे विद्यालयों की सूची तैयार करें जिसके 100 गज के दायरे में तंबाकू की दुकान आती हैं। उनकी सूची मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय को उपलब्ध कराए तथा तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ के अधिकारियों को निर्देशित किया की मऊ के नगरी क्षेत्र में कोटपा अधिनियम का अनाउंसमेंट के माध्यम से प्रचार-प्रसार करना सुनिश्चित करें, साथ ही साथ खाद्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे तंबाकू बिक्री की दुकानों पर किसी भी प्रकार के विज्ञापन को प्रबंधित करें तथा यह सुनिश्चित करें कि उक्त स्थान पर धारा 6 जिसमे की 18 वर्ष से कम उम्र की आयु के बच्चों के द्वारा किसी भी प्रकार के तंबाकू युक्त पदार्थ के विक्रय पर प्रतिबंध है का साइनेज विक्रेता की दुकान पर प्रदर्शित हो एवं साथ ही साथ एवं साथ ही साथ नगर मजिस्ट्रेट ने नोडल अधिकारी तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम को निर्देशित करे।

नए पुलिस अधीक्षक की खामोशी ने विभाग के मातहतों की बढ़ाई धुकधुकी

तिलक कुमार / बलिया

भरौली वसूली कांड के बाद नए पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर रविवार को मीडिया से रू-बरू होकर जनपद की भौगोलिक स्थिति और क्राइम ग्राफ को जानने की कोशिश की। इस दौरान एसपी विक्रांत वीर अपनी मंशा या फिर कार्यशैली को स्पष्ट करने के बजाय पत्रकारों से सुझाव मांगते गए और उसे डायरी में नोट करते गए। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि नए एसपी की खामोशी पुलिस विभाग के मातहतों की धुकधुकी बढ़ा दी है। खासकर सीमावर्ती थानों के थानाध्यक्षों और पुलिसकर्मियों की बेचैनी बढ़ा दी है। 2014 बैच के आईपीएस विक्रांत वीर बीते शुक्रवार की शाम जनपद में पुलिस कप्तान की कमान संभालने के बाद शनिवार को फेफना सड़क

दुर्घटना के बाद जिला अस्पताल में काफी मुस्तैद दिखाई दिए और स्वयं जिला अस्पताल में घंटो जमे रहे। इसके बाद बांसडीह कोतवाली में जाकर थाना दिवस में जनता की फरियाद सुनी। रविवार को प्रेसवार्ता कर खुदकी मंशा स्पष्ट करने के बजाय पत्रकारों से सुझाव देने के नाम पर सारी जानकारी कलेक्ट कर उसे कलमबंद कर लिए। इस दौरान एसपी के सामने सीमावर्ती इलाकों के थानों और वहां के थानाध्यक्षों की कार्यशैली के बारे में उन्होंने जानकारी ली। बालू, दारू और पशु तस्करी का खेल किन थाना क्षेत्रों में ज्यादा होता है, इसकी भी जानकारी ली। लेकिन इस पर एसपी साहब का क्या एक्शन रहेगा, इस पर एसपी साहब खुलकर कुछ नहीं बोले। जिससे विभाग के मातहतों की धुकधुकी बढ़ गई है। खासकर सीमावर्ती थानों के थानाध्यक्षों और पुलिसकर्मियों में बेचैनी बढ़ गई है।

प्रभाकर चौधरी के नक्शे कदम पर विक्रांत वीर

बलिया के तत्कालीन एसपी प्रभाकर चौधरी का कार्यकाल बलिया में भले ही सिर्फ तीन महीने का रहा हो, लेकिन जो छाप उन्होंने छोड़ा वह आज भी नजीर है। ठीक वैसा ही तेवर विक्रांत वीर में उस समय देखने को मिला, जब नवागत एसपी विक्रांत वीर ने कहा कि उनका निजी नंबर भी जनता जनार्दन में साझा किया जाएगा। ताकि कहीं भी जनता को कोई समस्या हो और यदि संबंधित थाने में उनकी सुनवाई नहीं होती है तो वह डायरेक्ट फोन पर बात करके मुझे शिकायत दर्ज करा सकते हैं।

एसपी के रडार पर बलिया के छह थाने

एक पत्रकार ने जब बताया कि सर जनपद में तस्करी चाहे वह बालू हो या दारू या फिर गाय, सबसे ज्यादा बदनाम मनियर, बैरिया, दुबहर, हल्दी, दोकटी और नरहीं है। इस पर एसपी साहब ने तुरंत यहां की भौगोलिक स्थिति को जाना और अपनी डायरी में नोट कर लिए।

ताड़का वध के लिए बक्सर जाते समय यहां रुके थे भगवान श्रीराम और लक्ष्मण

12 दुअरिया शिव मंदिर लोगों के बीच बना हुआ है आस्था का केंद्र

केटी न्यूज / मऊ

जनपद के नौसेमर गांव में स्थित बारह दुअरिया मन्दिर लोगों में आस्था का प्रतीक और विश्वास का केन्द्र बना हुआ है। बारह दुअरिया मंदिर जिला मुख्यालय और सदर ब्लाक मुख्यालय से पांच किलोमीटर दूर नौसेमर गांव से सटे दक्षिण-पश्चिम बहने वाली पावन सलिला तमसा नदी के तट पर स्थित है । इस पवित्र मंदिर को बरदुअरिया के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि इस मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग स्थापित है और गर्भगृह में बारह दरवाजे हैं। कहा जाता है कि यहाँ घना जंगल था जब भगवान श्रीराम लक्ष्मण जी महर्षि विश्वामित्र के साथ तड़का बध के लिए बक्सर जा रहे थे उसी समय

सायंकाल रुके थे और यही भगवान शिव की आराधना पूजा किया था और एक शिवलिंग की स्थापना किया था। एक अन्य किवदंतियों के अनुसार सन 1718 में इस स्थान पर पूरा जंगल था। उक्त तमसा जल मार्ग से गाजीपुर जिले के जंगबहादुर जायसवाल नामक व्यापारी उक्त स्थान समीप पहुंचे तो नाव नदी के बीच में ही रुक गई। उनको शौच की अनुभूति होने पर वह जगह तलाश रहा था कि उसे अचानक शिवलिंग दिखाई पड़ा, शिवलिंग देखकर वह आश्चर्य चकित रह गया ,फिर उसने उस स्थान पर खुदाई शुरू कर दी। खोदाई करते करते थककर व्यापारी सो गया। स्वप्न में भगवान भोले ने अपनी प्रचंड लीला दिखाई। नींद खुलने पर हाथ जोड़ विनती कर उसे वहीं स्थापित कर दिया और मन्नत मांगी कि व्यापार में लाभ होने पर मंदिर बनाऊंगा। फिर व्यापार में खूब लाभ होने पर उसने मंदिर का निर्माण करवाया। यहां ऐसी भी मान्यता है कि बहुत पहले एक साधु आए जो सप्ताह में एक बार गाय के शुद्ध दुग्ध के खोआ का सेवन करते थे और तमसा के सतह जल पर श्रीराम नाम जाप खड़ाऊं पहनकर नदी पार कर जाते थे।मान्यता है कि जो भी व्यक्ति दर्शन पूजन करता है उसकी मनोकामना पूर्ण होती है ।यहाँ पर सावन माह के प्रत्येक सोमवार ,कार्तिक पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के दिन भव्य मेला का आयोजन किया जाता है। यहाँ श्रद्धालु मनोकामना पूर्ण होने के लिए अथवा मनोकामना पूर्ण होने पर सावन माह ,कार्तिक पूर्णिमा, और महाशिवरात्रि पर 24 घण्टे और 48 घण्टे का शुद्ध घी का अखण्ड दीपजलाते हैं ।यहाँ भगवान शिव का दर्शन करने के लिए इलाके जिले के साथ ही दूरदराज जिलों से भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दर्शन पूरे सालभर आती रहती है।

पहुंचने का मार्ग

जिला मुख्यालय सदर तहसील क्षेत्र अंतर्गत कोपागंज ब्लाक क्षेत्र मुख्यालय से चार किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण बरदुअरिया मंदिर पिच सड़क से होकर आटो रिक्शा या चारपहिया, दो पहिया वाहन से दर्शन को श्रद्धालु जाते हैं।

डॉ. पद्मजा सिंह की लिखी पुस्तक से और समृद्ध हुआ नाथपंथ पर इतिहास सम्यक ज्ञान संसार

केटी न्यूज/ गोरखपुर

- नाथपंथ के इतिहास से लेकर वर्तमान तक का सारगर्भित और सरल प्रस्फुटन है डॉ. पद्मजा सिंह की पुस्तक नाथपंथ का इतिहास

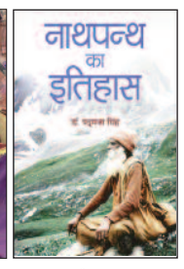

योग को लोक कल्याण का ध्येय बनाने वाले नाथपंथ पर साहित्य सम्यक ज्ञानकोष के साथ ही अब इतिहास सम्यक, तथ्यपरक शब्द-ज्ञान संसार भी समृद्ध हो रहा है। नाथपंथ की इतिहासपरक जानकारी उपलब्ध कराने वाले नाथपंथ के विशिष्ट अध्येता डॉ. प्रदीप कुमार राव के ग्रंथ नाथपंथ की वर्तमान उपादेयता का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के महत्वपूर्ण अवदान के बाद अब नाथपंथ के विशेषज्ञ के रूप में प्रतिष्ठित डॉ. पद्मजा सिंह नाथपंथ का इतिहास शीर्षक से एक पुस्तकीय कृति का सृजन किया है।

डॉ. पद्मजा सिंह की यह पुस्तक न केवल नाथपंथ के आभिर्भाव और पुनर्गठन का ऐतिहासिक विवेचन करती है बल्कि यह इस पंथ की विशिष्टता और लोक कल्याण की इसकी स्वतः स्फूर्त प्रकृति और तत्संबंधी गतिविधियों को भी आमजन के समक्ष सरलता से प्रस्फुटित करती है। यह पुस्तक ऐतिहासिक आख्यान और तथ्यों के साथ यह विश्लेषण करती है कि महात्मा बुद्ध के बाद भारत में सामाजिक पुनर्जागरण का शंखनाद महायोगी गोरखनाथ जी ने किया। महायोगी गोरखनाथ जी ऐतिहासिक युग में भारतीय इतिहास के ऐसे पहले तपस्वी हैं जिन्होंने विशुद्ध योगी होते हुए भी सामाजिक राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व किया। वास्तव में उन्होंने नाथपंथ का पुनर्गठन ही सामाजिक पुनर्जागरण के लिए किया। पारलौकिक जीवन के साथ भौतिक जीवन का सामंजस्य बिठाने वाले महायोगी ने भारतीय समाज में सदाचार, नैतिकता, समानता और स्वतंत्रता की वह लौ प्रज्ज्वलित की जिसकी लपटें जाति-पांति, छुआछूत, ऊंच-नीच, अमीरी-गरीबी, पुरुष-स्त्री, विषमताओं और क्षेत्रीयतावाद जैसी प्रवृत्तियों को निरंतर जलाती रहीं।

डॉ. पद्मजा सिंह की पुस्तक यह बताती है कि नाथपंथ के विचार-दर्शन ने एक ऐसी योगी परंपरा को जन्म दिया जिसने भारतीय संस्कृति की एकाकार सामाजिक चिंतन की प्रतिष्ठा को ही अपना उद्देश्य बना लिया। वास्तव में ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में देखें तो भारत के सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन को सर्वाधिक प्रभावित करने वाले मध्ययुगीन भक्ति आंदोलन की राह नाथपंथी योगियों ने गढ़ी। समस्त मध्यकालीन भक्ति साहित्य महायोगी गोरखनाथ एवं नाथपंथ की साहित्यिक चेतना से प्रतिबिंबित है।

वर्तमान दौर में गोरखपुर स्थित श्रीगोरक्षपीठ को ही नाथपंथ का निर्विवाद मुख्यालय क्यों माना जाता है, यह पुस्तक इस तथ्य को भी अत्यंत तर्कपूर्ण तरीके से स्पष्ट करती है। नाथपंथ की परंपरा के अनुसार गोरखपुर में स्थित श्रीगोरखनाथ मंदिर उसी स्थान पर है जहां त्रेतायुग में गुरु गोरखनाथ जी ने तपस्या की थी और गहन समाधि लगाई थी। इसलिए यह नाथसिद्धों की सर्वोच्च पीठ है। श्रीगोरखनाथ मंदिर के महंत नाथयोगियों के आध्यात्मिक नेता माने जाते हैं क्योंकि नाथपंथ की परंपरा में इस मंदिर एवं पीठ के महंत एवं पीठाधीश्वर महायोगी गोरखनाथ जी के प्रतिनिधि माने जाते हैं। नाथपंथी योगियों की यह भी मानता है कि महायोगी गोरखनाथ जी की अदृश्य उपस्थित आज भी इस मंदिर में रहती है और वे समय-समय पर इस मंदिर के महंत का मार्गदर्शन करते हैं। यही कारण है कि यहां के महंत का स्थान नाथपंथ में सर्वोच्च माना गया है। महायोगी गोरखनाथ द्वारा प्रतिष्ठित महान आध्यात्मिक आदर्श की सुरक्षा का दायित्व इस मंदिर के महंत पर ही होता है। श्रीगोरखनाथ मंदिर की यह विशेषता भी है कि इसके कपाट सभी के लिए खुले रहते हैं। इस मंदिर के सभी महंत बिना भेदभाव समाज में सभी के यहां, सभी के साथ पानी पीते हैं, भोजन करते हैं और अपने भंडारे में सभी के साथ भोजन प्रसाद ग्रहण करते हैं।

नाथपंथ का इतिहास पुस्तक मुख्यतः नौ खंडों में विभक्त है। भूमिका के पहले खंड के बाद दूसरे खंड में नाथपंथ का परिचय, तीसरे खंड में नाथपंथ के प्रवर्तक गुरु गोरखनाथ के बारे में विस्तार से वर्णन है। चौथे खंड में नवनाथ और चौरासी सिद्धों का सविस्तार उल्लेख है तो पांचवें खंड में नाथपंथ की महंत परंपरा, छठवें खंड में नाथयोग के दर्शन एवं स्वरूप, सातवें खंड में नाथयोग का समाज पर प्रभाव वर्णित है। जबकि आठवें खंड में नाथपंथ की सामाजिक भूमिका और नौवें खंड में नेपाल में नाथपंथ की स्थिति पर प्रकाश डाला गया है।

खबरें फटाफट

तरुमित्र सेवा समिति ने बांटे दो सौ पौधे

पीडीडीयू नगर। तरुमित्र सेवा समिति द्वारा रविवार को सुभाष पार्क में सुबह नौ बजे पौध वितरण एवं पौधरोपण का कार्य किया गया। इस दौरान एक गोष्ठी का आयोजन भी किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रमेश जायसवाल द्वारा दो पौधे सुभाष पार्क में लगाया गया, और दो सौ पौधे मुफ्त बांटे गए । सभा का संचालन बी के सिंह ने किया । रमेश जायसवाल का स्वागत तरुमित्र के सभी पदाधिकारियों द्वारा बुके दे कर किया गया । रमेश जायसवाल ने तरुमित्र के इस पुनीत कार्य की सराहना करते हुए कहा कि नगर के सभी व्यक्तियों की जिम्मेदारी बनती है कि वायु मंडल की शुद्धता के लिए पेड़ अवश्य लगाएं और नगर को हरा भरा करें। गोष्ठी में तरुमित्र के अन्य पदाधिकारी पर्यावरण पर अपनी अपनी राय व्यक्त की। अंत में सभा का समापन करते हुए तरुमित्र सेवा समिति के अध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार जायसवाल ने लोगों से अपील किया कि जनपद की जनता कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाए जिससे उनको पेड़ द्वारा छाया, फल, ऑक्सीजन उनको मिलता रहे। सभा में बी के अग्रवाल ,नरेंद्र अरोड़ा, अरुण श्रीवास्तव, अनिल केशरी,पवन अग्रवाल,दिलीप गुप्ता,राजकुमार जायसवाल,राजू सेठ, वी के राठौर, कैप्टन राजेश सिंह, सुबास चौहान, दीक्षित जी, संजय जायसवाल उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट पर पीएम मोदी के उद्बोधन को बताया प्रेरणादायी

मन की बात राष्ट्रीय चेतना व जनजागरण का सशक्त माध्यम : योगी आदित्यनाथ

- मुख्यमंत्री ने की अपील- पीएम नरेंद्र मोदी के आह्वान पर 'हर घर तिरंगा' अभियान से जुड़ें देशवासी
- बोले-भारतीय टीम की उपलब्धि ने भारत की मेधा को वैश्विक मंच पर किया है प्रतिष्ठित

केटी न्यूज/लखनऊ

मेधा ने भारत को वैश्विक मंच पर किया प्रतिष्ठित

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने आज मन की बात कार्यक्रम में इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम और उनके जज्बे व प्रतिभा का गौरवपूर्ण उल्लेख किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि चार स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल करते हुए ओवरऑल टैली में शीर्ष पांच में पहुंचकर समूचे विश्व में भारत का मान बढ़ाने वाली भारतीय टीम का हार्दिक अभिनंदन! इस उपलब्धि ने भारत की मेधा को वैश्विक मंच पर प्रतिष्ठित किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि टीम के सदस्य कनव तलवार ग्रेटर नोएडा, आदित्य वेंकट गणेश पुणे, सिद्धार्थ चोपरा पुणे, अर्जुन गुप्ता दिल्ली, रुशील माथुर मुंबई और आनंदो भादुरी गुवाहाटी के नेतृत्व में मिली यह ऐतिहासिक उपलब्धि असंख्य युवाओं के लिए अथाह प्रेरणा प्रदान करने वाली है। टीम का उत्साहवर्धन करने के लिए सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभार जताया।

स्वदेशी अभियान भारतीयों के जीवन में लाएगी समृद्धि

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प की सिद्धि की दिशा में स्वदेशी अभियान को नई ऊर्जा प्रदान करने वाली एक अभिनव पहल का आह्वान किया है। प्रधानमंत्री जी ने देशवासियों से अपने पसंदीदा स्थानीय उत्पादों को #MyProductMyPride के साथ सोशल मीडिया पर साझा करने का आग्रह किया है। यह पहल लघु उद्योगों और कारीगरों को बढ़ावा देकर लाखों-करोड़ों भारतीयों के जीवन में समृद्धि लाएगी। सीएम ने आमजन से अपील की कि 'वोकल फॉर लोकल' के मंत्र को अंगीकार करते हुए अपने पसंदीदा स्थानीय उत्पादों की तस्वीरें #MyProductMyPride के साथ पोस्ट कर प्रधानमंत्री जी के इस पहल को सफल बनाएं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लिखा कि इस प्रेरक पहल के लिए प्रधानमंत्री जी का हार्दिक आभार!

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को देशवासियों से 'मन की बात' की। पीएम ने रविवार को अनेक मुद्दों पर अपनी राय रखी। मुख्यमंत्री ने अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखकर 'मन की बात' की तारीफ की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' में उनके उद्बोधन को प्रेरणादायी बताया। सीएम योगी ने इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को भी शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में इंटरनेशनल मैथमेटिक्स ओलंपियाड में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम के जज्बे का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 'स्वतंत्रता दिवस' के साथ जुड़े 'हर घर तिरंगा अभियान' को लेकर देशवासियों के अपार उत्साह की भी चर्चा की। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश समेत समूचे देशवासियों से इस जनआह्वान से जुड़ने की अपील की।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का मन की बात कार्यक्रम राष्ट्रीय चेतना और जन-जागरण का एक अद्वितीय एवं सशक्त माध्यम है। यह न केवल देशवासियों के साथ सार्थक संवाद स्थापित करता है, बल्कि हम सभी में सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। सीएम ने लिखा कि इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री जी द्वारा उठाए गए विषय आज जन-आंदोलन का रूप लेकर समूचे भारत को नई-नई दिशाएं प्रदान कर रहे हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान', 'वोकल फॉर लोकल', 'हर घर तिरंगा' और 'एक पेड़ माँ के नाम' जैसे अनेक अभियान इसके सशक्त प्रमाण हैं। आज उन्होंने कार्यक्रम में बढ़ते भारत और यहां विरासतों के संरक्षण की दिशा में हो रहे कार्यों पर प्रमुख रूप से चर्चा की है। इस विषय पर प्रेरणादायी उद्बोधन के लिए सीएम ने प्रधानमंत्री के प्रति हार्दिक आभार जताया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) पर 'हर घर तिरंगा' अभियान की भी चर्चा की। इससे जुड़ने का आह्वान करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखकर राष्ट्रभक्तों की पावन स्मृतियों को नमन करने की अपील की।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा कि आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में 15 अगस्त 'स्वतंत्रता दिवस' के साथ जुड़े 'हर घर तिरंगा अभियान' को लेकर देशवासियों के अपार उत्साह की चर्चा की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम सभी से देश की शान तिरंगे के साथ पूर्व की भांति इस वर्ष भी अपनी सेल्फी लेकर हर घर तिरंगा डॉट कॉम पर अपलोड करने का आह्वान किया है। इस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने देशवासियों से अपील करते हुए लिखा कि आइए, भारत माता के सभी वीर सपूतों, ज्ञात/अज्ञात अमर बलिदानियों और राष्ट्रभक्तों की पावन स्मृतियों को नमन करते हुए इस जन-आह्वान से हम सब जुड़ें।

एक नजर

केंद्र सरकार का बजट सर्वांगीण, समावेशी विकास पर ध्यान देने वाला: सीमा द्विवेदी

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह की अध्यक्षता में रविवार को बजट पर चर्चा का आयोजन सीहीपुर स्थित जिला कार्यालय में किया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप मे राज्य सभा सदस्य सीमा द्विवेदी और मुख्य वक्ता के रूप मे क्षेत्रीय महामंत्री एवं जिला प्रभारी अशोक चौरसिया उपस्थित रहे। सीमा द्विवेदी ने बजट की प्रशंसा की और इसके विजन तथा सर्वांगीण एवं समावेशी विकास पर ध्यान केंद्रित करने की बात कही। कहा कि केंद्रीय बजट 2024-25 रोजगार और अवसरों के एक नए युग की शुरूआत करके भारत को एक विकसित देश के रूप में उभरने की गति को बढ़ावा देगा यह बजट कई मायनों में अद्वितीय है और इसमें राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार की सर्वांगीण और समावेशी विकास के लिए नौ प्रमुख प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित करके भारत के विकास को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि 25 महत्वपूर्ण खनिजों पर आयात शुल्क माफ करने तथा दो अन्य पर शुल्क कम करने से इन खनिजों पर निर्भर घरेलू कंपनियों की इनपुट लागत कम होगी, प्रसंस्करण और शोधन में निवेश आकर्षित होगा तथा डाउनस्ट्रीम उद्योगों के विकास को समर्थन मिलेगा। यह कदम भू-राजनीतिक अशांति के वैश्विक रुझानों के कारण आयात पर निर्भरता और आपूर्ति जोखिमों के बढ़ते स्तर से भारत को बचाने के लिए महत्वपूर्ण है। मुख्य वक्ता के रूप मे जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने कहा कि एंजल टैक्स को समाप्त करने की केंद्रीय बजट घोषणा एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है जो भारत में स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देगा। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि बजट में कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, क्योंकि इसका उद्देश्य युवाओं को नौकरी चाहने वालों के बजाय नौकरी देने वाले बनाना है। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने की।

किसान तकनीक अपनाकर अपनी आय कर सकते हैं दोगुनी: विनोद कुमार यादव

चंदौली। जनपद में विभिन्न पारिस्थितिकीय संसाधनों द्वारा कीट व रोग नियंत्रण योजना के तहत तकनीकि कर्मचारियों एवं कृषकों का एकीकृत नाशीजीव प्रबंधन प्रक्षिक्षण ब्लॉक सभागार में हुआ। इसमें कीट रोग नियंत्रण सहित तमाम जानकारियां पर प्रशिक्षकों की ओर से दी गई। इस दौरान जिला कृषि रक्षा अधिकारी विनोद कुमार यादव ने कहा कि नई तकनीक अपना कर किसान अपनी आमदनी को दोगुना कर सकते हैं। कृषि वैज्ञानिक डॉ राघवेन्द्र सिंह ने कहा कि आईपीएम में जैविक विधियों को अपनाकर फसलों की सुरक्षा कर सकते है। वैज्ञानिक डॉ अभय डीप ने कहा कि कीड़ों एवं बीमारियों को उनके आर्थिक हानि स्तर से नीचे रखने के लिए सभी उपलब्ध नियंत्रण विधियों जैसे व्यवहारिक, यांत्रिक, अनुवांशिक, जैविक व रासायनिक नियंत्रण का प्रयोग करना चाहिए।

मार्ग चौड़ीकरण के लिए उजाड़े गए लोगों को मुआवजा देने की मांग

केटी न्यूज / चंदौली

जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर भोजपुर, चौरहट ,सेमरा, कटेसर के ग्रामीणों की दुकान मकान आदि सड़क चौड़ीकरण के नाम पर तोड़ दी गई है, और उनको नियमानुसार मुआवजा नहीं दिया गया जबकि माननीय हाईकोर्ट ने स्पष्ट आदेश जिलाधिकारी चंदौली व जिलाधिकारी वाराणसी को दिया गया है कि प्रभावित लोगों को मुआवजा तथा अन्य सुविधाएं दी जाएं ,लेकिन आठ माह बीतने के बाद भी पीड़ित लोगों को राहत नहीं मिला। रविवार को पीड़ित लोगों ने सेमरा गांव में किसान न्याय मोर्चा के साथ बैठक कर अपनी-अपनी समस्याओं से अवगत कराया। इस बाबत किसान न्याय मोर्चा के नेताओं ने कहा कि आगामी 30 जुलाई को जिलाधिकारी चंदौली से पीड़ित लोगों के साथ किसान न्याय मोर्चा के नेता जिलाधिकारी चंदौली के साथ बैठक कर समस्या का समाधान निकालेंगे । इस अवसर पर महेंद्र प्रसाद यादव एडवोकेट, शमीम मिल्की, गार्गी पटेल, इंद्रजीत शर्मा, राम लखन प्रधान, एडवोकेट धर्मदेव कुशवाहा , सुशील कुमार,विजय सिंह, नंदकिशोर गुप्ता, राम लखन यादव ,आकाश सिंह ,सुशील पटेल (क्षेत्र पंचायत सदस्य) सुनील पटेल, राजेश पटेल, संकठा साव सिद्धार्थ पासवान, चंद्र प्रकाश मौर्य, जीतमल सिंह आदि उपस्थित थे।

नहर में पानी नहीं आने से नाराज सपा कार्यकताओं ने योगी सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर जताया विरोध

- कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर सांकेतिक रूप से शारदा सहायक नहर में बाल्टी से छोड़ा पानी

केटी न्यूज / जौनपुर

रविवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने मछली शहर की सूखी शारदा सहायक नहर में पानी की समस्या को लेकर भारी प्रदर्शन किया। इस दौरान सिंचाई विभाग की लापरवाही से नाराज सपा कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारे लगाये तथा सिंचाई मंत्री से इस्तीफे की मांग की और सपा के मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड जौनपुर के जिला उपाध्यक्ष अजहर रहमान ने अपने साथियों के साथ नहर में बाल्टी से पानी छोड़ा और सिंचाई मंत्री कुर्सी खाली करो नहीं तो नहरों में पानी भरो जैसे नारे लगाए तथा सपा के राष्ट्रीय सचिव लोहिया वाहिनी अनिल यादव ने सरकार से नहरों में जल्द से जल्द पानी छोड़ने की मांग की और कहा कि यदि सरकार ने हमारी मांग को पूरी नहीं किया तो अभी तो केवल प्रदर्शन किया जा रहा है और अगली बार सरकार के खिलाफ व्यापक आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। जिसकी सारी जिम्मेदारी सिंचाई मंत्री की होगी। सपा नेताओं ने कहा कि किसान की हजारों एकड़ भूमि पानी के अभाव में असिंचित है,जिससे धान की रोपाई नहीं हो पा रही जिससे किसानो में भारी रोष व्याप्त है। इस अवसर पर मौजूद रहे अमितेश सहाय जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी बाबा साहब वाहिनी जौनपुर, सतीश मौर्य विधान सभा अध्यक्ष छात्र सभा मछली शहर, युवा सपा नेता सुजीत यादव,शरद यादव जिला उपाध्यक्ष छात्र सभा,दिनेश यादव दीनू विधान सभा अध्यक्ष छात्र सभा मुंगरा बादशाहपुर,विपिन कुमार यादव, राजेश पटेल विधान सभा अध्यक्ष यूथ ब्रिगेड,अवधेश ,सौरभ ,अंकित ,मेराज अहमद, जय प्रकाश जिला उपाध्यक्ष युवजन सभा जौनपुर ,अभिषेक कुमार आदि लोग मौजूद रहे।

श्रावण के हर सोमवार को बाबा के अलग-अलग स्वरूपों का होगा दर्शन

श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा के गौरीशंकर स्वरूप का होगा श्रृंगार

- 29 जुलाई को सावन का दूसरा सोमवार, भक्त करेंगे बाबा के विशेष स्वरूप का दर्शन
- सीएम का निर्देश- श्रद्धालुओं की आस्था व सुरक्षा सर्वोपरि, न हो कोई परेशानी

केटी न्यूज/ वाराणसी

श्रावण मास के दूसरे सोमवार को श्री काशी विश्वनाथ धाम में बाबा के गौरी शंकर स्वरूप का श्रृंगार होगा। महादेव के भक्त बाबा के शंकर पार्वती स्वरूप का दर्शन पाएंगे। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में श्रावण मास के हर सोमवार को विशेश्वर के अलग-अलग स्वरूप का श्रृंगार किया जा रहा है। श्रावण मास का आज दूसरा सोमवार है। इस वर्ष सावन में पांच सोमवार पड़ रहे हैं। बाबा हर सोमवार को अलग-अलग स्वरूपों में भक्तों को दर्शनं दे रहे हैं। बाबा के भक्त श्री विश्वेश्वर के चौखट तक सरलता और सुगमता से पहुंच कर जलाभिषेक कर सकें, इसके लिए योगी सरकार लगातार व्यवस्थाओं में बढ़ोतरी और सुधार करती जा रही है। इसके तहत सावन के दूसरे सोमवार से दर्शनार्थियों को भीड़ से बचाने के लिए एक लाइन लगाई जाएगी और धाम की क्षमता के अनुसार ही बैरिकेडिंग कर भक्तों को धाम में प्रवेश दिए जाने की व्यवस्था बनाई गई है। सावन के दूसरे सोमवार को सभी प्रवेश मार्गों से कतार व्यवस्था को एकीकृत करते हुए सिंगल लाइन की व्यवस्था रखी गई है, जिससे दर्शनार्थियों को लाइन व्यवस्था में भीड़ का सामना न करना पड़े। प्रत्येक 50 मीटर पर लाइन व्यवस्था को निर्यात्रित रखने के लिए बैरियर लगाया गया है। सावन के पहले सोमवार की भांति दूसरे सोमवार को भी नंदूफेरिया, सिल्को गली, ढुंढिराज गणेश, ललिता घाट, सरस्वती फाटक प्रवेश मार्ग से श्रद्धालु बाबा के चौखट तक पहुंच पाएंगे। सीएम ने अधिकारियों को आस्था के साथ श्रद्धालुओं की सुरक्षा पर भी विशेष जोर देने का निर्देश दिया है।

प्रथम सोमवार को हुआ था श्रृंगार

श्रावण मास के प्रथम सोमवार को भी बाबा विश्वनाथ के स्वरूप का श्रृंगार हुआ था। शिव भक्त सावन के दूसरे सोमवार को अपने बाबा के विशेष स्वरूप शंकर पार्वती के रूप में दर्शन पाएंगे। मुख्य कार्यपालक अधिकारी ने बताया कि आज श्रावण मास के दूसरे सोमवार को देवाधिदेव महादेव के गौरी शंकर (शंकर पार्वती) स्वरूप का श्रृंगार होगा। श्री विश्वेश्वर के भक्त बाबा के इस विशेष स्वरूप का दर्शन कर पाएंगे।

केशव टाइम्स
डिजिटल संस्करण

सुभाषितम्

शुरूआत करने का तरीका है, कि बातें बंद करें और काम शुरू करें। - वाल्ट डिज्नी

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसी बदहाली की स्थिति में ब्रिटेन

ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कहा जा रहा है, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस तरह के हालात थे। वैसी ही स्थिति ब्रिटेन की 2024 में देखने को मिल रही है। ब्रिटेन की स्कूली शिक्षा, नेशनल हेल्थ सर्विस, बेरोजगारी, बुजुर्गों की दयनीय हालत, खाने-पीने के सामान की किल्लत, ईंधन की कमी, निर्माणकार्य के लिए उपयोग में आने वाले सामान की कमी से ब्रिटेन के नागरिक हलाकान हैं। विकासशील और गरीब देशों जैसे हालात ब्रिटेन के इन दिनों बन गए हैं। कंजरवेटिव पार्टी के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक थे। उन्होंने समय के पहले चुनाव कराए और बुरी तरह से पराजित हुए। जुलाई में हुए 650 सीटों के चुनाव में 412 सीटों पर लेबर पार्टी ने जीत हासिल की है। ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी मात्र 120 सीटों पर सिमट गई। लिबरल डेमोक्रेट्स को 71 सीटों पर तथा 42 अन्य सांसद चुनाव में जीते हैं। कंजरवेटिव पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण महंगाई, बेरोजगारी एवं आर्थिक संकट था। ब्रिटेन में पिछली सरकार द्वारा लगातार टैक्स बढ़ाए गए। कॉर्पोरेट के ऊपर सरकार मेहरबान रही, ब्रिटेन की कॉर्पोरेट कंपनियां कर चोरी जैसे मामलों में लिप्त थीं, लेकिन सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। आम जनता में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश था। प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक ब्रिटेन की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं कर सके। अब लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर प्रधानमंत्री बने हैं। उनके लिए चुनौतियां का पहाड़ खड़ा हुआ है। लेबर पार्टी ने चुनाव के समय कोई बड़े वादे नागरिकों से नहीं किये। विपक्ष में रहते हुए उन्होंने बड़ी सावधानी बरती थी। सरकार के लिए जो सबसे बड़ी चुनौतियां हैं, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ हल करना होगा। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था वर्तमान में बहुत धीमी गति से चल रही है। पिछले 24 वर्षों से ब्रिटेन जी7 समूह का सदस्य है। ब्रिटेन का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 12 साल में सबसे कम है। ब्रिटेन की कई नगरीय संस्थाएं दिवालिया हो चुकी हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी और अधिकारी अधिक वेतन की मांग कर रहे हैं। ब्रिटेन की जेलों में क्षमता से अधिक संख्या में कैदी बंद हैं। नेशनल हेल्थ सर्विस के पास पैसा नहीं है। इस कारण ब्रिटेन के नागरिकों को अस्पतालों में उपचार नहीं मिल पा रहा है। ब्रिटेन में स्कूली शिक्षा मुफ्त है, लेकिन वहां की भी हालत बहुत खराब है। सरकार के आर्थिक संकट का असर स्कूली शिक्षा में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। ब्रिटेन के नागरिकों को ईंधन उपलब्ध नहीं हो रहा है। राशन में कालाबाजारी हो रही है। इस तरह की चुनौतियां ब्रिटेन के वर्तमान प्रधानमंत्री के सामने हैं। जल्द ही नई सरकार ने इनसे राहत दिलाने वाले निर्णय नहीं लिए तो ब्रिटेन की स्थिति विस्फोटक हो सकती है। ब्रिटेन में 2010 से सरकारी खर्चे में कटौती की जा रही है। इसका असर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में पड़ा है। निजी क्षेत्र के पास निवेश नहीं आ रहा है। नागरिकों को लगता है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से धराशाई हो चुकी है। इसके लिए वहां के नागिरक कंजरवेटिव पार्टी को जिम्मेदार मान रही है। हाल ही के चुनाव में लेबर पार्टी के पक्ष में मतदान करने के पीछे कंजरवेटिव पार्टी के खिलाफ गुस्सा है। लेबर पार्टी द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान आर्थिक स्थितियों को जल्द से जल्द बेहतर बनाने का वायदा किया गया था। उसके कारण ब्रिटेन में लेबर पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। कोरोना महामारी के बाद ब्रिटेन के आर्थिक हालात बहुत खराब हुए हैं। ब्रिटेन की आर्थिक बदहाली का एहसास लेबर पार्टी को पहले से है। वर्तमान संकट की स्थिति में वह लोकप्रियता के चलते लोगों की सोच में बदलाव ला सकते हैं। वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए ब्रिटेन की जनता को वास्तविक जानकारी देते हुए, उनका सहयोग भी ले सकती हैं। लेबर पार्टी सरकार की प्रथम प्राथमिकता रोजगार, शिक्षा, नेशनल हेल्थ स्कीम को ठीक करना है।

चिंतन-मनन

कर्त्तव्य को बनाएं सर्वोपरि लक्ष्य

अध्यापक ने विद्यार्थियों से पूछा- ह्यरामायण और महाभारत में क्या अंतर है?ह्न विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी समझ के अनुसार उत्तर दिए। अध्यापक को संतोष नहीं हुआ। एक विद्यार्थी ने अनुरोध किया- ह्यआप ही बताइएह्न अध्यापक बोला- रामायण और महाभारत में सबसे बड़ा अंतर है ह्यहक-हकूकह्न का। रामायण में राम ने अपना अधिकार छोड़ा, राज्य छोड़ा और चौदह वर्षों तक वन में जाकर रहे। वे चाहते तो अधिकार के लिए लड़ाई कर सकते थे। दशरथ उन्हें वन में नहीं भेजना चाहते थे। अयोध्या की जनता उनके वन-गमन से व्यथित थी। पर राम ने अपने कर्त्तव्य को अधिकार से ऊपर रखा। पिता के कहे का पालन उनके जीवन का महान आदर्श था। महाभारत का संपूर्ण कथानक अधिकारों की लड़ाई का कथानक है। कौरव और पांडव आपस में चचेरे भाई थे। भाई-भाई के रिश्तों में जो गंध होती है, मिठास होती है, अपनापा होता है, उसका दर्शन ही वहां कहां होता है! पांडव सब कुछ जुए में हार गए। सब वादे पूरे कर वे लौटे तो दुर्योधन ने पांच गांव तो क्या, सूई की नोक के बराबर भूमि भी देने से मना कर दिया। ये दो उदाहरण हैं - हमारे सामने। प्रथम उदाहरण अपनेपन से भरे आत्मीय संबंधों का है। यह संबंधों की मधुरता व्यक्ति को कभी आत्मकेंद्रित नहीं होने देती। वह अपने बारे में नहीं सोचता; परिवार, समाज और देश के बारे में सोचता है। उसका अपना कोई स्वार्थ होता ही नहीं। पद-प्रतिष्ठा और सुख-सुविधा के संस्कारों से वह ऊपर उठ जाता है। ऐसा वही व्यक्ति कर सकता है, जो कर्त्तव्य को अपने जीवन का सवरेपरि लक्ष्य मानता है। वह संस्कृति सफल होती है जो कर्त्तव्यनिष्ठा व्यक्तियों को जन्म देती है। वह शताब्दी सफल होती है, जो कर्त्तव्य की धारा को सतत प्रवाही बनाकर जन-जन तक पहुंचाती है। वह परंपरा सफल होती है, जो कर्त्तव्य का बोध देती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि पूजा-प्रतिष्ठा, मान-सम्मान और सुख-सुविधा की अर्थहीन चिंता छोड़कर व्यक्ति अपने जीवन को कर्त्तव्य के लिए समर्पित कर दे।

शास्त्रों में पार्श्व परिवर्तन क्या है

- संजय गोस्वामी

१. चातुर्मास-आषाढ़ शुक्ल एकादशी को हरिशयनी या देवशयनी एकादशी कहते हैं, जब देव या हरि (भगवान) सोते हैं। इसके बाद ४ मास-श्रावण, भाद्रपद, आश्विन, कार्त्तिक- में शयन करते हैं। बीच में भाद्र शुक्ल एकादशी को पार्श्व परिवर्तन करते हैं। चातुर्मास पूर्ण होने के समय कार्त्तिक शुक्ल एकादशी को भगवान् उठते हैं जिसे देवोत्थान एकादशी कहते हैं। इन चार मास में कम यात्रा होती है। परिव्राजक (सदा चलने वाले) संन्यासी इन ४ मासों में एक स्थान पर विश्राम करते हैं, जिसे चातुर्मास नियम कहते हैं। वर्षा के कारण बाहरी यात्रा या व्यायाम नहीं हो सकता है। अतः घर के भीतर ही व्यायाम होता है। यह आषाढ़ मास से आरम्भ होता है, अतः व्यायाम स्थान को आषाढ़ (अखाड़ा) कहते हैं। मनुष्य २४ घण्टे में ८ घण्टा सोता है, उस अनुपात में १२ मास के दिव्य दिन में ४ मास शयन है। २. कर्त्ता ब्रह्म-इसे संक्षेप में ह्लकह्न कहा गया है। निर्माण के लिए कुछ पदार्थों की हवि या उपभोग होता है, अतः ह्लकह्न (कर्त्ता) केलिए हवि देते हैं-

कस्मै देवाय हविषा विधेम (ऋक, १०/१२१/१) निर्विशेष ब्रह्म अज्ञेय है, अवर्णनीय है। कर्त्ता के २ भाग हैं- एक रूप में केवल द्रष्टा हैं, अन्य रूप में विश्व के सञ्चालक। इनको साक्षी और भोक्ता सुपर्ण रूप कहते हैं। व्यक्ति शरीर में इनको आत्मा और जीव कहते हैं। ब्रह्म की शक्तियां ७ ऋषि रूप में हैं, जिनके समन्वय को पक्षी रूप में व्यक्त करते हैं। इसके चित्र को सुपर्ण चिति कहते हैं। सृष्टि के ४ मूल बल चौकोर शरीर हैं, २ पक्ष समरूपता है, नियन्त्रक या तेज सिर है, विषमता पुच्छ है। इनसे अग्नि (पदार्थ पिण्ड) का चयन होता है, जिससे विभिन्न निर्माण होते हैं।

द्वा सुपर्णा सयुजा सखाया, समानं वृक्षं परिषस्वजाते।
तयोरन्यः पिप्पलं स्वाद्वत्ति, अनश्नन्नन्यो अभिचाकशीति॥
(मुण्डक उप. ३/१/१, श्वेताश्वतर उप. ४/६, ऋक, १/१६४/२०, अथर्व, ९/९/२०)

सुषुम्ना चेतना या ज्ञान का वृक्ष है। उसके मध्य (आज्ञा चक्र) में २ सुपर्ण (हंस, पक्षी) रहते हैं (परिषस्वजाते-पड़ोस में)। उनमें अन्य (एक) पिप्पल (पिब + फल = जिस फल में आसक्ति हो) को स्वाद सहित खाता है। अन्य (दूसरा) बिना खाये (बिना आसक्ति = अनश्नन्) केवल देखभाल करता है।

त इद्धाः सप्त नाना पुरुषानसृजन्त। स एतान् सप्त पुरुषानेकं पुरुषमकुर्वन्-यदूर्ध्वं नाभेस्तौ द्वौ समौब्जन्, यदवाङ् नाभेस्तौ द्वौ। पक्षः पुरुषः, पक्षः पुरुषः। प्रतिष्ठैक आसीत। अथ या एतेषां पुरुषाणां श्रीः, यो रस आसीत्-तमूर्ध्व समुदौहन्। तदस्य शिरोऽभवत। स एवं पुरुषः प्रजापतिरभवत। स यः सः पुरुषः-प्रजापतिरभवत्, अयमेव सः, योऽयमग्निश्चीयते (कायरूपेण-शरीररूपेण-मूर्त्तिपिण्डरूपेण-भूतपिण्डरूपेण)। स वै सप्तपुरुषो भवति। सप्तपुरुषो ह्ययं, पुरुषः- यच्चत्वार आत्मा, त्रयः पशुपुच्छानि। (शतपथ ब्राह्मण, ६/१/१/२-६)

३. पार्थिव सुपर्ण-पृथ्वी पर सूर्य की गति २ प्रकार की है। वार्षिक गति उत्तरायण (मकर से कर्क रेखा तक) तथा उसके विपरीत दक्षिणायन है। यही सुपर्ण का विस्तार है। मकर रेखा पर सूर्य ३ तारा (तार्क्ष्य, ऋक्ष = तारा, भालू) वाले श्रवण नक्षत्र में रहता है (विक्रमादित्य काल में जब शून्य अयनांश था)।

स्वस्ति न इन्द्रो वृद्धश्रवा स्वस्ति नः पूषा विश्ववेदाः।
स्वस्ति नस्तार्क्ष्यो अरिष्टनेमिः स्वस्ति नो बृहस्पतिर्दधातु॥ (यजु, २५/१९)

यह आकाश के वृत्त (पृथ्वी कक्षा) की ४ दिशा हैं-ज्येष्ठा नक्षत्र का स्वामी इन्द्र, रेवती का पूषा, श्रवण का गोविन्द जो अरिष्ट की नेमि या सीमा (दूर करने वाले) हैं, तथा पुष्य का बृहस्पति।

दक्षिण में सूर्य रहने पर हमारे उत्तरी गोलार्ध में सबसे बड़ी रात्रि तथा शीत होता है अतः यह अरिष्टनेमि है। उत्तरी सीमा के कर्क रेखा को केवल नेमि कहते हैं। उत्तर -दक्षिण दिशा में यह सूर्य की धुरी (नेमि) है। पृथ्वी अक्ष का झुकाव २२ से २६ अंश तक घटता बढ़ता है। कर्क रेखा की सीमा या नेमि का स्थान नैमिषारण्य है (कूर्म पुराण, २/४३/७, पद्म १/१, वराह, ११/१०७, वायु, १२५/२७, शिव, ७/१/३/५३)। इक्ष्वाकु काल में मिथिला की सीमा पर कर्क रेखा थी अतः वहां के राजा इक्ष्वाकु पुत्र को निमि कहते थे। उनकी निमि (पलक) नहीं गिरती थी। सूर्य चक्षु है, विषुव रेखा पर वह बन्द रहता है, कर्क, मकर रेखा पर पूरी तरह खुल जाता है। (भागवत पुराण, ९/१३, विष्णु, ४/५ आदि)। आज भी मिथिला में सूर्य के कर्क रेखा पर स्थित होने पर पञ्चाङ्ग आरम्भ होता है।

इस सूर्य गति के भी छन्द हैं। यहां गरुड़ संवत्सर रूप है।

अथ ह वाऽ एष महासुपर्ण एव स्यात्संवत्सरः। तस्य यान्पुरस्ताद्विषुवतः षण्मासानुपश्यन्ति सोऽन्यतरः पक्षो ऽथ यान्षड् उपरिष्टात् सः अन्यतरः। आत्मा विषुवान्। (शतपथ ब्राह्मण, १२/२/३/७)

यह वर्गीकरण ब्रह्मा के स्थान पुष्कर (अभी बुखारा) के अनुसार है, जो उज्जैन से १२ अंश पश्चिम है (विष्णु पुराण, २/२८)। वेदाङ्ग ज्योतिष के अनुसार सबसे बड़ा दिन १६ घण्टे का था। सबसे छोटा दिन ८ घण्टे का होगा, उसका आधा। अतः इनको गायत्री (२४ अक्षर) से जगती (४८ अक्षर) तक बांटा गया है।

विषुव के उत्तर तथा दक्षिण में १२, २०, २४ अंश के अक्षांश वृत्तों से ये वीथियां बनती थीं। ३४० उत्तर अक्षांश का दिनमान सूर्य की इन रेखाओं पर स्थिति के अनुसार ८ से १६ घण्टा तक होगा। अतः दक्षिण से इन वृत्तों को गायत्री (६ ७ ४ अक्षर) से जगती छन्द (१२ ७ ४ अक्षर) तक का नाम दिया गया। इसकी चर्चा ऋग्वेद (१/१६४/१-३, १२, १३, १/११५/३, ७/५३/२, १०/१३०/४), अथर्व वेद (८/५/१९-२०), वायु पुराण, अध्याय २, ब्रह्माण्ड पुराण अध्याय (१/२२), विष्णु पुराण (अ. २/८-१०) आदि में है। इनके आधार पर पं. मधुसूदन ओझा ने आवरणवाद में इसकी व्याख्या की है (श्लोक १२३-१३२)। बाइबिल के इथिओपियन संस्करण में इनोक की पुस्तक के अध्याय ८२ में भी यही वर्णन है।

४. दिव्य दिन-ऋतु चक्र के अनुसार सौर वर्ष को दिव्य दिन कहा गया है। इसमें मकर रेखा से कर्क रेखा तक सूर्य गति (जहां सूर्य किरण लम्ब हो) या उत्तरायण देवों का दिन और कर्क से मकर तक की गति देवों की रात्रि है। असुरों के लिए यह विपरीत है।

ऐन्दवस्तिथिभिः तद्वत् सङ्क्रान्त्या सौर उच्यते।
मासैर्द्वादशभिर्वर्ष दिव्यं तदह उच्यते॥१३॥
सुरासुराणामन्योन्यमहोरात्रं विपर्ययात।
षट् षष्टिसङ्गुणं दिव्यं वर्षमासुरमेव च॥१४॥ (सूर्य सिद्धान्त, अध्याय १)
अग्निर्ज्योतिरहः शुक्लः षण्मासा उत्तरायनम्॥२४॥
धूमो रात्रिस्तथा कृष्णः षण्मासा दक्षिणायनम्॥२५॥ (गीता, अध्याय, ८)

सौर संक्रान्ति से चान्द्र मास का आरम्भ नहीं होता है। यदि विषुव संक्रान्ति से चैत्र मास का आरम्भ मानें तो-

चैत्र, वैशाख, ज्येष्ठ -उत्तरायण का द्वितीय अर्ध-विषुव से कर्क तक।

मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान

- रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनो में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवयुवको में सेना में भर्ती होने की बहुत पुरानी परम्परा रही हैं। यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता हैं। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर ह्यशेखावाटी ब्रिगेड ह्यका गठन किया था। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। झुंझुनू जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 130 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं।

भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 55 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 60 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 486 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्ध के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 19 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 486 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं।

यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्ध। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं। झुंझुनू जिले के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्ध में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है। यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें है। वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा, लेफ्टिनेंट जनरल केके रेप्सवाल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल सेना सेवा कोर में कार्यरत हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है। जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्ध के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है। झुंझुनू जिले के दोरासर गांव में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान दे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

लोकसभा आमचुनाव 2024: प्रजातंत्र और धार्मिक अल्पसंख्यक

-राम पुनियानी

उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में खाने-पीने का सामान बेचने वाली सभी दुकानों में नेमप्लेट लगाने के आदेश झ जिस पर सुप्रीम कोर्ट ने बाद में रोक लगा दी झ की तुलना रंगभेदी दक्षिण अफ्रीका और नाजी जर्मनी से की गई। नाजी जर्मनी में यहूदियों को अपनी दुकानों और व्यवसायों को चिन्हित करने पर मजबूर किया गया और इसके बाद उनका अत्यंत क्रूरतापूर्ण दमन हुआ। सन 2024 के आमचुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की चुनावी ताकत में कमी आई। वह बहुमत हासिल नहीं कर सकी। इससे यह आशा जागी थी कि बहुवाद और विविधता जैसे प्रजातान्त्रिक मूल्य एक बार फिर मजबूत होंगे। चुनाव प्रचार के दौरान ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को यह अहसास हो गया था कि राममंदिर कोई जादू की छड़ी नहीं है जो उनकी पार्टी की झोली को वोटों से भर देगी। और इसलिए उन्होंने समाज को बांटने वाले प्रचार का सहारा लेना शुरू कर दिया। उन्होंने इंडिया गठबंधन पर आरोप लगाया कि अल्पसंख्यकों का समर्थन हासिल करने के लिए वह उनके आगे मुजरा कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन संविधान में संशोधन कर अनुसचित जातियों / जनजातियों और ओबीसी के लिए आरक्षण समाप्त कर देगा और उनके लिए निर्धारित कोटा, मुसलमानों को दे दिया जाएगा। हिन्दुओं को आतंकित करने के लिए उन्होंने यह भी कहा कि हिन्दू महिलाओं का मंगलसूत्र उनसे छीन कर मुसलमानों को दे दिया जायेगा। उन्होंने इस तरह की कई बातें कहीं। मगर नफरत फैलाने की यह कोशिश भाजपा के काम नहीं आई और लोकसभा में उसकी सीटों की संख्या 303 से घट कर 240 रह गई। इससे यह आशा जागी कि अब अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की कोशिशों में कमी आएगी और सामाजिक सद्भाव बढेगा। मगर एनडीए (जिसका सबसे बड़ा घटक भाजपा है) सरकार के शासनकाल के पिछले कुछ हफ़्तों के घटनाक्रम ने इन आशाओं पर पानी फेर दिया है। बल्कि, भाजपा नेताओं और सरकार की कथनी-करनी से ऐसा लग रहा है कि वे अपनी पुरानी हरकतों से बाज आने को तैयार नहीं हैं। असम के मुख्यमंत्री श्री हेमंत बिस्वा सरमा, जो नफरत फैलाने वाली बातें कहने के लिए कुख्यात हैं, ने कहा कि असम जल्दी ही मुस्लिम बहुसंख्यक राज्य बन जायेगा। उनके अनुसार, राज्य की आबादी में मुसलमानों का प्रतिशत सन 1951 में 12 प्रतिशत था (बाद में उन्होंने इसे 14 प्रतिशत बताया), जो अब 40 प्रतिशत हो गया है। ये आंकड़े झूठे हैं और इनका उद्देश्य केवल हिन्दुओं को डराना है। सच यह है कि सन 1951 की जनगणना के अनुसार राज्य की आबादी में मुसलमानों का प्रतिशत 24.68 था और 2011 की जनगणना के अनुसार, 34.22। पुरानी आदतें जल्दी छूटती नहीं हैं। पश्चिम बंगाल, जहाँ भाजपा को मुंह की खानी पड़ी और उसके लोकसभा सदस्यों की संख्या 18 से घट कर 12 रह गयी, में पार्टी नेता सुवेंदु अधिकारी भाजपा की सीटों में गिरावट के लिए मुसलमानों को दोषी ठहराते हैं। उन्होंने घोषणा की, हमें सबका साथ झ सबका विकास की बातें करने की जरुरत नहीं है। हमें तो यह कहना चाहिए कि जो हमारा समर्थन करेगा, हम उसका समर्थन करेंगे। भाजपा परिवार के कई सदस्यों ने अधिकारी के बयान से असहमति दर्शाई मगर जो उन्होंने कहा वह निश्चित तौर पर पार्टी के वास्तविक राजनैतिक लक्ष्यों का खुलासा करता है।

आज का राशिफल

- **मेष** – आज दिन भाग दौड़ से भरा रहेगा। आपको अपने बच्चों के काम से काफी भागदौड़ करनी पड़ सकती है।
- **वृषभ** – आर्थिक मामलों में मिलाजुला रहेगा। अपने सहयोगियों की मदद से हर कार्य को पूर्ण कर लेंगे।
- **मिथुन** – दिन लाभ से भरा होगा। आज आपको कुछ दिनों पहले खोई हुई कोई खास चीज मिल सकती है।
- **कर्क** – आज आपका दिन कई रंग बदलेगा। आपको नए काम में कुछ रुकावट आ सकती है।
- **सिंह** – लेखक और पत्रकार जैसे लोग लोगों के लिए सफलता और प्रसिद्धि पाने के योग बने हैं।
- **कन्या** – आपके सहयोगी कुछ रिलैक्स मूड में रहेंगे और पहले से ज्यादा काम करने की इच्छा जताएंगे।
- **तुला** – आज सोसाइटी में आपका मान सम्मान बढ़ेगा। इसके लिए कोई आयोजन हो सकता है।
- **वृश्चिक** – सोशल वर्क के जरिए कुछ उद्देश्य हासिल करेंगे। काम के लिए बिल्कुल ठीक रहेगा।
- **धनु** – ऑफिस के वर्तमान माहौल में आपके लिए मन लगाना कुछ मुश्किल हो सकता है।
- **मकर** – आज कारोबार के मामले में मिलाजुला रहेगा। दिन आपके लिए इम्तहान जैसा है।
- **कुंभ** – लाभ होगा और करियर में दिन सफलता से भरा रहेगा। दिन की शुरुआत थोड़ा बेचैनी भरी होगी।
- **मीन** – आज दिन काफी मिलाजुला रहेगा। किसी सौदे या लेन देन के दौरान टेंशन न लें।

विशेष

बजट पर बुरी तरह से घिरे एनडीए के सहयोगी दल और भाजपा

इंडिया गठबंधन ने 2024 के बजट में एनडीए की सहयोगी दलों और सरकार के लिए परेशानी बढ़ाने का काम किया है। बजट में बिहार और आंध्र प्रदेश को विशेष आर्थिक सहायता दी गई है। इससे केंद्र सरकार तो बच गई। लेकिन एनडीए गठबंधन में दरार डालने का काम कांग्रेस कर रही है। कांग्रेस और इंडिया गठबंधन की सहयोगी दलों ने जिन चार राज्यों के विधानसभा चुनाव अगले कुछ महीनो में होने हैं। उन राज्यों में भारतीय जनता पार्टी और उनके सहयोगी दलों के लिए मुसीबतों को बढ़ा दिया है। जहां एनडीए के सहयोग से अथवा भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। उन राज्यों में भी केंद्र सरकार और भाजपा के खिलाफ कांग्रेस ने एक माहौल खड़ा कर दिया है।

मानसून सत्र भारी पड़ा

केंद्र सरकार के लिए संसद का मानसून सत्र भारी पड़ गया है। नीट की परीक्षा और पेपर लीक मामले में केंद्र सरकार की छवि बहुत तेजी के साथ युवाओं के बीच में खराब हुई है। किसानों के मसले में सरकार को विपक्ष ने बुरी तरह से घेर रखा है। सुप्रीम कोर्ट ने जरूर कुछ राहत दे दी है। शंभू बॉर्डर खोलने पर हाई कोर्ट का जो ऑर्डर था। उस पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। नीट यूजी परीक्षा मामले में सुप्रीम कोर्ट का आदेश जरूर सरकार को बचाने वाला है। लेकिन युवाओं के बीच में नीट के मामले में जो निर्णय आया है। उसके कारण युवा वर्ग की नाराजी सरकार ओर न्यायपालिका के प्रति विश्वास कम हुआ है।

कार्टून कोना

मंदसौर: अच्छी बारिश के लिए गदहो को खिला रहे गुलाब जामुन

आज का इतिहास

1565: स्काट्स की रानी मेरी ने हेनरी स्टुअर्ट से विवाह किया. 1876: भारतीय विज्ञान कांग्रेस की स्थापना हुई. 1891: ईश्वरचंद्र विद्यासागर का निधन हुआ. 1900: इटली नरेश अम्बर्टो प्रथम की हत्या हुई. 1930: इंग्लैंड से कनाडा तक आर-400 विमान यात्रियों को लेकर पहली बार गया. 1948: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद ओलंपिक खेलों का आयोजन इंग्लैंड के बेम्बले स्टेडियम में हुआ. 1967: अमरीकी विमान वाहक पोत फोरेस्टाल में आग लगने से चालकदल के 130 सदस्य मारे गए. 1975: नाइजीरिया में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया. 1980: भारत ने मास्को ओलंपिक में हॉकी का स्वर्णपदक हासिल किया. 1984: ब्रिटिश तख्त के उत्तराधिकारी युवराज चार्ल्स का विवाह डायना स्पेंसर से हुआ. 1983: प्रथम चालक रहित विमान का परीक्षण किया गया.

दैनिक पंचांग

29 जुलाई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.54 बजे से
चंद्र	मेष में	कन्या	09.06 बजे से
मंगल	वृष में	तुला	11.16 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	13.31 ब.से
गुरु	वृष में	धनु	15.47 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	17.52 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	19.39 बजे से
राहु	मीन में	मीन	21.12 बजे से
केतु	कन्या में	मेष	22.42 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		वृष	00.22 बजे से
		मिथुन	02.20 बजे से
		कर्क	04.34 बजे से

सोमवार 2024 वर्ष का 211 वां दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** नवमी 17.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** भरणी 10.55 बजे को समाप्त। **योग** गण्ड 17.55 बजे को समाप्त। **करण** तैतिल 06.40 बजे, गर 17.56 बजे तदनन्तर वणिज 05.18 बजे प्रात: को समाप्त। **चन्द्रायु** 23.0 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 18° 41' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872055 **जूलियन दिन** 2460520.5 **कलियुग संवत्** 5125 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2550 **हिजरी सन्** 1445 **महीना** मोहर्रम **तारीख** 22 **विशेष** द्वितीय श्रावण सोमवार व्रत।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनीक

भूमि का चुनाव व तैयारी

सोयाबीन की खेती हल्की, रेतीली, भूमि को छोड़कर सभी प्रकार की भूमि में की जा सकती है। खेत की मिट्टी अम्लीय या क्षरीय नहीं होना चाहिये। अच्छे जल निकास वाली मध्यम से गहरी काली मिट्टी सोयाबीन की खेती के लिये उपयुक्त है। रबी फसल की कटाई के बाद मोल्डवोल्ड हल (मिट्टी पलटने वाला हल) से गहरी जुताई करके खेत को खुला छोड़ दे एवं उसके बाद जून के पहले सप्ताह में दो-तीन बार हेरो या कल्टीवेटर को विपरीत दिशा में चलाकर ढ़ेले फोड़कर खेत को समतल कर लें। खेत में 20-25 लाइनों के बाद नाली का निर्माण अवश्य करें जिससे वर्षा जल के निकास में सुविधा रहती है।

बीज का अंकुरण परीक्षण

बीज का अंकुरण का परीक्षण अत्यन्त आवश्यक है। अंकुरण परीक्षण हेतु पानी से भींगे टाट के टुकड़े में बीज के 100 दानों को लाइनों में अथवा अखबार की दो पर्तों को लेकर उसके आधे भाग को गीला कर बीज के 100 दानों लाइन में रखकर उसी से ढक के तथा रोजाना पानी का छिड़काव करें जिससे नमी बनी रहे। उक्त कार्य को 2–3 बार अलग–अलग टाट की बोरी पर करें 6–8 दिन बाद ऊपरी परत को उठाकर अंकुरित दानों की संख्या को गिन लें। अंकुरित दानों का प्रतिशत 70 या इससे अधिक होने पर ही बीज के रूप में उपयोग करें। कम अंकुरण प्रतिशत पाये जाने पर बीज की मात्रा की गणना निम्नानुसार प्रति हेक्टेयर करें।

उदाहरणार्थ– यदि अंकुरण प्रतिशत 65 पाया जाता है तब बीज की मात्रा = बीज का

अंकुरण प्रतिशत / बीज दर की मात्रा × 100
65 / 75 × 100 = 87 किग्रा / हे.

बुवाई

अच्छे अंकुरण के लिये बोने के समय खेत में 10 सेमी. गहराई तक उपयुक्त नमी हो। बोआई हेतु किस्म के अनुसार कतार से कतार की दूरी 30–45 से.मी. व पौधे से पौधे की दूरी 6–8 से.मी. रखें। बीज को 3.5 से.मी. से अधिक गहराई पर नहीं बोयें। सोयाबीन की 9 लाइनों के बाद एक लाइन की जगह निरीक्षण पट्टी के रूप में छोड़ें। कुल मिलाकर एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में कुल 4–4.5 लाख पौधों की संख्या जरूर हो।

उन्नत किस्में

जे. एस. 335, जे. एस. 93–05, जे. एस. 95–60, जे. एस. 90–41, एन. आर. सी. 7, एन. आर. सी. 12, एन.आर.सी. 37, पूसा–16, इंदिरा सोया 9, जे. एस. 7105 , जे. एस. 97–52

पोषक तत्व प्रबंधन

अंतिम बखरनी के समय खेत में अच्छी पकी हुई गोबर की खाद का कम्पोस्ट 5–10 टन उपलब्धानुसार प्रति हे. के मान से मिलाये। मध्यम उर्वरता वाली भूमि में सोयाबीन की खेती हेतु 20 कि.ग्रा. नत्रजन, 60 कि.ग्रा. स्फुर, 20 कि.ग्रा. पोटाश 20 कि.ग्रा. सल्फर व सूक्ष्म मात्रा में मैग्नीशियम, जस्ता, लोहा की आवश्यकता होती है जिसकी पूर्ति निम्न में से किसी एक उर्वरक समूह से की जा सकती है।

खरपतवार नियंत्रण

सोयाबीन की फसल में खरपतवारों को नष्ट न करने से उत्पादन में 25-70 प्रतिशत तक की कमी हो सकती है। खरपतवार, फसल के लिये भूमि में निहित पोषक तत्वों में से 30-60 कि.ग्रा. नत्रजन, 8-10 कि.ग्रा. स्फुर एवं 40-60 कि.ग्रा. पोटाश प्रति हेक्टेयर की दर से भूमि से शोषित करते हैं, जिससे पौधों की विकासगति धीमी पड़ जाती है और उत्पादन स्तर गिर जाता है इसके अतिरिक्त खरपतवार फसल को नुकसान पहुँचाने वाले अनेक प्रकार के कीड़े व बीमारियों के रोगाणुओं को भी आश्रय देते हैं।

क्र.	खरपतवारों की तीव्रता	खरपतवारनाशी
1.	चौड़ी पत्ती वाले	इमेजाथायपर 1.0 ली फसल के 12–15 दिन की अवस्था पर छिड़काव
2.	संकरी पत्ती वाले	क्विजालोकॉप ईथाइल 5 प्रतिशत ई.सी. 750–1000 मिली/हे. दिन की अवस्था पर, जब खरपतवारों में 2–3 पत्ती आ जावे समान रूप से छिड़काव करें।
3.	चौड़ी व संकरी पत्ती दोनों प्रकार के	क्वीजालोफॉस इथाईल 5: ई.सी.+क्लोरीयूरान ईथायल 25: डब्ल्यू.पी. क्रमशः 750 मिली. एवं 37.50 ग्राम प्रति हेक्टेयर की दर से मिलाकर छिड़काव करें।

खरपतवार व सोयाबीन फसल की प्रतिस्पर्धा अवधि 20–35 दिन रहती है अतः इससे पूर्व नीदा नियंत्रण आवश्यक है।

भण्डारण

बीज को ठण्डे व हवादार गोदाम में भण्डारित करें जिसमें वायु संचार की पर्याप्त व्यवस्था हो तथा तापमान 20–25 डिग्री सेंटीग्रेड स्थिर रहे। भण्डारण से पूर्व बीज को ठीक से सुखा लें तथा लगभग 10 प्रतिशत रखें। सूखे बीज को बोरों में भरकर गोदामों में लकड़ी के रैक्स पर दीवार से दूर रखें। खड़ी फसल में नीदा नियंत्रण हेतु निम्न उपाय खरपतवारों की तीव्रता के हिसाब से करें। सोयाबीन की फसल मे प्रथम निराई बुआई के 20–25 दिन बाद एवं दूसरी 40–45 दिन बाद करें।

मेढ़नाली पद्धति से सोयाबीन की खेती

मेढ़नाली पद्धति से सोयाबीन की बुवाई करने से वर्षा की अनिश्चितता से होने वाली हानि की संभावना को कम किया जा सकता है। मेढ़नाली पद्धति में बीजाई मेड़ों पर की जाती है तथा दो मेढ़ों के मध्य लगभग 15 से.मी. गहरी नाली बनाई जाती है तथा मिट्टी को फसल की कतारों की तरफ कर दिया जाता है। बीज की बीजाई मेढ़ पर होने से अति वर्षा या तेज हवा के समय पौधों के गिरने की संभावना कम हो जाती है तथा अतिरिक्त पानी का निकास हो जाता है। यदि फसल अवधि में अवर्षा या लम्बे अंतराल से वर्षा न होने की स्थिति में नमी की कमी नहीं हो पाती, क्योंकि खेत की नालियों में नमी की उपलब्धता ज्यादा लम्बे समय तक बनी रहती है। साधारण सीडड्रिल में एक छोटी सी लोहे की पट्टी लगाकर बुवाई का कार्य किया जा सकता है अथवा साधारण सीडड्रिल द्वारा समतल बुवाई करने के पश्चात कतारों के बीच देशी हल चलाकर नाली का निर्माण किया जा सकता है। बुवाई पश्चात् एवं अंकुरण के बाद नाली को अंत मे मिट्टी द्वारा बांध दिया जाता है जिससे वर्षा के पानी का भूमि में अधिक से अधिक संरक्षण हो। वर्तमान सीडड्रिल के आगे मेढ़नाली (रिज एवं फरो पद्धति) यंत्र का उपयोग करके सीधे बुआई की जा सकती है।

बुवाई के समय किये जाने वाले कार्य

बीज – छोटे दाने वाले किस्मों की बीजदर 60–70 कि.ग्रा., मध्यम दाने वाली किस्मों की बीजदर 70–75 कि.ग्रा. तथा बड़े दाने वाली किस्मों की बीजदर 90–100 कि.ग्रा. रखें चाहिये। बीज को फफूंदनाशक दवा कार्बेन्डाजिम या कार्बोक्सिन+थायरम या मेंकोजेब या वीटावेक्स की 2 ग्राम मात्रा द्वारा अथवा ट्राइकोडर्मा विरिडी की 58 ग्राम मात्रा के प्रति कि.ग्रा. का उपचार करना आवश्यक है ताकि बीज एवं मृदा जनित बीमारियों से बीज की रक्षा जा सकें। फफूंदनाशक दवा से उपचार के पश्चात् 5 ग्राम राइजोवियम व 5 ग्राम पी.एम.बी. से बीज को निवेशित करें।

पौध संरक्षण

रोग

पीला मोजेक -

यह एक विषाणु जनित रोग है जो सफेद मक्खी नामक रसचूसक कीट द्वारा फैलता है, रोग की शुरूआत पौधो की नई पत्तियों पर अनियमित रूप से फैले चमकीले धब्बों के रूप में होती है, पत्ती की मुख्य शिराओं के साथ पीली पट्टी सी बन जाती है व पीले क्षेत्रों में ऊतकक्षयी चित्तियां बन जाती हैं।

गेरूआ रोग -

इस रोग का प्रकोप प्रायः अगस्त के तृतीय सप्ताह से सितंबर के प्रथम सप्ताह के मध्य प्रारंभ होता है। रोग के लक्षण पौधो की निचली पत्तियों की निचली सतह पर हरे, पनीले, पीले भूरे रंग के छोटे–छोटे सुई के नोक के बराबर कोणीय धब्बों के रूप में प्रकट होते हैं, इन पर उभरे हुए फफोलों जैसे स्फोट बनते हैं जिनके अंदर मटमैले भूरे रंग के फफूंद के बीजाणु का चूर्ण भरा रहता है, धीरे–धीरे ऐसे ही धब्बे पत्तियों, तना व शाखाओं पर बनते हैं प्रभावित पत्तियां पीली एवं भूरी होकर झड़ने लगती हैं रोगी पौधों में फलियां बहुत कम बनती हैं, आक्रमण प्रारंभ होने से 8–10 दिनों के भीतर पूरी फसल झुलसकर खत्म हो जाती है।

कीट

हरी अर्ध कुण्डलक इल्ली

यह कीट प्रत्येक वर्ष सोयाबीन फसल पर आक्रमण करता है और कली, फूल एवं फलियों को खाकर हानि करता है, इसके कारण फसल में बांझपन या अफलन (बिना फली का) एवं कलियों का गुच्छे में पाया गया है, व्यस्क कीट के अग्र पंखों के बीच में डमरू के आकार के छोटे सफेद धब्बे होते है जो रात्रिचर होता है, इस कीट की इल्ली का अग्र भाग पतला और पिछला भाग मोटा होता है जो अर्द्ध कुण्डली बनाकर चलती है।

चक्र भंग-

इस कीट का आक्रमण जुलाई से अक्टूबर तक चलता है, मादा कीट अपने मुखांगों से तने के ऊपरी भाग या पत्ती के पर्णवृन्त या डंठल पर 6 से 15 मिमी. की दूरी पर दो चक्र बनाती है जिससे चक्र के ऊपर का भाग सूख जाता है, नीचे वाले चक्र के ऊपर तीन छिद्र बनाकर माद छिद्र में केवल एक अण्डा रखती है अण्डे से इल्ली निकलकर तने के बीच का भाग खाती है, जिससे तना खोखला हो जाता है।

तम्बाकू की इल्ली -

यह सर्वभक्षीय कीट है तथा इसका आक्रमण सोयबीन पर अगस्त–सितंबर से फसल पकने तक रहता है, छोटी इल्लियां समूह में रहकर पत्तियों को खुरच कर खाती हैं जिससे पत्तियां सफेद पीली जाली सी दिखाई देती है और 3 से 5 दिन बाद अलग–अलग होकर पत्तियों को किनारे से खाने लगती हैं, फली रहने पर फलियों में छेदकर दानों को भी खाती है, पर्ण विकसित इल्ली 30 से 40 सेमी. लम्बी तथा गहरे हरे रंग की होती है तथा इसके सभी खण्डों पर काले धब्बे होते हैं, व्यस्क कीट रात्रि में सक्रिय होते हैं और दिन में पत्तियों के निचले सतह पर भूमि पर बैठे रहते हैं सोयाबीन की फसल पर यह कीट 30–35 दिन में जीवन चक्र पूरा करता है।

तना मक्खी -

इस कीट की मादा बीज पत्रों तथा त्रिपत्ती पत्तियों पर अण्डे रखती है। अण्डों से निकले गिडार, तनों में टेड़ी–मेड़ी सुरंग बनाती है। पौधे की आरंभिक अवस्था में आक्रमण होने पर ग्रसित पत्ती का ऊपरी आधा भाग मुरझाकर सूख जाता है। बड़े पौधे ग्रसित होने पर पीले पड़ जाते है। फलस्वरूप फलियां कम लगती है और बहुत सी फलियां पोची रह जाती है।

आम आदमी को लग सकता है महंगाई का झटका

सरकार जल्द बढ़ा सकती है चीनी के दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी को आने वाले दिनों में महंगाई का एक और झटका लग सकता है। केंद्र सरकार जल्द ही चीनी के दामों में बढ़ोतरी कर सकती है। केंद्रीय खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि सरकार अगले कुछ दिनों में चीनी के न्यूनतम बिक्री मूल्य (एम.एस.पी.) में बढ़ौतरी पर फैसला ले सकती है। ऑल इंडिया शुगर ट्रेड एसोसिएशन (ए.आई.एस.टी.ए.) के एक सम्मेलन में उन्होंने कहा, हम एम.एस.पी. प्रस्ताव पर चर्चा कर रहे हैं। आने वाले दिनों में उम्मीद करते हैं कि हम कोई फैसला लेंगे। गन्ना किसानों को दिए जाने वाले उचित और लाभकारी मूल्य (एफ.आर.पी.) में वार्षिक बढ़ौतरी के बावजूद चीनी का एम.एस.पी. 2019 से 31 रुपए प्रति किलोग्राम पर बना हुआ है।

सरकार के इस फैसले के बाद मिठाई से लेकर मीठे पकवान तक महंगे हो सकते हैं। दरअसल, इस साल अक्टूबर-नवंबर में महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने हैं। महाराष्ट्र के विदर्भ गन्ना क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा नुकसान हुआ है। 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी 25 सीटों पर चुनाव लड़ा, जिसमें से 10 सीटों पर ही जीत मिली थी। जबकि 2019 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने 23 सीटों पर जीत हासिल की थी। इसके अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा और पंजाब के किसानों को भी बड़ा लाभ हो सकता है।

नेशनल फैडरेशन ऑफ कोऑप्रेटिव शुगर फैक्टरीज (एन.एफ.सी.एस.एफ.) सहित उद्योग निकायों ने सरकार से बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को संचालन बनाए रखने में मदद करने के लिए एम.एस.पी. को कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ाने का आग्रह किया है। चोपड़ा ने कहा कि 2024-25 सत्र (अक्तूबर-सितंबर) के लिए चीनी उत्पादन आशाजनक दिख रहा है, जिसमें पिछले साल की समान अवधि के 57 लाख हैक्टेयर से बढ़कर अब तक 58 लाख हैक्टेयर तक गन्ने की बुवाई हो चुकी है। नेशनल फेडरेशन ऑफ कोऑपरेटिव शुगर फैक्ट्रीज (हस्नफ्टस्न) सहित उद्योग निकायों ने सरकार से बढ़ती उत्पादन लागत के बीच मिलों को संचालन बनाए रखने में मदद करने के लिए एमएसपी को कम से कम 42 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ाने का आग्रह किया है।

चोपड़ा ने कहा कि 2024-25 सत्र (अक्टूबर-सितंबर) के लिए चीनी उत्पादन आशाजनक दिख रहा है, जिसमें पिछले साल की समान अवधि के 57 लाख हेक्टेयर से बढ़कर अब तक 58 लाख हेक्टेयर तक गन्ने की बुवाई हो चुकी है। चीनी सत्र 2023-24 में चीनी उत्पादन 3.2 करोड़ टन होने का अनुमान है, जो पिछले सत्र के 3.28 करोड़ टन से कम है लेकिन 2.7 करोड़ टन की घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए खाद्य सचिव ने कहा कि कृषि मंत्रालय विभिन्न उपज से एथनॉल बनाने के लिए पानी की जरूरतों का मूल्यांकन करने के लिए अनुसंधान कर रहा है। शुरुआती निष्कर्षों से पता चलता है कि मक्का और चावल के मुकाबले गन्ने से एथनॉल बनाने के लिए कम पानी की जरूरत होती है।

यह शोध और इसके परिणाम एथनॉल उत्पादन को बढ़ावा देने और जल संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण हो सकते हैं, जिससे किसानों को लाभ और पर्यावरण को संरक्षण मिल सकेगा। सरकार का यह निर्णय किसानों और चीनी मिलों के आर्थिक स्वास्थ्य को संतुलित करने के साथ-साथ देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है।

भगौड़े विजय माल्या की मुश्किलें बढ़ी, सेबी ने ले लिया बड़ा एक्शन, लग गया प्रतिबंध

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत से भगेड़े कारोबारी विजय माल्या की मुश्किलें एक बार फिर से बढ़ गई है। इस बार भारत के बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने विजय माल्या के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। सेबी ने एक आदेश जारी कर भगोड़े कारोबारी विजय माल्या पर तीन साल तक प्रतिभूति बाजार में कारोबार करने पर रोक लगा दी है। यह कार्रवाई इस निष्कर्ष के बाद की गई है कि माल्या ने अपनी पहचान छिपाने के लिए जटिल लेनदेन के माध्यम से भारतीय प्रसेबी की मुख्य महाप्रबंधक अनीता अनूप के अनुसार, यूनाइटेड ब्रूअरीज के पूर्व प्रमुख और यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड (यूएसएल) के बहुलांश शेयरधारक माल्या ने अपनी कंपनियों के शेयरों का अप्रत्यक्ष रूप से व्यापार करने की योजना बनाई थी। ये लेनदेन विदेशी संस्थागत निवेश (एफआईआई) मार्ग का उपयोग करते हुए यूबीएस एजी लंदन के बैंक खातों के माध्यम से किए गए। सेबी के आदेश के अनुसार, ÷ऐसे कृत्य न केवल धोखाधड़ीपूर्ण और भ्रामक हैं, बल्कि प्रतिभूति बाजार की अखंडता के लिए भी खतरा हैं।÷

यह माल्या पर पहली बार प्रतिबंध नहीं है; सेबी ने इससे पहले यूएसएल के शेयरों में हेराफेरी और अनुचित लेनदेन के लिए उन पर 1 जून 2018 से तीन साल के लिए प्रतिभूति बाजार में प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया था। शुक्रवार के आदेश में सेबी ने इस बात पर जोर दिया कि माल्या हेराफेरी और धोखाधड़ी वाली गतिविधियों में शामिल थे और अनुचित व्यापार प्रथाओं में लिप्त थे, जो प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन है। इसके कारण नियामक ने उनके बाजार प्रतिबंध को और तीन साल के लिए बढ़ा दिया। नियामक ने वित्तीय सेवा प्राधिकरण (एफएसए) से प्राप्त सूचना के आधार पर स्वतः जांच शुरू की थी। जांच से पता चला कि माल्या ने भारत में अपने समूह की कंपनियों, हर्बर्टसन्स और यूएसएल के शेयरों में अप्रत्यक्ष रूप से व्यापार करने के लिए एफआईआई - मैटरहॉर्न एडवाइजरी सिंगापुर प्राइवेट लिमिटेड के पंजीकृत उप-खाते मैटरहॉर्न वेंचर्स का इस्तेमाल किया। यह धनराशि यूबीएस के विभिन्न लाभार्थी खातों के माध्यम से भेजी गई तथा फिर भारतीय प्रतिभूति बाजार में डाल दी गई। सेबी के आदेश में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि माल्या बेसाइड, सनकोस्ट और बर्चवुड सहित अनेक खातों के अंतिम लाभार्थी स्वामी थे। इन संस्थाओं ने कुल 6.15 मिलियन डॉलर वेंचर न्यू होल्डिंग लिमिटेड को हस्तांतरित किये, जिसके मालिक भी माल्या थे। इस धनराशि का उपयोग तुरंत हर्बर्टसन्स के शेयर खरीदने के लिए किया गया।

एक अगस्त से होने जा रहा है नियमों में बदलाव, कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे कुछ के घटेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। आने वाला महीना आपकी जेब पर काफी असर डाल सकता है. हर नए महीने में होने वाले नियमों में परिवर्तन की तरह अगस्त में भी कुछ नियम बदले जा रहे है. अब नए नियम लागू होने के बाद कुछ वस्तुओं के दाम बढ़ेंगे तो कुछ के दाम घटेंगे जिसका सीधा लोगों की जेब पर पड़ेगा. प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 अगस्त से गैस-सिलेंडर के दाम, एचडीएफसी लाइफ क्रेडिट कार्ड के नियम और बिजली भुगतान आदि के नियमों में परिवर्तन देखने को मिलेगा

एक अगस्त से लेन देन के लिए नए नियम लागू होंगे. जिनके अनुसार रु. 50, 000 रुपये से कम के लेनदेन पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं देना होगा. वहीं 50, 000 रुपये से अधिक के लेनदेन पर कुल राशि का 1प्रतिशत शुल्क देना पड़ेगा.

हालांकि छात्रों के लिए राहत की खबर ये है कि कॉलेज या स्कूल की वेबसाइटों या उनकी पीओएस मशीनों के माध्यम से सीधे किए गए भुगतान निःशुल्क हैं. परंतु छात्र सीआरईडी, चेक, मोबिक्विक और अन्य थर्ड-पार्टी ऐप्स के माध्यम से 50 हजार से ज्यादा का भुगतान करेगा तो उसे 1प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क देना होगा.

नए महीने एचडीएफसी लाइफ की तरफ से टाटा न्यू इनफिनिटी और टाटा न्यू प्लस क्रेडिट कार्ड के नियमों में बदलाव किया जाएगा. नये नियमों के अनुसार इन कार्ड धारकों को टाटा न्यू यूपीआई आईडी से लेनदेन करने पर 1.5 प्रतिशत न्यू कॉइन्स प्राप्त होंगे.

पिछले महीने की तरह 1 अगस्त से भी एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में बदलाव देखने को मिलेगा. जुलाई महीने में मिडिल क्लास के लिए अच्छी खबर ये थी कि केंद्र सरकार ने 19 किलो वाले कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में कटौती की थी. अब आगे ऐसा माना जा रहा है कि सरकार सिलेंडर की कीमत में कटौती कर सकती है.

आने वाले महीने की पहली तारीख से गूगल मैप्स परिवर्तित नियम लागू होंगे. नए नियम के अनुसार गूगल मैप्स ने अपनी सर्विस का भारत में शुल्क 70 प्रतिशत तक घटा दिया है. इसके साथ ही नए नियमों में गूगल मैप्स की ओर से सर्विस के लिए डॉलर की जगह भारतीय रुपयों में चार्ज लिया जाएगा. हालांकि बता इस बदलाव का आम यूजर्स पर कोई असर नहीं होगा.

गोल्ड में आई सबसे बड़ी गिरावट से लोगों को हुआ नुकसान, डूब गए 11 लाख करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के गोल्ड पर कस्टम ड्यूटी घटाने के ऐलान के साथ ही, सोने की कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इससे देश के आम लोगों की बचत की वैल्यू में करीब 11 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है। बिजनेस डेस्कः बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के गोल्ड पर कस्टम ड्यूटी घटाने के ऐलान के साथ ही, सोने की कीमतों में पांच प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई। इससे देश के आम लोगों की बचत की वैल्यू में करीब 11 लाख करोड़ रुपए की गिरावट आई है। अगर इसकी तुलना शेयर बाजार से करें, तो यह स्टॉक मार्केट के इतिहास में एक दिन में आई अबतक की छठी सबसे बड़ी गिरावट है। इस गिरावट का सीधा असर देश के लाखों परिवारों पर पड़ा है। ऐसा इसलिए क्योंकि सोना रखने वाले परिवारों की संख्या शेयर बाजार में निवेश करने वालों की तुलना में कहीं ज्यादा है।

भारत में लोग खासकर के मिडिल क्लास परिवार शेयर बाजार से ज्यादा सोने में निवेश करते हैं। देश की मां और बहनों के पास हाउसहोल्ड सेविंग के नाम भारत में कुल इतना सोने का भंडार मौजूद है, जितना भारतीय रिजर्व बैंक के पास भी नहीं है। भारतीय परिवारों के पास दुनिया का सबसे बड़ा सोने का भंडार है। एक आंकड़े के मुताबिक, दुनिया के कुल सोने का लगभग 11 प्रतिशत भारतीय परिवारों के पास है। यह अमेरिका, जर्मनी, स्विट्जरलैंड और आईएमएफ के कुल गोल्ड रिजर्व से भी अधिक है। इस साल की शुरुआत से ही सोने की कीमतें तेजी से बढ़ रही थीं। बजट से एक दिन पहले तक सोने की कीमतों में इस साल 14.7 फीसदी की तेजी आई थी जो सेंसेक्स के रिटर्न से भी ज्यादा थी लेकिन बजट में वित्त मंत्री ने सोने-चांदी पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 10 प्रतिशत से घटाकर 6 प्रतिशत कर दिया। साथ ही इस पर लगने वाले एग्रीकल्चर सेस को 5 प्रतिशत से घटाकर 1 प्रतिशत कर दिया। इससे कुल मिलाकर सोने पर लगने वाले शुल्क अब पहले के 18.5 प्रतिशत से घटकर 9 प्रतिशत हो गया है, जिसमें त्रस्ज्ञ भी शामिल है।

बजट पेश होने से ठीक एक दिन पहले सोने के दाम देश में सोने के दाम 75,200 रुपए प्रति 10 ग्राम पर थे जबकि बजट पेश होने के बाद 23 जुलाई को इसकी कीमत 71,200 रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई। अगर इसकी तुलना शेयर मार्केट से की जाए, तो एक ही दिन में सोने की कीमतों में गिरावट से इंवेस्टर्स को 11 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ है।

सोने के दाम गिरने से सर्राफा व्यापारी खुश नहीं थे। उन्होंने अपने पास रखी सोने की होल्डिंग्स को बेचकर मुनाफा बुक करना शुरू कर दिया। इससे सोने के दाम में और गिरावट आई। गोल्ड लोन बांटने वाली कंपनियां भी इससे खुश नहीं थीं, क्योंकि इससे उनके लोन-टू-वैल्यू रेशियो में कमी आने की आशंका है, जो उन्हें वित्तीय रूप से कमजोर कर सकती है। मान लेते हैं कि भारतीय परिवारों और मंदिरों में कुल मिलाकर 30,000 टन से अधिक सोना है। अब 22 जुलाई को इसके भाव के हिसाब से उस दिन इस सोने की कुल कीमत 218 लाख करोड़ रुपए बनती है। जबकि 23 जुलाई को भाव गिरने के बाद इतने सोने की कीमत 207 लाख करोड़ रुपए रह गई। ये सीधे-सीधे सोने की वैल्यू में 10 लाख करोड़ रुपए के नुकसान को दिखाता है। हालांकि बड़ी ज्वैलरी कंपनियों को इस कदम से लाभ हो सकता है। ट्रेडर्स लंबे समय से गोल्ड कस्टम ड्यूटी घटाने की मांग कर रहे थे और उनका कहना था कि इससे गोल्ड की तस्करी रुकेगी। सरकार के लिए भी गोल्ड की तस्करी में कमी आना एक अच्छी खबर है क्योंकि उसके रेवेन्यू का नुकसान कम होगा। रिलायंस सिक्योरिटीज के सीनियर कमोडिटी एनालिस्ट, जिगर त्रिवेदी ने बताया कि अमेरिकी डॉलर में कमजोरी, फेस्टिव सीजन के दौरान मांग, भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और केंद्रीय बैंक की नीतियों जैसे कुछ ऐसे कारण हैं, जो गोल्ड के दाम को फिर से बढ़ा सकते हैं। ऐसे में निवेशकों को इन पर नजर रखना चाहिए।

विस्तारा एयरलाइन्स अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में देगी खास सुविधा, अब यात्रियों को फ्री में मिलेगा वाईफाई

नई दिल्ली, एजेंसी। विस्तारा एयरलाइन्स ने अपने यात्रियों को शानदार सुविधा देने के उद्देश्य से खास पेशकश की है। विस्तारा एयरलाइंस में यात्रा करने वाले यात्रियों को अब प्लेन में वाईफाई की सुविधा मिलेगी। ये सुविधा यात्रियों को फ्री में दी जाएगी। वाईफाई उपयोग करने के लिए यात्रियों को किसी तरह का भुगतान नहीं करना होगा।

कंपनी ने कहा कि यह सेवा उसके बोइंग 787-9 ड्रीमलाइनर और एयरबस 321नीयो विमानों द्वारा संचालित उड़ानों में सभी केबिन वर्गों में उपलब्ध है। टाटा समूह और सिंगापुर एयरलाइंस के बीच एक संयुक्त उद्यम विस्तारा यह सुविधा प्रदान करने वाली पहली भारतीय एयरलाइन है। निःशुल्क वाई-फाई एक्सेस ग्राहकों को कनेक्टेड रहने में सक्षम बनाता है और यह उन लोगों के लिए आदर्श है जो भारतीय क्रेडिट या डेबिट कार्ड का उपयोग करके विस्तारित वाई-फाई प्लान खरीदना चाहते हैं। यह सेवा ग्राहकों को ईमेल के माध्यम से वन-टाइम पासवर्ड प्राप्त करने की अनुमति देती है, जिससे सक्रिय सत्र के दौरान विस्तारित इन-फ्लाइट वाई-फाई सेवाओं की खरीद की सुविधा मिलती है।

विस्तारा के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी दीपक राजावत ने कहा, ÷विस्तारा में हम अपने ग्राहकों के अनुभव को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम एक बार फिर इस दिशा में आगे बढ़कर और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सभी केबिनों में निःशुल्क वाई-फाई की सुविधा देने वाली पहली भारतीय एयरलाइन बनकर प्रसन्न हैं। हमें विश्वास है कि ग्राहक इस मूल्य संवर्धन की सराहना करेंगे, जिसका उद्देश्य उनकी विस्तारा यात्रा को अधिक सुविधाजनक, उत्पादक और निर्बाध बनाना है।

कंपनी के अनुसार, विस्तारा अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर इंटरनेट कनेक्टिविटी योजना में उड़ान के दौरान किसी भी स्तर और किसी भी केबिन के सभी क्लब विस्तारा सदस्यों के लिए मुफ्त चैट सुविधा शामिल है। अन्य यात्रियों के लिए, व्हाट्सएप और फेसबुक मैसेंजर जैसे ऐप पर अनलिमिटेड मैसेजिंग के लिए 372.74 रुपये प्लस जीएसटी लिया जाएगा। विमान में इंटरनेट सर्फ करने के लिए, एयरलाइन ने 1577.54 रुपये प्लस जीएसटी निर्धारित किया है, जिसमें सोशल मीडिया और वेब कंटेंट के लिए एम्बेडेड ऑडियो और वीडियो स्ट्रीमिंग शामिल है। 2707.04 रुपये प्लस जीएसटी में, ग्राहकों को सभी स्ट्रीमिंग प्रोटोकॉल की अनुमति देते हुए असीमित डेटा मिलता है।

पैन कार्ड बनवाने और आईटीआर भरने के लिए अब आधार एनरोल नंबर का नहीं कर सकेंगे इस्तेमाल, आयकर विभाग ने बदला नंबर

नई दिल्ली, एजेंसी। आधार कार्ड के उपयोग के संबंध में कुछ दिनों पहले बदलाव किए गए हैं. परिणामस्वरूप, अब कुछ महत्वपूर्ण कार्यों के लिए पहचान के इस रूप का उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिए गए हैं. आइए हम अपडेट किए गए नियमों के बारे में विस्तार से जानते हैं.

भारत में लोगों के पास कुछ कागजात होना बहुत जरूरी है, इसमें से एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है आधार कार्ड. यह कार्ड बहुत महत्वपूर्ण है और पूरे देश में कई तरह की गतिविधियों के लिए आधार कार्डकी ज़रूरत होती है. आधार कार्ड के बिना बहुत सारे काम पूरे नहीं किए जा सकते. भारत में आधार कार्ड की शुरुआत 2010 में हुई थी और तब से लेकर अब तक भारत की लगभग 90 प्रतिशत आबादी के पास आधार कार्ड मौजूद है. आधार संख्या एक विशेष 12-अंकीय पहचान पत्र की तरह होता है जिसका उपयोग भारत में लोग यह साबित करने के लिए करते हैं कि वे कौन हैं और कहाँ रहते हैं. आधार नामांकन आईडी (ईआईडी) 14 अंकों की होती है और यह उन व्यक्तियों को दी जाती है जो वर्तमान में आधार कार्ड के लिए आवेदन प्रक्रिया से गुजर रहे हैं.

आधार कार्ड से संबंधित नियमों में कई संशोधन होते रहें हैं. इस तरह, आधार कार्ड नामांकन आईडी के उपयोग के संबंध में हाल ही में एक अपडेट लागू किया गया है. पहले, बिना आधार कार्ड वाले व्यक्ति अपने नामांकन आईडी का उपयोग कर सकते थे, यह आधार कार्ड के लिए आवेदन करने पर बनाया जाता है. अब इस पद्धति को कुछ लेन-देन या प्रक्रियाओं के लिए वैध नहीं माना जाएगा. भारत में पैन कार्ड प्राप्त करने के लिए आधार कार्ड नामांकन आईडी का उपयोग अब बंद कर दिया गया है. आधार कार्ड के बिना, व्यक्ति अब पैन कार्ड के लिए आवेदन करने के लिए अपनी नामांकन आईडी का उपयोग करने में सक्षम नहीं होगा.

संक्षिप्त समाचार

पुरानी प्रॉपर्टी बेचने पर नहीं मिलेगा महंगाई लाभ, बढ़ेगा टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। 2024-25 के आम बजट मे, सरकार ने अचल संपत्तियों पर इंडेक्सेशन के लाभों को हटाने का फैसला किया है. नतीजतन, लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन्स के लिए कर की दर 20 प्रतिशत से कम कर 12.5 प्रतिशत कर दी गई है. इसका मतलब यह है कि आवासीय संपत्ति बेचने वाले व्यक्ति अब अपने एलटीसीजी करों की गणना करते समय मुद्रास्फीति को ध्यान में नहीं रख सकते हैं. 23 जुलाई, 2024 से पुरानी अचल संपत्ति बेचने वाले व्यक्तियों को अब मुद्रास्फीति समायोजन का लाभ नहीं मिलेगा और उन्हें उच्च कर भुगतान करना होगा. सरकार ने 2001 से पहले संपत्ति अर्जित करने वाले या विरासत में प्राप्त करने वाले करदाताओं के लिए इंडेक्सेशन लाभ को बनाए रखने का निर्णय लिया है. कर दर में ये परिवर्तन अब लागू हो गए हैं. आयकर विभाग ने कहा कि एलटीसीजी दर कम करने से बहुत से लोगों का पैसा बचेगा. उन्होंने सोशल मीडिया पर यह भी बताया कि रियल एस्टेट निवेश आम तौर पर सालाना 12-16 प्रतिशत का रिटर्न देता है, जो मुद्रास्फीति से भी ज़्यादा है. विभाग ने कहा कि इंडेक्सेशन आम तौर पर चार से पांच प्रतिशत के बीच होता है और यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप संपत्ति को कितने समय तक रखते हैं. इन सभी कारकों को ध्यान में रखते हुए, विभाग ने सुझाव दिया कि इंडेक्सेशन के बिना नई कर दर ज़्यादातर लोगों के लिए एक अच्छा सौदा होगी. यह नियम मूल रूप से मुद्रास्फीति के आधार पर रियल एस्टेट की कीमतों में बदलाव करता है. मूल रूप से, लागत मुद्रास्फीति सूचकांक हर साल बदलती है. जब आप रियल एस्टेट खरीदते हैं, तो आपको उस वर्ष के आधार पर एक सीआईआई नंबर मिलता है जिस वर्ष आपने खरीदारी की थी. एलटीसीजी कर की गणना इस सीआईआई नंबर का उपयोग करके मुद्रास्फीति और लागत के लिए समायोजन करके की जाती है, जो हर साल बढ़ता है.

वेदांता ने 2024-25 के लिए दूसरे अंतरिम डिविडेंड को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। 26 जुलाई को वेदांता के बोर्ड ने वित्त वर्ष 2025 के लिए 4 रुपये प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया है. वेदांता लिमिटेड ने कुल 1,564 करोड़ रुपये के लाभांश की घोषणा की है. कंपनी की हाल ही में हुई बैठक में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 1 रुपये के इक्विटी शेयर पर 4 रुपये का दूसरा अंतरिम लाभांश देने को मंजूरी दी गई. यह लाभांश भुगतान वेदांता लिमिटेड के लिए अपने शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और उन्हें उनके निवेश पर रिटर्न प्रदान करने के लिए है. मई में, वेदांता के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025 के लिए प्रति शेयर 11 रुपये के लाभांश को मंजूरी दी थी. यह शेयरधारकों को वितरित किए जाने वाले कुल 4,089 करोड़ रुपये थे. इस लाभांश के लिए रिकॉर्ड तिथि 25 मई निर्धारित की गई थी. वेदांता ने हाल के वर्षों में लगातार उदार लाभांश भुगतान बनाए रखा है. वित्त वर्ष 2023 में कुल 37,572 करोड़ रुपये का लाभांश दिया गया था. यह वित्त वर्ष 2022 में वितरित 16,689 करोड़ रुपये के लाभांश से भी ज्यादा थी. वित्त वर्ष 2021 में भुगतान किए गए 3,519 करोड़ रुपये के लाभांश से अच्छी उछाल थी. 23 जुलाई 2001 से अब तक वेदांता ने कुल 42 लाभांश घोषित किए हैं. वित्त वर्ष 2024 में कंपनी ने तीन लाभांश वितरित किए. वेदांता ने पिछले वर्ष 56त्न से अधिक और 2024 में 69त्न से अधिक का रिटर्न प्राप्त करते हुए अच्छा स्टॉक प्रदर्शन दिखाया है.

संक्षिप्त समाचार

छात्राओं के तीन स्टार्टअप को फंडिंग करेगा बेहतर झारखंड

रांची, एजेंसी। एसएसएलएनटी महिला कॉलेज की छात्राओं के तीन स्टार्टअप को बेहतर झारखंड फंड देगा. शनिवार को कॉलेज में आयोजित उद्यमिता विकास पर तकनीकी इंटरैक्टिव सत्र के दौरान तीन आइडिया का चयन किया गया. कार्यक्रम में बेहतर झारखंड के संस्थापक व मुख्य अतिथि मयूर शेखर झा व विशिष्ट अतिथि फहाद मोती खान, संस्थापक और सीइओ, टी-9 लैब्स (भारत का पहला स्टार्टअप स्टूडियो) मौजूद थे. स्टार्टअप आइडिया में मुस्कान कुमारी साहू द्वारा यूनिकनेक्ट यूनिवर्सिटी ऐप, आरजु कुमारी सिंह, स्नेहा कुमारी और खुशी हेलीवाल द्वारा ऑर्गेनिक साबुन और प्राची गुप्ता, गुनगुन कुमारी , पूजा कुमारी, कोमल कुमारी और नेहा मिश्रा द्वारा चौमासा फ्रेगरेंस कैंडल के आइडिया का चयन किया गया है. मयूर शेखर झा ने कहा धनबाद की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से कोयले पर निर्भर है. इसे अगले दशक में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया जायेगा. उन्होंने ने धनबाद में वैकल्पिक आर्थिक मॉडलों के विकास के महत्व पर प्रकाश डाला. फहाद मोती खान ने फंडिंग, स्टार्टअप और आइडिया के विकास की जटिलताओं पर प्रकाश डाला. एसएसएलएनटी महिला महाविद्यालय के प्राचार्या डॉ शर्मिला रानी कॉलेज की छात्राओं की मदद के लिए धन्यवाद दिया. कार्यक्रम के दौरान प्रो मनमीत कौर, समन्वयक डॉ प्रीति कुमारी, कॉलेज प्रभारी विमल मिंज आदि मौजूद थे.

दो दिवसीय आनंद मेला में जुट रही भीड़, खूब हुई खरीदारी

धनबाद, एजेंसी। अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला समिति धनबाद शाखा की ओर से होटल सिद्धिविनायक में आयोजित दो दिवसीय आनंद मेला का उद्घाटन अतिथियों ने किया. कार्यक्रम की शुरुआत शाखा की सदस्यों गुरु वंदना कर की. मौके पर समिति की प्रांतीय अध्यक्ष मंजू बगड़िया ने मेला के आयोजन कि लिए सदस्यों को बधाई दी. प्रांतीय अध्यक्ष का स्वागत समिति की जिलाध्यक्ष शारदा बजाज ने पौधा देकर किया. प्रांतीय सचिव साधना देवरालिया व प्रांतीय कोषाध्यक्ष किरण गोयनका का स्वागत समिति सदस्यों ने किया. मेले में 75 स्टाल लगाये गये हैं. इसमें बेंगलुरु, मुंबई, दिल्ली, सूरत, कोलकाता, मुजफ्फरपुर, धनबाद, आसनसोल आदि से एक ही छत के नीचे सुंदर राखियां, बच्चों के गिफ्ट, कपड़े, भगवान की पोशाक, ज्वेलरी, साड़ियां, इंडो वेस्टर्न ड्रेस, बच्चों के मनोरंजन के लिए गेम, नेल आर्ट व स्वादिष्ट चाट आदि हैं. निशा गात्यान द्वारा हैंड मेड गिफ्ट आइटम व भगवान की मूर्ति, रानी के वेस्टर्न ड्रेसेज, सोनल के गुजराती आइटम खूब पसंद किये जा रहे हैं. मौके पर समिति की कोषाध्यक्ष अंजू गुप्ता, निर्मला तुलस्यान, विमला बंसल, उर्मिला गुटगुटिया, अरुण भगानिया, किरण गोयनका, कल्पना पाटोदिया, अनीता मिश्रा, अनीता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, अनीता मुकीम, प्रीति एस अग्रवाल, प्रीति पी अग्रवाल, सारिका सिंघल, किरण अग्रवाल, मोनिका, निशा, रिद्धि, रितु, ममता, चंदा, मीडिया प्रभारी रानी लुहारूका आदि उपस्थित थी.

जदयू की 11 सीटों से लड़ने की तैयारी, नीतीश कुमार की पार्टी का परंपरागत सीटों पर रहेगा जोर

रांची, एजेंसी। जदयू झारखंड में पूरे दमखम से विधानसभा का चुनाव लड़ेगा। जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इसकी हरी झंडी दे दी है। उन्होंने झारखंड जदयू को चुनाव तैयारियों में जुटने और जमीन पर जल्द काम शुरू करने का निर्देश दिया है। शनिवार को जदयू के झारखंड प्रदेश अध्यक्ष खीरू महतो के नेतृत्व में प्रदेश के पार्टी नेताओं ने पार्टी सुप्रीमो मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की। मुख्यमंत्री आवास पर हुई इस बैठक में उन्होंने राज्य की 11 सीटों पर अपनी दावेदारी उनके सामने पेश की। साथ ही कुर्मी समाज को एसटी में शामिल करने की मांग भी रखी। नीतीश कुमार ने आश्वासन दिया है कि वे इस पर केंद्र से बात करेंगे। इस दौरान जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय सहित कई बड़े नेता उपस्थित थे। खीरू महतो के साथ कुरमी समाज के 13 नेता भी पहुंचे थे। उनसे पूछा गया कि उनकी ओर से किन-किन सीटों की सूची नीतीश कुमार को दी गई है तो कहा कि सूची को अभी सार्वजनिक नहीं कर सकते। राष्ट्रीय अध्यक्ष जब इस पर सहमति देंगे तो फिर प्रदेश के एनडीए के सहयोगियों से बात होगी। वहीं, सरयू राय को लेकर कहा कि अगर वे जदयू में शामिल होते हैं तो हम उनका स्वागत करेंगे।

राजधानी समेत प्रदेशभर में फिर सक्रिय हुआ मानसून, झमाझम बारिश से खिलेगा किसानों का चेहरा

रांची, एजेंसी। राजधानी समेत राज्यभर में मानसून सक्रिय हो चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बनें निम्न दबाव के कारण ओडिशा छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल समेत झारखंड के कुछ जिलों में मानसून सक्रिय हो गया है।

बंगाल की खाड़ी में बनें निम्न दबाव का टर्फ तेजी से बढ़ रहा है। जिसके कारण झारखंड में 2 अगस्त तक बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के विज्ञानी अभिषेक आनंद ने बताया कि 2 अगस्त तक राज्य में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की प्रबल संभावना है। उम्मीद है कि किसानों को चिंता से मुक्ति मिलेगी।

इन जिलों में भारी बारिश का अलर्ट : हालांकि, अबतक के हालात को देखकर संशय बरकरार है। इसके अलावा 28 जुलाई को खूंटी, गुमला, लोहरदगा, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम, लातेहार, पलामू और गढ़वा में भारी बारिश की संभावना है।

30 और 31 जुलाई को राज्य के दक्षिणी तथा निकटवर्ती मध्य भागों बोकारो, रामगढ़, रांची, खूंटी, गुमला, सिमडेगा, पू. सिंहभूम, प. सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां में मौसम विभाग ने भारी बारिश को लेकर चेतावनी जारी की है।

31 जुलाई और 1 अगस्त को राज्य के उत्तर-पश्चिमी एवं उत्तर-पूर्वी भागों गढ़वा, पलामू, लातेहार, चतरा, गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़, दुमका और देवघर में भारी बारिश को लेकर मौसम विभाग ने यलो अलर्ट जारी किया है।

इस दौरान राज्य में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस रिकर्ड किया गया। पिछले 24 घंटे में राज्य में लगभग सभी स्थानों पर हल्के से मध्यम दर्जे की वर्षा हुई जबकि राज्य में कहीं- कहीं पर भारी बारिश भी हुई। राज्य में मानसून गतिविधि सक्रिय रहेगी।

वार को सबसे अधिक बारिश 49.5 एमएम बोकारो में दर्ज की गई है। उच्चतम तापमान 37.4 डिग्री सेल्सियस गोड्डा में जबकि न्यूनतम तापमान 24.0 डिग्री सेल्सियस चाईबासा में रिकार्ड की गई है। वर्षा होने की वजह से तापमान में आएगी कमी।

मौसम की बदली चाल से किसानों को राहत : हाल के दिनों में होने वाली वर्षा से कृषि विभाग को उम्मीद है कि राज्य में भरपूर पानी होगा और किसान खरीफ मौसम की फसल की खेती कर पाएंगे। लगातार दो वर्ष तक सुखाड़ की मार झेलने वाले राज्य में मानसून देर से आया और धान का बिचड़ा डालने के समय काफी कम वर्षा हुई।

मौसम विभाग के पूर्वानुमान से उम्मीद बढ़ी है कि राज्य में अच्छी वर्षा हो सकती है। पिछले 15 दिनों में वर्षा के औसत में पांच प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। 11 जुलाई को राज्य में औसत वर्षा सामान्य से 57 प्रतिशत कम थी, लेकिन 25 जुलाई को यह औसत 47 प्रतिशत हो गया।

राज्य के 10 जिलों में ही सामान्य से 50 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। मौसम विभाग ने एक अगस्त तक वर्षा होने का पूर्वानुमान जताया है। राज्य में अब तक 13.57 प्रतिशत धान का आच्छादन हुआ है। मक्का का 47.66, दलहन 22.95 और तेलहन का 25.77 प्रतिशत आच्छादन हुआ है।

कम वर्षा के कारण गढ़वा, पलामू और लातेहार में धान का आच्छादन बहुत कम हुआ है। विभाग की रिपोर्ट की माने तो 25 जुलाई तक पलामू और लातेहार में धान का आच्छादन नहीं हुआ, जबकि गढ़वा में 0.21 प्रतिशत हुआ है।

राज्य में खेती कार्य लगभग वर्षा पर निर्भर है। सिंचाई की व्यवस्था नहीं होने से किसानों को मौसम पर ही निर्भर रहना पड़ता है। मानसून की देरी और सामान्य से कम वर्षा होने से किसानों ने देर से धान का बिचड़ा लगाया है। राज्य में सामान्य रूप से 31 जुलाई तक धान की खेती की जाती है। फिलहाल अच्छी वर्षा से धान के आच्छादन में तेजी आई है। किसानों को सरकार ने 50 प्रतिशत अनुदान पर बीज उपलब्ध कराया है।

झारखंड के मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया कि पश्चिम बंगाल और ओडिशा के उत्तरी भाग में निम्न दबाव क्षेत्र बना है। अगले 24 घंटे तक इसका विस्तार होगा। इससे 30 जुलाई से राज्य में अच्छी बारिश की उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक, पूरे राज्य में 30 जुलाई को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं 1 अगस्त तक बारिश की भविष्यवाणी की गई है। यानी लगातार तीन दिन (30,31 जुलाई और 1 अगस्त) को झारखंड में अच्छी बारिश हो सकती है।

सीडीपीओ नियुक्ति मुख्य परीक्षा में देने होंगे सभी पेपर्स, एक में भी एबसेंट रहने पर मेरिट में नहीं आएगा नाम

रांची, एजेंसी। बाल विकास परियोजना पदाधिकारी (सीडीपीओ) नियुक्ति मुख्य परीक्षा दो से चार अगस्त तक रांची जिले के विभिन्न केंद्रों पर आयोजित होगी। इस परीक्षा के सभी पत्रों में अभ्यर्थियों को सम्मिलित होना अनिवार्य होगा।

एक भी पत्र में अनुपस्थित रहने पर मेधा सूची में उक्त अभ्यर्थी का नाम सम्मिलित नहीं किया जाएगा। झारखंड लोक सेवा आयोग ने यह जानकारी देते हुए शनिवार को मुख्य परीक्षा का कार्यक्रम प्रकाशित कर दिया। इसके तहत दो अगस्त को एकमात्र पाली में हिन्दी विषय की परीक्षा होगी। वहीं, तीन अगस्त को पहली पाली में सामान्य अध्ययन के प्रथम एवं दूसरी पाली में द्वितीय पत्र की परीक्षा होगी। चार अगस्त को पहली पाली में वैकल्पिक विषय के प्रथम पत्र तथा दूसरी पाली में द्वितीय पत्र की परीक्षा होगी।

पहली पाली की परीक्षा सुबह दस बजे से अपराह्न एक बजे तथा दूसरी पाली की परीक्षा अपराह्न दो बजे से पांच बजे तक होगी। आयोग इस परीक्षा में भाग लेने के लिए प्रवेश पत्र डाक से नहीं भेजेगा।अभ्यर्थी इसे आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड कर सकेंगे। बताते चलें कि आयोग ने इसकी प्रारंभिक परीक्षा का परिणाम 15 जुलाई को प्रकाशित किया था। इसमें कुल 1,590 अभ्यर्थी सफल घोषित किए गए थे। प्रारंभिक परीक्षा 10 जून को आयोजित की गई थी। मुख्य परीक्षा में हिंदी का 100 अंकों का पत्र क्वालिफाइंग प्रकृति का होगा, जिसमें न्यूनतम 30 अंक लाना अनिवार्य होगा। इसके अंक मेधा सूची में सम्मिलित नहीं किए जाएंगे। इसमें 10वीं कक्षा स्तर के प्रश्न पूछे जाएंगे।सामान्य अध्ययन के दोनों पत्र 100-100 अंकों के होंगे। अंतिम पत्र वैकल्पिक विषय का होगा।

शंकर रवानी हत्याकांड का हुआ खुलासा, पुलिस ने मुख्य आरोपित राजू व अशोक समेत 5 अपराधी किए गिरफ्तार

बोकारो, एजेंसी। जिला बदर किए गए शंकर रवानी की हत्या की गुत्थी को पुलिस ने पूरी तरह से पर्दाफाश कर दिया है। 18 जुलाई को एस पौंड पर वर्चस्व को लेकर हत्याकांड की साजिश हरला थाना इलाके के महुआर बस्ती निवासी राजू दुबे उर्फ राजेंद्र दुबे ने रची थी। राजू दूबे ने इस काम को अंजाम दिलवाने के लिए गुरुद्वारा कालोनी चास निवासी अशोक कुमार सिंह उर्फ अशोक सम्राट से मदद ली। अशोक सम्राट ने शंकर रवानी की हत्या के लिए बिहार से अपने दोस्त अमित सिंह उर्फ मुखिया को बुलाया।

अमित ने अपने परिचित पटना निवासी विकास सिंह का साथ लिया। अमित व विकास ने बिहार के मोकामा निवासी प्रोफेशन शूटर सिपुल महतो को बुलाया। सिपुल ने अपने चार अन्य शूटरों के साथ मिलकर शंकर रवानी की हत्या कर दी। यह जानकारी एसपी पूज्य प्रकाश ने शनिवार को हरला थाना में दी।

उन्होंने बताया कि राजू दुबे के साथ

पहले शंकर रवानी एस पौंड में काम करता था। हाल के दिनों में शंकर दूसरे गुट के साथ काम करने लगा। इससे राजू दुबे का वर्चस्व एस पौंड पर समाप्त हो गया। इससे राजू दुबे ने शंकर रवानी की हत्या कराने की साजिश बनाई।

बीते वर्ष नवंबर माह में वह सफल नहीं हो सका। शंकर को उस समय राजू दुबे के कहने पर ही शूटरों ने दो गोली मारी थी, लेकिन वह बच गया। इस बार फिर से फुलप्रूफ योजना बनीं।

दस लाख रुपये में हत्याकांड को अंजाम दिलाने की सुपारी अशोक सम्राट के माध्यम से अमित मुखिया व विकास को दी गई। हत्याकांड को अंजाम देने के बाद ही रुपयों को देने की बात तय हुई थी।

पुलिस ने इस मामले में राजू दुबे व अशोक सम्राट के साथ महुआर बस्ती निवासी परिक्षित सिंह उर्फ राजा, श्याम कुमार रवानी और अमित कुमार रवानी को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपितों को अदालत के आदेश पर पुलिस ने न्यायिक हिरासत में मंडल कारा चास भेज दिया।उन्होंने बताया कि पुलिस ने हत्याकांड में प्रयुक्त अपाचे बाइक सेवरले कार संख्या जेएच09भी-4374 और स्कार्पियो वाहन संख्या जेएच01बीबी-9206 समेत छह मोबाइल को जब्त किया है। एसपी ने बताया कि शंकर रवानी पर आधा दर्जन कांड दर्ज थे। उसे जिला बदर किया गया था।

एसपी ने बताया कि बिहार से आए शूटरों को अशोक सम्राट ने शरण दी। राजू दुबे के कहने पर उसके गांव के पांच युवकों ने शंकर रवानी की हर गतिविधि पर नजर रखने का काम शुरू किया। इसमें गिरफ्तार आरोपित परिक्षित उर्फ राजा, श्याम कुमार रवानी और अमित हैं। तीन रेकी करने वालों की तलाश हो रही है।

एसपी ने बताया कि राजू दुबे ने यह कहा था कि एस पौंड पर वर्चस्व स्थापित हो जाने के बाद अशोक सम्राट ट्रांसपोर्टिंग का काम करेगा। 13-14 वाहन वह यहां अपना लगवा सकता है।

अमित मुखिया व बिहार पटना के विकास को हर माह पांच-पांच लाख रुपये मिलने वाला था। शूटरों को दस लाख रुपये हत्याकांड के लिए दिया जाना था।

लोबिन हेंब्रम ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

रांची, एजेंसी। झारखंड के बोरियो के पूर्व विधायक लोबिन हेंब्रम ने विधानसभा की सदस्यता खत्म किए जाने के खिलाफ झारखंड हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने हाईकोर्ट से जनहित के मुद्दों को उठाने के लिए मानसून सत्र तक सदस्यता बहाल करने की अपील की है। यह जानकारी लोबिन हेंब्रम ने शनिवार को पत्रकार वार्ता के दौरान दी।

लोबिन ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि झारखंड में लोकतंत्र की हत्या हुई है। झामुमो के लोगों ने स्पीकर पर दवाब बना कर उनकी सदस्यता खत्म कराई है। कहा कि दुख इस बात का है कि निर्दलीय के रूप में विधायक चमरा लिंडा ने भी चुनाव लड़ा था, लेकिन उनपर किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने कहा कि एक अपराध के लिए एक को फांसी दे दी गई और एक को कुछ नहीं किया गया। बता दें कि तीन दिन पहले ही दल-बदल के मामले में सुनवाई करते हुए स्पीकर न्यायाधीकरण ने बोरियो विधायक लोबिन हेंब्रम और मांडू विधायक जेपी पटेल की विस सदस्यता समाप्त कर दी थी।

संताल में आदिवासी कमजोर मुस्लिम आबादी हावी हेंब्रम : लोबिन ने कहा कि संताल में मुस्लिम समुदाय हावी होता जा रहा है। वहीं आदिवासी कमजोर हो रहा है। बांग्लादेश से घुसपैठ सबको पता है, लेकिन सरकार वोट बैंक बनाने में जुटी है। झारखंड समेत देश को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। आदिवासी महिलाओं से मुस्लिम शादी कर रहे हैं, जमीनें खरीदी जा रही हैं। आज आदिवासियों की आबादी 36 से घटकर 26 फीसदी रह गई है।

पुराना बाजार रत्नेश्वर मंदिर के पास से हटेगा अतिक्रमण

धनबाद, एजेंसी। बैंक मोड़ और पुराना बाजार में सुचारू यातायात के लिए शनिवार को बैंक मोड़ पुलिस, पुराना बाजार चैंबर और टोटो चालक संघ के बीच वार्ता हुई। झारखंड ई रिक्शा टोटो संघ के लोगों ने पुराना बाजार रत्नेश्वर मंदिर के पास अतिक्रमण से निजात दिलाने व यातायात को सुचाष् रूप से बहाल करने की बात बैठक में रखी। बैठक के दौरान सभी पक्षों ने अनेकों सुक्षाव रखे। स्थल निरीक्षण भी किया गया। इस दौरान टोटो संघ के प्रवक्ता संतोष कुशवाहा ने थाना प्रभारी से आग्रह किया कि रत्नेश्वर मंदिर के रेलवे की दीवार के सटकर नगर निगम का जमीन अतिक्रमण किया हुआ है। अगर वास्तव में जाम से निजात चाहिए तो निगम से पहल करवाते हुए अतिक्रमण मुक्त कराया जाए। यह स्थान पार्किंग की व्यवस्था सुनिश्चत हो जाती है तो निधारित पार्किंग शुल्क टोटो चालक देने के लिए तैयार है। बैठक में बैंक मोड़ थानेदार लव कुमार, पुराना बाजार चैंबर के महासचिव अजय नारायण लाल, जीआरपी थानेदार रंजीत कुमार, टोटो संघ के संतोष कुशवाहा, अनिल यादव तारिक अंसारी, रवि साव, प्रणीव कुमार, सनोज कुमार, सूरज कुमार, पवन साव आदि उपस्थित थे।

पूर्वी सिंहभूम के चाकुलिया में गजराज का आतंक, बीते 6 घंटे में दो की ली जान

पूर्वी सिंहभूम, एजेंसी। पूर्वी सिंहभूम में गजराज ने आतंक मचा रखा है. दरअसल बीते 6 घंटे के भीतर चाकुलिया वन क्षेत्र के दिघी एवं चौठिया गांव में जंगली हाथियों के चपेट आने से दो वृद्ध की जान चली गयी. मृतकों की पहचान 70 वर्षीय वकील टुडू और 74 वर्षीय बासो हांसदा के रूप में हुई है. पहली घटना दिघी गांव की है, जहां जंगली हाथियों के झुंड ने एक मिट्टी के घर को धक्का देकर गिरा दिया. जिससे घर के अंदर सो रही वृद्ध महिला बासो हांसदा की मौत मिट्टी की दिवार के नीचे दबने से हो गयी.

जानकारी के मुताबिक जंगली हाथियों का झुंड जब गांव में पहुंचा तो घर में सो रही वृद्ध के दामाद को इसकी आहट मिल गयी. इसके बाद वह घर से बाहर निकलकर खदड़ने का प्रयास किया. लेकिन हाथियों का झुंड भागने की बजाय उसके घर पर हमला करते हुए दिवार को धक्का मारकर गिरा दिया. जिससे घर के अंदर सो रही वृद्ध की मौत हो गयी.

दूसरी घटना पूर्वी सिंहभूम के ही बड़ामारा पंचायत स्थित चौठिया गांव की है, जहां रविवार सुबह वकील टुडू नामक एक वृद्ध को जंगली हाथियों का झुंड ने मौत के घाट उतार दिया. जानकारी के मुताबिक वह शौच के लिए अपने घर बाहर गया था. लेकिन थोड़ी दूर जाने के बाद उसे जंगली हाथियों का झुंड दिखाई दिया. जिसे देखकर वह भागने लगा. लेकिन जंगली हाथियों ने उसे दौड़ाकर मार डाला. मृतक के बेटे की एक साल पहले ही सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी. फिलहाल उसके घर में बहू और पोते-पोतियां हैं. घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है.

दो गांव दो लोगों की मौत हो जाने से ग्रामीण में भारी आक्रोश देखा गया. जिसके बाद आक्रोशितों ने चाकुलिया बहरागोड़ा सड़क मार्ग पर सड़क जाम कर दी. जिससे वाहनों की लंबी कतार लग गयी. सूचना पाकर वन विभाग की टीम और चकुलिया पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया.

मझगांव व झींकपानी में छात्रों को मिलीं साइकिलें

चाईबासा, एजेंसी। शनिवार को झींकपानी व मझगांव में छात्रों के बीच साइकिल वितरित किया गया। झींकपानी प्रखंड के 10 प्लस टू स्कूल में आठवीं कक्षा पास छात्रों को साइकिल वितरण किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सीमा आईनद, प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, पंचायत के मुखिया जोड़ा पोखर, पंचायत के मुखिया एवं 10 प्लस टू कि प्रधान अध्यापिका, सीआरपी, बीआरपी एवं एमआईएस उपस्थित थे। साइकिल मिलने के बाद छात्रों ने संकल्प किया कि वह प्रतिदिन स्कूल आएंगे। उधर, प्रखंड के मध्य

विद्यालय घोडाबंधा परिसर में उन्नति का पहिया कार्यक्रम के तहत छात्र-छात्राओं को जिप सदस्य पूनम जेराई, प्रखंड प्रमुख सरस्वती चातार, जेएएम प्रखंड अध्यक्ष राजेश पिंगुवा, बीस सूत्री अध्यक्ष धर्नुजय तिरिया, बीडीओ जोसेफ कान्डुलना, सीओ संजय कुमार बखला ने संयुक्त रूप से साइकिल वितरण किया। झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजेश पिंगुवा ने प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च, उच्चतर शिक्षा हासिल करने वाले बच्चों को सभी सुविधा झारखंड सरकार मुहैया करवाएगी। मौके पर कृषि पदाधिकारी सीरिप बास्के, जिला परिषद सदस्य पूनम जेराई, बीस सूत्री सदस्य धुर्नजय तिरिया, प्रखंड अध्यक्ष राजेश पिंगुवा,प्रमुख सरस्वती चातार,मुखिया विवेकान्द पुरती,मोजाहिद अहमद,गोकुल पोलाई, दिलेश्वर बेहरा,प्रताप पिंगुवा,प्राचार्य सोरेन,गाजेंद्र पान समेत शिक्षक सपन साहु, अन्य अभिभावक मौजूद थे।

बीएयू और जुमार नदी की जमीन पर कब्जे के मामले में भी ईडी ने दर्ज की एफआईआर

रांची, एजेंसी। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय व जुमार नदी की जमीन पर कब्जा मामले में जमीन माफिया कमलेश व उसके सहयोगियों पर दर्ज केस को भी ईडी ने अपने नए ईसीआइआर में जोड़ा है।

ईडी ने कोर्ट में प्रस्तुत रिमांड आवेदन में इन चारो कांडों का जिक्र किया है और बताया है कि इस वर्ष जमीन घोटाला मामले में यह नया ईसीआईआर है।

गोंदा थाना कांड संख्या 174/2024ः रांची के गोंदा थाने में 21 जून 2024 को कमलेश कुमार के विरुद्ध आर्म्स एक्ट में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। यह प्राथमिकी उसके कांके रोड के

चांदनी चौक एस्टर ग्रीन अपार्टमेंट के फ्लैट संख्या 603सी से बरामद 100 कारतूस मामले में दर्ज की गई है।

गोंदा थाना कांड संख्या 120/2022ः रांची के गोंदा थाने में 10 दिसंबर 2022 को धोखाधड़ी, जालसाजी के मामले में प्राथमिकी दर्ज हुई थी। यह प्राथमिकी कमलेश कुमार उर्फ कमलेश शर्मा, अमरेंद्र कुमार दुबे, नुरूल अंसारी के विरुद्ध दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने आरोपितों के विरुद्ध जालसाजी व बेइमानी कर कांके के नगड़ी मौजा में पांच डिसमिल जमीन खरीदवाने का आरोप लगाया था। नगड़ी मौजा में खाता नंबर 101 व प्लाट नंबर 2260 पर उक्त जमीन है।

इस जमीन के एवज में उसने 24 लाख रुपये का भुगतान किया था। बाद में उसे जानकारी मिली कि उक्त जमीन आदिवासी प्रकृति की है, जिसके मालिकाना हक से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं था।कांके थाना कांड संख्या 117/2024ः कांके थाने में चार अप्रैल 2024 को कमलेश के विरुद्ध कांके के बुकरू निवासी संजय साहू ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। कमलेश पर उन्होंने अवैध तरीके से 133 एकड़ जमीन पर चारदीवारी खड़ी करने का आरोप लगाया था। यह बुकरू में खाता नंबर 89 के प्लाट नंबर 972 में 96 एकड़ व खाता नंबर नंबर 46 के प्लाट नंबर 996 में 37 एकड़ जमीन है।

कांके थाना कांड संख्या 237/2020ः कांके थाने में 27 नवंबर 2020 को रिवर व्यू गार्डेन के प्रोपराइटर कमलेश कुमार के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज हुई थी। यह प्राथमिकी कांके के राजस्व उप निरीक्षक रंजीत कुमार की शिकायत पर दर्ज की गई थी। यह अवैध तरीके से सरकारी जमीन पर कब्जा से संबंधित था, जहां जमीन का समतलीकरण कर किया जा रहा था।

68 साल में पहली बार मेजबान शहर से इतने किमी दूर हुआ स्पर्धा का आयोजन

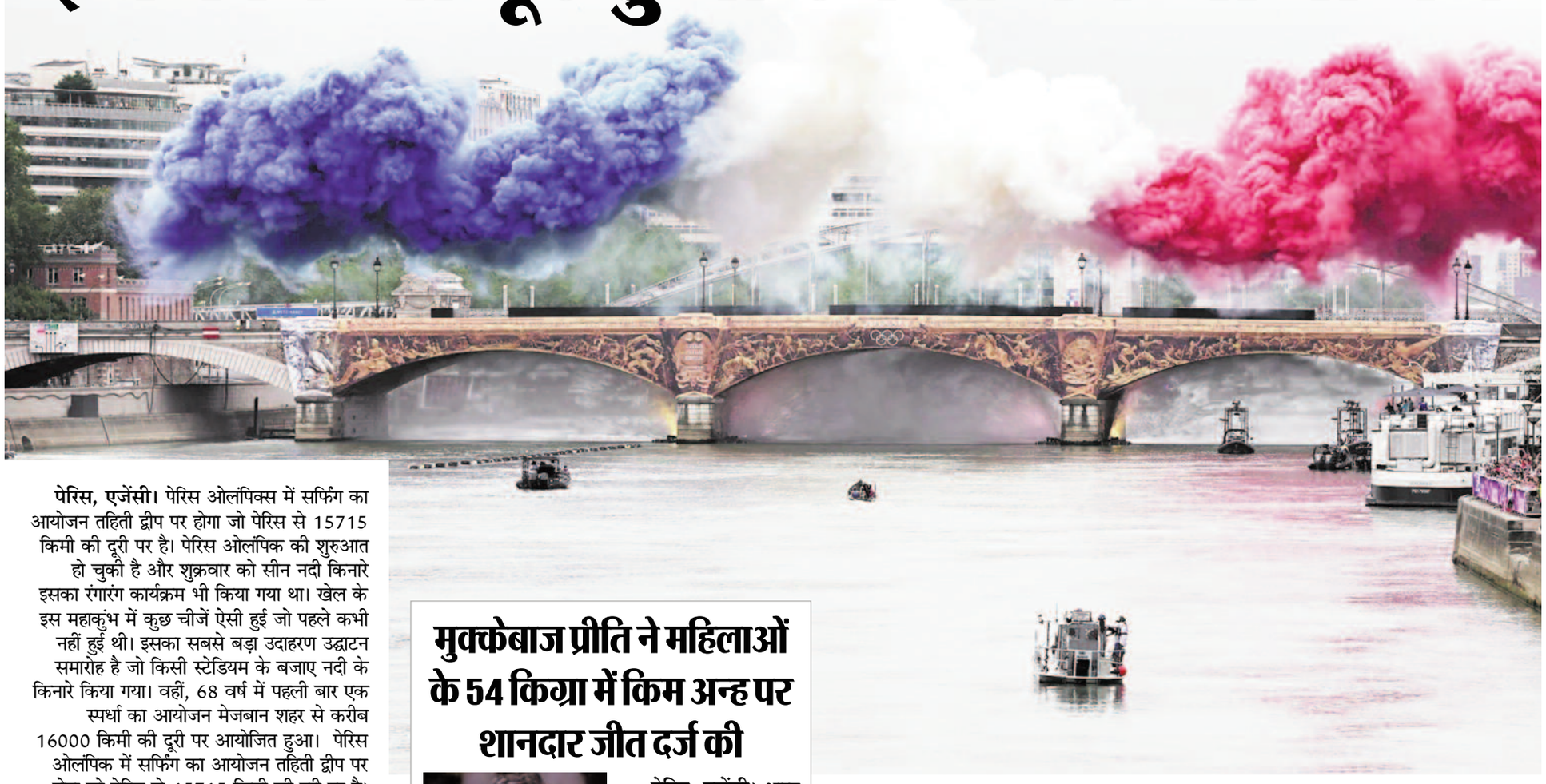

पेरिस, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक्स में सर्फिंग का आयोजन तहिती द्वीप पर होगा जो पेरिस से 15715 किमी की दूरी पर है। पेरिस ओलंपिक की शुरुआत हो चुकी है और शुक्रवार को सीन नदी किनारे इसका रंगारंग कार्यक्रम भी किया गया था। खेल के इस महाकुंभ में कुछ चीजें ऐसी हुई जो पहले कभी नहीं हुई थी। इसका सबसे बड़ा उदाहरण उद्घाटन समारोह है जो किसी स्टेडियम के बजाए नदी के किनारे किया गया। वहीं, 68 वर्ष में पहली बार एक स्पर्धा का आयोजन मेजबान शहर से करीब 16000 किमी की दूरी पर आयोजित हुआ। पेरिस ओलंपिक में सर्फिंग का आयोजन तहिती द्वीप पर होगा जो पेरिस से 15715 किमी की दूरी पर है। सर्फिंग के अलावा सेलिंग और फुटबॉल के मुकाबले क्रमशः मार्सिले और बोर्डिओक्स में आयोजित होंगे जो पेरिस से दूर हैं। सेलिंग और फुटबॉल के इवेंट्स जहां होंगे वो पेरिस से सैकड़ों किमी की दूरी पर हैं, लेकिन सर्फिंग का आयोजन मेजबान शहर से काफी दूर आयोजित हो रहा है। पेरिस ओलंपिक के अधिकारियों ने कथित तौर पर बताया कि सर्फिंग का आयोजन तहिती द्वीप पर कराने का मकसद इन खेलों को पूरे फ्रांस में लोकप्रिय बनाना था। मेलबर्न ओलंपिक में भी हुआ था ऐसा

इससे पहले, अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने 1956 मेलबर्न ओलंपिक के दौरान भी एक स्पर्धा का आयोजन मेजबान शहर से दूर कराया था। उस वक्त घुड़सवारी का आयोजन स्वीडन के स्टॉकहोम में हुआ था जो मेलबर्न से काफी दूर था। यह ऑस्ट्रेलिया की अश्व संगरोध नीतियों के कारण हुआ था, जिसने आईओसी को इस स्पर्धा को मेजबान शहर से दूर कराने के लिए मजबूर किया था।

पिछले 10 वर्षों में खिलाड़ियों को काफी सुविधाएं मिली हैं: पीटी उषा

पेरिस, एजेंसी। भारतीय दल ने शनिवार को पेरिस में 33वें ओलंपिक खेलों में अपने अभियान की शुरुआत खेलों में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन हासिल करने की उम्मीद के साथ की, जो देश द्वारा टोक्यो में जीते गए सात पदकों को पीछे छोड़ देगा। उस महत्वपूर्ण दिन पर जब शीर्ष पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचकर पदक की उम्मीदें बरकरार रखीं, आईएएनएस ने यह जानने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष और महान एथलीट डॉ. पीटी उषा से मुलाकात की। जब वह प्रतिस्पर्धा कर रही थी तब से दृश्य कैसे बदल गया है।

मेरे समय और अब की कोई तुलना नहीं है। मैंने अपने कोच को अपने साथ रखने का प्रबंध किया। अन्यथा, मेरे लिए तो कोई एक्सपोज़र ही नहीं था। देखिये अगर मुझे यूरोप के बाहर 3-4 रेस मिल जाती तो मैं पदक जीत सकती थी । अनुभव और एक्सपोज़र की कमी के कारण ही मैं पदक से चूक गई। तो अब देखिए पिछले 10 सालों में खिलाड़ियों को काफी सुविधाएं मिल रही हैं।

मुक्केबाज प्रीति ने महिलाओं के 54 किग्रा में किम अन्ह पर शानदार जीत दर्ज की

पेरिस, एजेंसी। भारत की प्रीति पवार पहले दौर के मुकाबले में शानदार जीत के साथ मुक्केबाजी में महिलाओं के 54 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंच गईं। हरियाणा के भिवानी की 20 वर्षीय खिलाड़ी ने नॉर्थ पेरिस एरेना में राउंड 32 में वियतनाम के वो थी किम अन्ह को 5-0 से हरा दिया। अब उनका मुकाबला दूसरी वरीयता प्राप्त कोलंबिया की येनी एरियास से होगा। शनिवार की पूरी बाउट के दौरान प्रीति ने अपनी प्रतिद्वंद्वी को लय हासिल नहीं करने दी। शुरुआत में भारतीय मुक्केबाज को कुछ दिक्कतों का सामना करना पड़ा लेकिन फिर उन्होंने शानदार वापसी की और पहला मुकाबला जीत लिया।

14 साल की उम्र में, प्रीति को उनके चाचा विनोद ने मुक्केबाजी से परिचित कराया, जो खुद राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता मुक्केबाज थे। विनोद ने प्रीति के पिता, जो हरियाणा पुलिस में सहायक उप-निरीक्षक (एएसआई) के रूप में काम करते हैं, को उन्हें मुक्केबाजी में हाथ आजमाने के लिए मना लिया और उन्हें कोचिंग देना शुरू कर दिया।

बॉक्सिंग में करियर बनाने के लिए प्रीति को अपने परिवार से पूरा सहयोग मिला और उन्होंने उनके विश्वास को कम नहीं होने दिया। हालाँकि उन्होंने थोड़ी देर से शुरुआत की, छह साल में, प्रीति ने घरेलू सर्किट से अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रगति की, पिछले साल हांगझाऊ एशियाई खेलों में कांस्य पदक जीता और अपनी पहली विश्व चैम्पियनशिप में भी देश का प्रतिनिधित्व किया। अब वह ओलंपिक खेलों में पदक जीतकर अपना सपना पूरा करने की उम्मीद कर रही हैं।

पेरिस ओलंपिक्स

24 करोड़ लोग, सात एथलीट्स, पेरिस ओलंपिक में कमेंटेटर के इस बयान से भड़के पाकिस्तानी

पेरिस, एजेंसी। पाकिस्तान के दल में 18 सदस्य हैं और इसमें सात खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि कुल 11 अधिकारी इस वैश्विक प्रतियोगिता के लिए फ्रांस गए हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, एक कमेंटेटर ने कुछ ऐसा कहा जिससे सोशल मीडिया पर विवाद बढ़ गया।

पाकिस्तान का 18 सदस्यीय दल 2024 ओलंपिक खेलों के लिए फ्रांस की राजधानी पेरिस पहुंच गया है। रंगारंग उद्घाटन समारोह के बाद शुक्रवार को जब इस कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ तो कमेंटेटर ने पाकिस्तान को लेकर कुछ ऐसा कहा जिसने सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर दिया है। कमेंटेटर की टिप्पणियों से सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी फैंस में नाराजगी है और उन्होंने इसे जाहिर भी किया है।

दरअसल, पाकिस्तान के दल में 18 सदस्य हैं और इसमें सात खिलाड़ी शामिल हैं, जबकि कुल 11 अधिकारी इस वैश्विक प्रतियोगिता के लिए फ्रांस गए हैं। उद्घाटन समारोह के दौरान, एक कमेंटेटर ने कथित तौर पर कहा, पाकिस्तान 240 मिलियन (24 करोड़) से अधिक लोगों का देश है, लेकिन केवल सात एथलीट ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। इस टिप्पणी से कई पाकिस्तानी लोग भड़क गए। पाकिस्तान के कई पत्रकारों ने उद्घाटन समारोह का वीडियो साझा किया, जहां कमेंटेटर ने टिप्पणी की और कहा कि इससे पाकिस्तानी लोग निराश और शर्मिंदा हुए।

जासूसी कांड के लिए कनाडा की महिला फुटबॉल टीम के छह अंक कटे, तीन कोचों पर प्रतिबंध

पेरिस, एजेंसी। ड्रोन जासूसी कांड के बीच कनाडा की महिला फुटबॉल टीम को पेरिस ओलंपिक में छह अंकों की कटौती दी गई है और इसके कोचिंग स्टाफ के तीन सदस्यों को शनिवार को एक-एक साल के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया। उन्हें कथित तौर पर बुधवार को शुरुआती मैच से पहले प्रतिद्वंद्वी न्यूजीलैंड के अभ्यास सत्रों की जासूसी करने के लिए ड्रोन का उपयोग करते हुए पकड़ा गया था। फीफा ने शनिवार को एक बयान में कहा,कैनेडियन सॉकर एसोसिएशन (सीएसए) और उसके अधिकारियों बेवर्ली प्रिस्टमैन, जोसेफ लोम्बार्डी और जैस्मीन मंडेर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू होने के बाद, फीफा अनुशासन समिति के अध्यक्ष ने अनुच्छेद 56.3 के अनुसार मामले को सीधे फीफा अपील समिति को संदर्भित करने का निर्णय लिया। फीफा ने कैनेडियन सॉकर एसोसिएशन (सीएसए) को फीफा अनुशासन संहिता उल्लंघन में पाया गया, जिसके कारण उन्हें उचित सजा दी गई। कनाडाई सॉकर एसोसिएशन(सीएसए) की महिला प्रतिनिधि टीम के ओएफटी के ग्रुप ए में छह अंकों की स्वचालित कटौती, और सीएचएफ 200,000 का जुर्माना, और बेवर्ली प्रीस्टमैन, जोसेफ लोम्बार्डी और जैस्मीन मंडेर- प्रत्येक अधिकारी को एक वर्ष की अवधि के लिए फुटबॉल से संबंधित गतिविधि में भाग लेने से निलंबित कर दिया गया। घोटाले के बावजूद, कनाडा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अपना पहला मैच 2-1 से जीता, जिसका मतलब है कि अब वे -3 अंक पर हैं और ग्रुप ए में अंतिम स्थान

पर हैं। अंक कटौती के बावजूद, कनाडा के पास अभी भी क्वालीफाइंग का एक बाहरी मौका है और अपने दूसरे मैच में सोमवार को फ्रांस का सामना करना पड़ेगा ।

यह निष्कर्ष निकाला गया,सीएसए को किसी भी प्रशिक्षण स्थलों पर ड्रोन उड़ाने पर प्रतिबंध के साथ ओएफटी के अपने भाग लेने वाले अधिकारियों के अनुपालन को सुनिश्चित करने में विफलता के संबंध में लागू फीफा नियमों का सम्मान करने में विफल रहने के लिए जिम्मेदार पाया गया था।

भारतीय निशानेबाजों को खाने के लिए करना पड़ रहा संघर्ष, खेल गांव में नहीं मिल रहा मनचाहा स्वाद

पेरिस, एजेंसी। मनु भाकर के अलावा पहले दिन भारत के अन्य निशानेबाजों ने निराश किया। भारतीय पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालिफिकेशन चरण से ही बाहर हो गए। ओलंपिक खेलों में निशानेबाजी प्रतियोगिता में भाग लेने आए भारतीय दल को उनके स्वाद के अनुसार भोजन ढूंढने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। खिलाड़ियों के लिए यहां दो 'एथलीट गांव' हैं लेकिन दोनों में ही भारतीयों को अपना पसंदीदा भोजन नहीं मिला। कुछ निशानेबाज स्थानीय दक्षिण एशियाई रेस्तरां पर निर्भर हैं, जबकि कुछ ने अपना खाना खुद पकाया है।

एक भारतीय निशानेबाज ने गोपनीयता की शर्त पर बताया, खाना ढूंढने में मुश्किल हो रही है, बस किसी तरह से काम चल रहा है। पिस्टल कोच

जसपाल राणा ने कहा,हम तो खुद बनाते हैं। मैंने राजमा चावल खाया। किराने की दुकान से जरूरी सामान खरीदा और अपने अपार्टमेंट में बनाया। वहीं कुछ अन्य निशानेबाज पेरिस में खेल गांव की चहल पहल की कमी महसूस कर रहे हैं। वे पेरिस में ही रहना पसंद करते। एक भारतीय निशानेबाज ने कहा, शूटिंग रेंज खूबसूरत है। लेकिन मैं मुख्य खेल गांव से दूर रहकर थोड़ा परेशान हूं। उन्होंने कहा, यहां रहने की व्यवस्था ऐसी नहीं है जैसी मैंने सोची थी। लेकिन मैं प्रतियोगिता और जीतने के लिए यहां हूं। मनु भाकर के अलावा पहले दिन भारत के अन्य निशानेबाजों ने निराश किया। भारतीय पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल और 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा के क्वालिफिकेशन चरण से ही बाहर हो गए। 10 मीटर एयर पिस्टल में रिदम सांगवान 573 के स्कोर के साथ 15वें स्थान पर रहीं।

भारत की 43 रन से जीत के बाद सूर्यकुमार ने कहा

कभी नहीं सोचा था कि मैच हमसे दूर चला जाएगा

पल्लेकेले, एजेंसी। श्रीलंका पर 43 रनों की जीत के साथ भारत के तीन मैचों की टी20 सीरीज में 1-0 से आगे होने के बाद, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने कहा कि टीम ने कभी नहीं सोचा था कि मैच लगभग उनके हाथ से निकल जाएगा। श्रीलंका ने पूरी ताकत झोंक दी और 140/1 पर अच्छी तरह से तैयार था, लेकिन 30 रन पर अपने शेष नौ विकेट खोने से उसे 43 रन से हार का सामना करना पड़ा।

इससे पहले, पल्लेकेले अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में, सूर्यकुमार ने 28 गेंदों में 56 रन बनाए, जो उनका 20वां टी20 अर्धशतक था, और इस प्रारूप में भारत के पूर्णकालिक कप्तान के रूप में उनका पहला अर्धशतक था और उन्होंने टीम को 213/7 तक पहुंचाया।

वे पहली गेंद से ही अच्छे ब्रांड का क्रिकेट खेल रहे थे। वे लय बरकरार रखे हुए थे, इसका श्रेय उन्हें जाता है। हमने यहां दो-तीन दिनों तक

अभ्यास किया और हमें पता था कि रात में विकेट कैसा होगा।

मैच खत्म होने के बाद सूर्यकुमार ने कहा, ÷हमने कभी नहीं सोचा था कि यह हमसे दूर चला जाएगा। हम भाग्यशाली थे कि ओस नहीं थी। हमने विश्व कप में जिस तरह से खेला, उससे हमें याद आया कि खेल अभी बहुत दूर है। टीम के लिए जो भी काम करेगा, हम (बाएं-दाएं बल्लेबाजी संयोजन जारी रखने पर) फैसला लेंगे। इसी तरह के विचार उप-कप्तान शुभमन गिल ने भी व्यक्त किए, जो यशस्वी जयसवाल के साथ 74 रन की शुरुआती साझेदारी में शामिल थे। वास्तव में नहीं (घबराया हुआ)। हमने अच्छे संचार के बारे में बात की और हम जानते थे कि हमें सिर्फ एक विकेट की जरूरत है (जब श्रीलंका का स्कोर 140/1 था)। उनके (जायसवाल) साथ बल्लेबाजी करना बहुत अच्छा है और हम एक दूसरे के पूरक हैं। हमारी शैली अलग है, हमारी योजना सरल है - परिस्थितियों का आकलन करें और फिर गेंदबाजों का सामना करें। जब आप पारी की शुरुआत कर रहे हों, तो देखें कि पिच कैसा व्यवहार कर रही है और उसके अनुसार खेलें (यही योजना है)। श्रीलंका के कप्तान चरिथ असालंका ने अपनी टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाजी प्रदर्शन पर अफसोस जताया। हम पावरप्ले में (गेंद के साथ) अच्छे प्रदर्शन पर नहीं थे, लेकिन बाद के हिस्से में, हमने काफी मजबूत वापसी की। किसी स्तर पर, हमने सोचा था कि वे 240 तक पहुंच सकते हैं, लेकिन हमने अच्छा किया (उन्हें 213 पर रोककर)। उन्होंने निष्कर्ष निकाला, मध्यक्रम ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, उससे थोड़ा निराश हूं, हम बेहतर प्रदर्शन कर सकते थे। (अपनी ओर से) यह एक प्रयोग है, लेकिन भविष्य में हमें इसी रास्ते पर चलना चाहिए। दोनों टीमों के बीच दूसरा मैच रविवार शाम को पल्लेकेले में होगा।

वकील हुये जजो पर काबिज, हराया सात विकेट से पीजीआई ने पीयू को नौ विकेट से दी मात

चंडीगढ़, एजेंसी। गली क्रिकेट टूर्नामेंट के बीच शनिवार को मुल्लांपुर स्थित स्टेडियम में दो एग्जीबिशन मैच आयोजित किये गये। एडवोकेट्स

एकादश ने एक रोमांचक मुकाबले में जस्टिस एकादश को सात विकेट से हराया। अमन बाहरी ने अंतिम गेंद शाट मार एक रन चुरा मैच वकीलों के नाम किया । इससे पूर्व जजों ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने निरधारित दस ओवर्स में दो विकेट के नुकसान पर 67 रन बनाये। जस्टिस संदीप मौदगिल ने 15, जस्टिस एचएस सेठी ने 14 और जस्टिस आलोक जैन ने दस रनों का योगदान दिया। जवाब मे मैच की अतिम गेंद पर तीन विकेट के नुकसान पर टीम ने 68 रन बनाये। नाबाद अमन बाहरी ने 18, वनीत ने 15 और कप्तान एडीएस सखुजा ने 11 रन बनाये। इस अवसर पर चीफ जस्टिस शील नागू मुख्यातिथि के रुप में शामिल हुये जबकि बार कौंसिल के चेयरमैन अशोक सिंगला और एजी हरियाणा बलदेव राज महाजन गेस्ट आफ आनर के रुप में शामिल हुये। इससे पूर्व पीजीआई एकादश ने पंजाब युनिवर्सिटी एकादश पर नौ विकेट की शानदार जीत दर्ज की। पीयू ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और निरधारित दस ओवर्स में एक विकेट के नुकसान पर 54 रन बनाये।

एनिमल की आलचोना पर रणबीर ने पहली बार तोड़ी चुप्पी

करियर में ठहराव था, यह मेरे लिए सही फिल्म थी

रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका वाली संदीप रेड्डी वंगा की फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त सफलता हासिल की थी। यह फिल्म पिछले साल दिसंबर में रिलीज हुई थी और आज तक लोग इसके बारे में बात करते नजर आते हैं। हालांकि फिल्म सुपरहिट रही, लेकिन दर्शकों से इसे मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। लोगों के एक वर्ग ने फिल्म में मौजूद महिला विरोधी सीन्स की भी आलोचना की। अब फिल्म को लेकर मिल रही आलोचना पर रणबीर कपूर ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। हाल ही में, निखिल कामथ के साथ पॉडकास्ट में, रणबीर ने कहा, फिल्म को यह टैग मिला, जो ठीक नहीं है।

यह धारणा इस फिल्म के साथ बनी रही है। अगर आप आम दर्शकों के पास जाते हैं तो वे फिल्म के बारे में अछी बातें करते हैं, लेकिन कई लोग ऐसे भी हैं, जो कहते हैं कि आपको यह फिल्म नहीं करनी चाहिए थी। हम आपसे बहुत निराश हैं। अभिनेता ने आगे कहा, मैंने बस चुपचाप उनकी बातें सुनी और माफी मांगी। मैंने कहा, माफ करना, मैं अगली बार ऐसा नहीं करूंगा। हालांकि, मैं उनसे सहमत नहीं हूं, लेकिन मैं ऐसा नहीं करना चाहता। मेरा मतलब है कि मैं जीवन के उस दौर में हूं, जहां मैं किसी से बहस नहीं करना चाहता। अगर आपको मेरा काम पसंद नहीं आया तो मैं सॉरी कहूंगा और अगली बार और मेहनत करूंगा। रणबीर ने यह भी कहा कि जब उन्होंने एनिमल की कहानी सुनी तो वे डर गए और उन्हें लगा कि यह बहुत बोल्ड है, जिससे उनकी इमेज को नुकसान हो सकता था क्योंकि उन्होंने अपनी फिल्मों में हमेशा एक अछे लड़के का किरदार निभाया है।

हालांकि, जब उनसे पूछा गया कि क्या वह फिर से ऐसी फिल्में करेंगे तो रणबीर ने कहा, सौ प्रतिशत। रणबीर ने कहा, मैं अपने करियर में एक तरह से ठहर गया था। मुझे बहुत लंबे समय तक अगला सुपरस्टार कहा जाता था और... मैं यह नहीं कह रहा हूं कि मैं आज सुपरस्टार हूं। जब तक आपके पास लगातार ब्लॉकबस्टर फिल्में नहीं होती हैं, तब तक आपको सुपरस्टार नहीं कहा जा सकता है, लेकिन मुझे लगता है कि एनिमल सही समय पर सही फिल्म थी। यह मेरे लिए, मेरे आत्मविश्वास के लिए बहुत महत्वपूर्ण था। मेरे लिए एक लड़के से एक आदमी बनना जरूरी था।

हॉलीवुड फिल्मों में काम करना चाहती हैं तृप्ति

तृप्ति डिमरी इन दिनों बैड न्यूज फिल्म को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। फिल्म में अभिनेत्री के प्रदर्शन को समीक्षकों और दर्शकों ने सराहा है। बैड न्यूज के प्रदर्शन ने तृप्ति डिमरी की लोकप्रियता को और बढ़ा दिया है। वे पहले से ही एनिमल की सफलता का लुत्फ उठा रही थीं, जिसके जरिए उन्हें नेशनल क्रश का टैग भी मिला। लगातार दो बड़ी फिल्में करने के बाद अब तृप्ति की ख्वाहिशें और बड़ी हो गई हैं। वे अब अपने करियर में नए पंख जोड़ना चाहती हैं। दरअसल, तृप्ति डिमरी ने अब हॉलीवुड फिल्मों में जाने की इछा जताई है।

तृप्ति डिमरी अब बॉलीवुड से निकलकर हॉलीवुड फिल्मों में भी काम करना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री वर्तमान में पश्चिमी फिल्म उद्योगों में उनका प्रतिनिधित्व करने के लिए एक एजेंट की तलाश कर रही हैं और वह किसी फिल्म में एक छोटा सा हिस्सा लेने के लिए भी तैयार हैं, जो उनके करियर को आगे बढ़ाने में मदद करेगा।

हाल ही में तृप्ति ने बैड न्यूज के प्रचार के दौरान खुलासा किया कि वे पश्चिमी परियोजनाओं के लिए ऑडिशन देने की योजना बना रही हैं और इसके लिए एक एजेंट की तलाश कर रही हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा, अगर मुझे कहीं एक छोटा सा किरदार भी मिल जाता है तो मुझे लगेगा कि यह वाकई मददगार होगा, क्योंकि मुझे वहां अभिनेताओं के काम करने का तरीका बहुत पसंद है। हाल ही में तृप्ति ने बैड न्यूज के प्रचार के दौरान खुलासा किया कि वे पश्चिमी परियोजनाओं के लिए ऑडिशन देने की योजना बना रही हैं और इसके लिए एक एजेंट की तलाश कर रही हैं। तृप्ति डिमरी ने कहा, अगर मुझे कहीं एक छोटा सा किरदार भी मिल जाता है तो मुझे लगेगा कि यह वाकई मददगार होगा, क्योंकि मुझे वहां अभिनेताओं के काम करने का तरीका बहुत पसंद है।

तलाक और ब्रेकअप के बाद अब

रश्मि देसाई को है मिस्टर राइट की तलाश

रश्मि देसाई 38 साल की हैं लेकिन आज भी अकेली हैं। उनकी लाइफ में दो लोग आए लेकिन बात बिगड़ी ही। दूसरे रिश्ते से तो ज्यादा अफेक्ट हुई। मगर अब वह आगे बढ़ना चाहती हैं। और मिस्टर राइट की तलाश कर रही हैं। पारस छाबड़ा के शो में उन्होंने अपने मन की बात कही है। उतरन टीवी सीरियल में तपस्या का किरदार निभाकर घर-घर फेमस हुई रश्मि देसाई ने कई रियलिटी शोज में भी काम किया। दूसरे डेली सोप भी किए। भोजपुरी इंडस्ट्री में भी हाथ आजमाया। शादी, तलाक और ब्रेकअप के बाद आज एक्ट्रेस बिलकुल अकेली हैं। मगर अब वह मिस्टर राइट की तलाश में हैं। उन्होंने पारस छाबड़ा के पॉडकास्ट में अपने पार्टनर की खूबियों का जिक्र किया है। बताया है कि क्या उसमें ऐसी क्लॉलिटी होनी चाहिए, जिसे वह हां कहेंगी। पारस छाबड़ा के शो पर पहुंची रश्मि देसाई ने कई सारी बातें कीं। इस दौरान जब पारस ने उनसे उनके रिलेशनशिप्स के बारे में बात की तो एक्ट्रेस ने कहा कि उन दोनों की आपस में बनी नहीं तो उन्होंने उस रिश्ते को तोड़ दिया। रश्मि देसाई ने कहा कि अभी वह इस शादी, अफेयर वाले सब्जेक्ट पर स्ट्रगल कर रही हैं।

अपनी मेहनत के दम पर कृति ने बनाई बॉलीवुड में अलग पहचान

कृति सेनन आज बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने बॉलीवुड में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। आज उनकी गिनती फिल्म इंडस्ट्री की टॉप अभिनत्रियों में होती हैं, लेकिन उनके लिए बॉलीवुड का यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं रहा है। कृति सेनन का जन्म दिल्ली में 27 जुलाई 1990 को हुआ था। उन्होंने नोएडा के कॉलेज से बीटेक कर इंजीनियरिंग की थी, लेकिन इस इंजीनियर की किस्मत में फिल्म स्टार बनना लिखा था। कम ही लोगों को पता होगा बॉलीवुड में काम करने से पहले कृति साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सुपरस्टार महेश बाबू के साथ एक तेलुगू साइकोलॉजिकल थ्रिलर 'नेनोक्काडाइन' की थी। कृति सेनन ने साल 2014 में टाइगर श्रॉफ के साथ फिल्म हीरोपंती से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म के बाद उन्होंने कभी भी पीछे मुड़कर नहीं देखा। इसके बाद वे लुका छिपी से लेकर दिलवाले और बच्चन पांडे जैसी फिल्मों में नजर आईं। फिल्म दर फिल्म उनकी अभिनय क्षमता निखरती गई। कृति सेनन कई फिल्मों को अपने दम पर हिट करवा चुकी हैं। इनमें बरेली की बर्फी और लुका छिपी और मिमी शामिल हैं। वे अपनी हर फिल्म में कुछ अलग करती नजर आती हैं। दर्शक उनके अभिनय के अलावा उनके डांस के भी दीवाने हैं। कृति सेनन ने अभिनय के साथ-साथ अपना मेकअप लाइन भी लॉन्च किया है। इसके अलावा वे फिल्मों को प्रोड्यूस भी कर रही हैं।

अपारशक्ति खुराना की मां के लिए वाणी कपूर ने शेयर किया बेहद प्यारा पोस्ट

फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत कलाकारों में से एक हैं वाणी कपूर... उनकी अदाकारी और अदाओं के लाखों लोग दिवाने है। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। इस बीच उन्होंने एक्टर अपारशक्ति खुराना की मां के लिए एक पोस्ट शेयर किया। वाणी कपूर ने इंस्टाग्राम के स्टोरी सेक्शन में अपारशक्ति और आयुष्मान खुराना की मां के प्रति आभार जताया और घर पर बनी पारंपरिक पंजाबी मिठाई पिन्नी बनाने के लिए धन्यवाद दिया। वाणी ने पिन्नी की तस्वीर शेयर की और कैप्शन में अपारशक्ति को टैग करते हुए लिखा, मेरी तरफ से आपकी मां को धन्यवाद...ये बहुत टेस्टी है. अपारशक्ति ने भी पोस्ट को रीशेयर किया और रेड हार्ट वाले इमोजी के साथ लिखा, वाह! पिन्नी एक नॉर्थ इंडियन मिठाई है जो गेहूं के आटे, घी, चीनी और सूखे मेवों से बनाई जाती है। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो वाणी एक्ट्रेस बनने से पहले आईटीसी के होटल में जॉब करती थी। एक बार होटल में किसी फिल्म की शूटिंग हो रही थी। शूटिंग देखने के बाद उनकी दिलचस्पी फिल्मों में काम करने की हुई और मायानगरी मुंबई में आ गई। फिल्मों के लिए लगातार उनका स्ट्रगल एक दिन रंग लाया और उन्हें यशराज की फिल्म शुद्ध देसी रोमांस ऑफर हुई। वह सुशांत सिंह राजपूत के साथ नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह वॉर, बेल बॉटम, बेफिक्रे, चंडीगढ़ करे आशिकी और शमशेरा जैसी फिल्मों में दिखीं। फिलहाल, वह फिल्म खेल-खेल में को लेकर चर्चाओं में है। इस फिल्म में वह अक्षय कुमार, तापसी पन्नू, एमी वर्क, आदित्य सील, प्रग्या जायसवाल और फरदीन खान के साथ नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास रेड 2 और बदतमीज गिल भी है।

जान्हवी ने साझा किया

देवरा में जूनियर एनटीआर के साथ काम करने का अनुभव

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर साउथ डेब्यू के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वे देवरा के साथ टॉलीवूड में कदम रखेंगी, जिसमें उन्होंने साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर के साथ काम किया है। जूनियर एनटीआर की देवरा- पार्ट 1 में जान्हवी थंगम नाम की एक गांव की लड़की का किरदार निभा रही हैं, जो अभिनेता की प्रेमिका के किरदार में नजर आएंगी। अब अभिनेत्री फिल्म के प्रचार में जुटी हुई हैं। इस दौरान अभिनेत्री ने फिल्म में जूनियर एनटीआर के साथ काम करने को लेकर अपना अनुभव साझा किया। साथ ही अभिनेता के अभिनय की जमकर तारीफ भी की। जान्हवी ने टीम के फिल्म निर्माण के तरीके की प्रशंसा करते हुए कहा, मुझे पसंद है कि वे वहां कैसे काम करते हैं। मुझे पसंद है कि वे फिल्म को कला के काम की तरह कैसे देखते हैं...सिनेमा के काम की तरह। वे वास्तव में इसे वह सम्मान, पैमाना और परिमाण देते हैं। उन्हें अपनी कहानी कहने में बहुत विश्वास है।

सिटाडेल हनी बनी की रिलीज पर सामंथा ने दिया अपडेट

सामंथा रुथ प्रभु और वरुण धवन सीरीज सिटाडेल हनी बनी में नजर आएंगे। दर्शकों को इसकी रिलीज का इंतजार है। मेकर्स इसकी रिलीज डेट के खुलासे को लेकर संकेत दे चुके हैं। 1 अगस्त को मुंबई में इवेंट का आयोजन किया है, इसी दिन रिलीज डेट से पर्दा उठेगा आज सामंथा रुथ ने भी मजेदार अंदाज में सीरीज की रिलीज डेट को लेकर संकेत दिए हैं। उन्होंने अपनी दो फोटो साझा की हैं, हाथों में एक चिट है, जिस पर लिखा है, 1 अगस्त को हनी को खोजो उन्होंने कैप्शन लिखा है, क्या यह किसी डेट की तरह सुनाई पड़ रहा है? सामंथा के इस पोस्ट पर यूजर्स के दिलचस्प कमेंट आ रहे हैं, कई यूजर्स तो इसे उनकी पर्सनल लाइफ से जोड़कर देख रहे हैं।

पेरिस ओलंपिक में प्रस्तुति के बाद

लेडी गागा ने बताई दिल की बात

मशहूर अमेरिकन गायिका लेडी गागा ने हाल ही में, पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन समारोह में प्रस्तुति दी। उनकी इस परफॉर्मेंस की दुनियाभर में चर्चा हुई। हालांकि, उनकी इस प्रस्तुति के दौरान सामने आई तकनीकी खामियों के चलते कुछ लोगों द्वारा आलोचना भी की गई। इसी बीच, अब लेडी गागा ने अपनी ओर से बयान जारी किया है, जिसमें उन्होंने पेरिस ओलंपिक में अपनी परफॉर्मेंस को लेकर काफी कुछ साझा किया। लेडी गागा ने क्या कुछ कहा इसे जानने से पहले उनकी प्रस्तुति की आलोचना का कारण जान लेते हैं।

दरअसल, कुछ लोगों ने यह शिकायत की थी कि जब लेडी गागा गा रही थी तो उस वक्त कुछ तकनीकी समस्या के कारण उनकी आवाज सही से सुनाई नहीं दे रही थी। उनका कहना था कि आवाज संबंधी उपकरणों में कुछ दिक्कत थी। अब बात करते हैं, लेडी गागा के बयान की। लेडी गागा ने अपने एक्स हैंडल पर एक लंबी पोस्ट लिखी है, जिसे पढ़कर लगता है कि वो अपनी प्रस्तुति से काफी संतुष्ट हैं। उन्होंने लिखा कि वो पेरिस ओलंपिक 2024 के उद्घाटन कार्यक्रम में बुलाए जाने पर बहुत आभारी महसूस कर रही हैं।